Ranchi • Thursday, 01 January 2026 • Year : 04 • Issue : 344 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Happy New Year
Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published From Ranchi
2026

घड़ी की सुई 12 पर, लोगों ने कहा- हैप्पी न्यू ईयर

रांची में आतिशबाजी के साथ डीजे की धुन पर युवाओं ने मचाया धमाल

» क्लबों, होटलों, बारों और सड़कों पर भी नाचते-गाते मस्ती में दिखाई पड़े लोग

» लाइव बैंड और डिनर पार्टी के साथ गुलजार रही पूरी रात

31 दिसंबर की रात घड़ी की सुई 12 पर पहुंचते ही साल 2025 की विदाई और नए साल 2026 का आगाज हो गया। लोगों ने उत्साह से भरकर कहा- हैप्पी न्यू ईयर। झारखंड की राजधानी रांची में नए साल का जश्न आतिशबाजी के साथ शुरू हुआ। युवाओं ने डीजे की धुन पर जमकर धमाल मचाया। क्लबों, होटलों, बारों और सड़कों पर लोग नाचते-गाते मस्ती में दिखाई पड़े। लाइव बैंड और डिनर पार्टी के साथ पूरी रात गुलजार रही। शहर में नए साल के स्वागत के लिए क्लबों से लेकर रेस्टोरेंट व रिजॉर्ट तक हर जगह डीजे सजाए गए थे। इसके अलावा कांके रिजॉर्ट और होली-डे होम में रशियन डांसरों ने राजधानीवासियों को झूमने के लिए जोश से भर दिया। अनलिमिटेड ड्रिंक, लजीज व्यंजन के साथ, रशियन बेले डांसर, म्यूजिकल डांस ग्रुप और आतिशबाजी की भी व्यवस्था हर जगह रही। नए साल का जोश बच्चों में भी देखने को मिला।

डांसरों का लाजवाब परफॉर्मेंस

कांके रिजॉर्ट में नए साल का स्वागत लाइव बैंड के साथ डांसरों का परफॉर्मेंस लाजबाव रहा। यहां इंट्री शुल्क 4999 रुपये और कपल एंट्री का शुल्क 7999 रुपये रखा गया था। 6 से 14 साल के बच्चों के लिए 1499 रुपये एंट्री फीस रखी गई थी। राजधानी के मेन रोड का पांच सितारा होटल रेडिसन ब्लू में नए साल की धूम रातभर रही। प्रीमियम तरीके से नए साल का स्वागत किया गया। यहां ब्लू बर्ड बैंड का परफॉर्मेंस देखकर लोग थिरकने को मजबूर हो गए।

नरम गुलाबी धूप करेगी नए साल का स्वागत

साल के पहले दिन से न्यूनतम तापमान में सुधार की संभावना जताई गई है। लिहाजा, 1 जनवरी का आगाज नरम गुलाबी धूप के साथ होगा। हालांकि राज्य के दक्षिण-पूर्वी और उत्तरी भागों में सुबह के वक्त कहीं-कहीं घना कोहरा देखने को मिल सकता है। विभाग के मुताबिक, गुमला जिला में पारा 3.9 डिग्री रहा। जबकि हजारीबाग में 4.5 डिग्री, लोहरदगा में 5.1 डिग्री, डाल्टनगंज में 5.1 डिग्री और खूंटी में 5.2 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा। रांची का न्यूनतम पर 7.0 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। वहीं 12 जिलों में कोहरा देखा गया।

SHARE

संसेक्स	:	85,220.60
निफ्टी	:	26,129.60

SARAFA

सोना	:	12,605
चांदी	:	258.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

मनाई गई रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की वर्षगांठ

AYODHYA : बुधवार अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ मनाई गई। इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने सबसे पहले हनुमानगढ़ी पहुंचकर पूजा-अर्चना और आरती की। फिर राम मंदिर में रामलला के दर्शन किए। आरती के बाद रक्षामंत्री ने प्रभु श्रीराम को दंडवत प्रणाम किया। शंख-मंजीरों की गूंज और सीता राम, सीता राम के भजन के बीच राजनाथ सिंह माता अन्नपूर्णा मंदिर पहुंचे। परकोटा के मंदिरों में पहली बार धर्म ध्वजा फहराई। पूरी रामनगरी भक्ति भाव में डूबी नजर आई। माहौल दो साल पहले प्राण प्रतिष्ठा वाले दिन जैसा महसूस हुआ। इस बीच दोनों नेता अंगद टीला पहुंचे और जनसभा को संबोधित किया। योगी ने कहा- अयोध्या, जिसके नाम को सुनकर लगता है कि यहां कभी युद्ध नहीं हुआ। लेकिन, कुछ लोगों ने अपने स्वार्थ के लिए अयोध्या को भी संघर्ष और उपद्रव का अड्डा बना दिया था।

प्रोन्नत अफसरों को सीएम ने पहनाया बैज

RANCHI : बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में राज्य पुलिस सेवा के कई अधिकारियों ने शिष्टाचार भेंट की। इनमें राम समद, रोशन गुड़िया, अविनाश कुमार, राजेश कुमार, मजरूल होदा तथा दीपक कुमार शामिल थे। उल्लेखनीय है कि इन सभी अधिकारियों को हाल ही में भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) रैंक में पदोन्नति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर अधिकारियों को आईपीएस की बैज पहनाकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने सभी अधिकारियों को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

दुस्साहस : वार्ड के बाथरूम में लगे लोहे के रॉड को काटकर निकले बाहर

हजारीबाग जेल की सिक्योरिटी भेदकर उम्रकैद के 3 कैदी फरार

टेंट के कपड़े से बनाई रस्सी के सहारे भागने में हुए सफल, धनबाद के रहने वाले हैं तीनों

रात में करीब एक बजे कैदियों ने घटना को दिया अंजाम, सुरक्षा पर सवाल

- कैदी जहां से भागे, वहां दोनों ओर लगभग 50-50 मीटर की दूरी तक गश्ती मार्ग

- पड़ताल की जा रही कि इस घटना में किसी जेलकर्मी की संलिप्तता तो नहीं

"तीनों कैदी पांच स्तरीय सुरक्षा दीवार को भेद कर भागे हैं। तीनों धनबाद जिले के रहने वाले हैं। -चंद्रशेखर सुमन, जेल अधीक्षक

PHOTON NEWS HZB : हजारीबाग से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां लोकनायक जयप्रकाश नारायण सेंट्रल जेल से उम्रकैद की सजा काट रहे तीन कैदियों के फरार होने से जेल प्रशासन के हाथ-पैर फूल गए हैं। आश्चर्यजनक बात यह है कि कैदियों ने किसी अत्याधुनिक उपकरण का नहीं, बल्कि जेल के भीतर उपयोग होने वाले टेंट के कपड़े को रस्सी में बदलकर इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। इस घटना के बाद जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। अब तक की जानकारी के अनुसार, यह घटना 30 नवंबर की रात करीब एक बजे की है। जिस वार्ड में तीनों कैदी बंद थे, उसके बाथरूम में लगे लोहे के रॉड को काटकर वे बाहर निकले। इसके बाद तीनों आरोपी जेल के गुमटी नंबर 4 और 5 के बीच वाली दीवार की ओर बढ़े। यहां आरोपियों ने पहले लोहे के हुक (हक) की मदद से खुद को बिजली फेंसिंग में एक दांत के सहारे फंसाया और दीवार के ऊपर चढ़े, फिर उन्होंने बिजली फेंसिंग का एक फेज काट दिया, जिससे बिजली का प्रवाह बंद हो गया। इसके बाद वे फेंसिंग पार कर दूसरी ओर निकल गए।

लगे हैं 360 डिग्री वाले सीसीटीवी कैमरे

फरार कैदियों में धनबाद के लोयाबाद का देवा भुइयां, केंदुआडीह थाना क्षेत्र के गोधर का जितेंद्र रवानी व जोगता थाना क्षेत्र के सिजुआ का निवासी राहुल पंजवार शामिल है। राहुल को आजीवन कारावास, जितेंद्र को 22 वर्ष और देवा को 20 साल की सजा दी गई है। कैदियों के भागने का पता तब चला, जब सुबह सात बजे कैदियों की गिनती शुरू हुई। बैरक नंबर-6 में 40 कैदी बंद थे। इन्हीं में से तीन भागे। सबसे अहम तथ्य यह है कि अपराधियों ने टेंट का वही कपड़ा इस्तेमाल किया, जिसका उपयोग बैरक में बिस्तर बनाने के लिए किया जाता है। उन्होंने उस कपड़े को रस्सी की तरह इस्तेमाल कर दीवार पर चढ़ने और दीवार से बाहर नीचे उतरने के लिए प्रयोग किया। कैदी जहां से भागे थे, वहां दोनों ओर लगभग 50-50 मीटर की दूरी तक गश्ती मार्ग, भरपूर रोशनी और 360 डिग्री वाले सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। इस पूरे क्षेत्र की सुरक्षा की जिम्मेदारी जैप-7 के जवानों के पास है। इन सब सुरक्षा उपायों के बावजूद 3 कैदियों का इस तरह फरार हो जाना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

घटना के बाद जेल प्रशासन परेशान

बताया जाता है कि कैदी जहां से भागे, वह रास्ता कोलघटी से मंडई की ओर गुजरने वाली सड़क है। यह स्थान खुले इलाके में पड़ता है, जहां जेल की गुमटी संख्या 4 और 5 स्थित है। इसी रास्ते से आरोपी आसानी से बाहर निकलकर भागने में सफल हो गए। घटना के बाद जेल प्रशासन परेशान है। फरार कैदियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस और प्रशासन की कई टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं। दूसरी ओर, इस पूरे मामले में आंतरिक जांच भी शुरू कर दी गई है। सुरक्षा में हुई चूक को लेकर दोषी कर्मियों पर कड़ी कार्रवाई भी की जाएगी। इस बात की पड़ताल भी हो रही है कि इस घटना में किसी जेल कर्मी की संलिप्तता तो नहीं है।

कारगर आर्थिक सुधारों के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था ने लगाई बड़ी छलांग

- दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था के साथ 2026 में भी जारी रहेगी मजबूती की राह
- मजबूत वृद्धि, कम मुद्रास्फीति व सुदृढ़ बैंकिंग प्रदर्शन जैसे अनुकूल कारक मौजूद
- 2025 के दौरान आर्थिक रफ्तार को कायम रखने के लिए सुधार के कदम भी तैयार
- आगामी बजट में पूंजीगत व्यय व निजी निवेश के लिए नए उपायों के एलान की उम्मीद

NEW DELHI @ PTI : आर्थिक रूप से साल 2025 भारत के लिए बड़ी उपलब्धियों वाला रहा। कारगर आर्थिक सुधारो के दम पर अर्थव्यवस्था ने लंबी छलांग लगाई है। सभी मानकों पर यह स्पष्ट हो रहा है कि विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत 2026 में मजबूत स्थिति बनाए रखने की राह पर है, जहां मजबूत वृद्धि, कम मुद्रास्फीति एवं सुदृढ़ बैंकिंग प्रदर्शन जैसे अनुकूल कारक मौजूद हैं। साथ ही, 2025 के दौरान देखी गई आर्थिक रफ्तार को कायम रखने के लिए सुधार के कदम भी भी तैयार हैं। केंद्र सरकार से जीवन सुगमता एवं कारोबार सुगमता के विषयों को आगे बढ़ाते हुए आगामी बजट में पूंजीगत व्यय तथा निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए नए उपायों की घोषणा किए जाने की उम्मीद है। इससे शुल्क एवं भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारत एक अधिक आकर्षक निवेश गंतव्य बन सके।

आईएमएफ की चिंता का होगा समाधान

आधार वर्ष 2011-12 पर आधारित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर लगातार तिमाहियों में बढ़ी है। 2025-26 की दूसरी तिमाही में यह 8.2 प्रतिशत पर पहुंच गई जबकि खुदरा मुद्रास्फीति वर्ष के अंत तक भारतीय रिजर्व बैंक की निचली सीमा दो प्रतिशत से नीचे आ गई। सरकार के एक बयान में कहा गया कि भारत ने 4180 अरब अमेरिकी डॉलर के जीडीपी के साथ जापान को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्थान हासिल कर लिया है। 2030 तक अनुमानित 7300 अरब डॉलर की जीडीपी के साथ अगले ढाई से तीन वर्ष में जर्मनी को पछाड़कर तीसरे स्थान पर पहुंचने की राह पर है। सरकार के बयान के अनुसार, वर्तमान व्यापक आर्थिक स्थिति उच्च वृद्धि और कम मुद्रास्फीति के दुर्लभ मजबूत दौर को दर्शाती है। सरकार राष्ट्रीय खातों के लिए आधार वर्ष को 2011-12 से बदलकर 2022-23 करने पर भी काम कर रही है, जिससे सकल घरेलू उत्पाद की गणना पद्धति को लेकर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा उठाई गई चिंताओं का प्रभावी समाधान किया जा सके। घरेलू मुद्रा के मोर्चे पर, शेयर बाजारों से विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के बहिर्वाह से रुपये पर दबाव बना, हालांकि नवंबर में रुपये की अस्थिरता एक महीने पहले की तुलना में कम हुई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के अर्थव्यवस्था आकलन के अनुसार, वैश्विक स्तर पर चुनौतीपूर्ण एवं अनिश्चित माहौल के बावजूद 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूत जुझारूपन दिखाया और पूरे वर्ष वृद्धि में तेजी बनी रही। यह वृद्धि मुख्य रूप से मजबूत घरेलू मांग खासकर ग्रामीण उपभोग, मुद्रास्फीति में नरमी एवं स्थिर निवेश में बढ़ोतरी से संचालित रही, जिसने इस गति को बनाए रखा।

नए साल पर कई आईएएस-आईपीएस को तोहफा

छवि रंजन बने अभियान निदेशक कुमार रजत रांची के नए एसडीओ

छवि रंजन

कुमार रजत

सिमडेगा के एसपी बदले, नौशाद आलम को विशेष शाखा में भेजा गया

PHOTON NEWS RANCHI : नए साल की शुरुआत से ठीक पहले हेमंत सरकार ने राज्य के प्रशासनिक और पुलिस महकमे में बड़ा बदलाव किया है। कई आइएएस अधिकारियों को तबादला किया गया है। कुछ को नई पोस्टिंग दी गई है। वहीं कुछ आईपीएस अधिकारियों को प्रोन्नति के साथ पोस्टिंग मिली है। कुछ का स्थानांतरण किया गया है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी छवि रंजन अभियान निदेशक बनाए गए हैं। वहीं कुमार रजत रांची के नये एसडीओ बने हैं। वहीं सिमडेगा के एसपी बदले गए हैं। आईपीएस नौशाद आलम को विशेष शाखा में भेजा गया है।

विस्तृत खबर डिजिटल पर पढ़ें।

कफ सीरप तस्करी केस : भोला जायसवाल है गिरोह के संचालन का मास्टरमाइंड

यूपी पुलिस का एक्शन : रांची के शैली ट्रेडर्स सहित 7 के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी

किसी मेडिकल स्टोर का वास्तविक संचालन नहीं

पुलिस द्वारा किए गए फिजिकल इंस्पेक्शन में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि यह सभी नामों में से कोई भी मेडिकल स्टोर वास्तव में संचालित नहीं पाया गया।

PHOTON NEWS RANCHI : पुलिस ने कोडीन युक्त कफ सीरप की अवैध तस्करी से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। इस गिरोह का संचालन रांची से किया जा रहा था, जिसका मास्टरमाइंड भोला जायसवाल है। यूपी पुलिस की जांच में सामने आया है कि जायसवाल फर्जी बिल्टी बनाकर कफ सीरप की बड़ी खेप पड़ोसी देश बांग्लादेश तक भेजता था। इस मामले में यूपी पुलिस ने चंदौली जनपद के मुगलसराय क्षेत्र में सात लोगों व फर्मों के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया है। इनमें राज्य का शैली ट्रेडर्स शामिल है। ये सभी लोग फर्जी दस्तावेजों के जरिए तस्करी के नेटवर्क को कवर दे रहे थे। यूपी पुलिस ने अंजलि रानी कसेरा (समृद्धि इंटरप्राइजेज), आलोक प्रजापति (चॉइस डिस्ट्रीब्यूटर्स), सबा परवीन (मेसर्स एसपी फार्मा), आकाश गुप्ता (विष्णु मेडिकल एजेंसी), स्वप्निल केसरी (न्यू केसरी मेडिकल एजेंसी), शैली ट्रेडर्स (मुख्य फर्म) लाइसेंस और बिल्टी बेचने के रैकेट के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है।

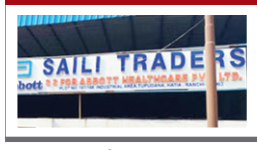

न्यू स्टडी प्राकृतिक एंटी एजिंग क्षमता वाले अणु खुद बनाता है शरीर

नई स्किन थेरेपी से धीरे-धीरे कम होने लगेगी उम्र बढ़ने की रफ्तार

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : जन्म के बाद शैशव, बालपन, किशोरावस्था युवावस्था, प्रौढ़ावस्था और फिर बुढ़ापा। यह प्रकृति का निर्धारित क्रम है। मनुष्य की सेहत और आयु को लेकर विज्ञान के क्षेत्र में लगातार नए रिसर्च हो रहे हैं। विभिन्न प्रकार की बीमारियों के इलाज से लेकर बढ़ती आयु की रफ्तार में कमी लाने को लेकर लंबे समय से शोध चल रहा है। इस बीच साल 2025 का अंत होते-होते यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि वैज्ञानिकों ने लंबे समय तक रिसर्च करने के बाद त्वचा की थेरेपी से जुड़ी एक ऐसी प्रक्रिया ईजाद की है, जिसके माध्यम से बढ़ती उम्र की रफ्तार को कम किया जा सकता है। यह प्रक्रिया एक नई स्किन थेरेपी के माध्यम से भविष्य में संभव हो सकती है। अमेरिकन केमिकल सोसाइटी और अमेरिकन सोसाइटी ऑफ फामाकीग्नॉसी के जर्नल ऑफ नेचुरल प्रोडक्ट्स में शोध के नतीजे विस्तार से प्रकाशित किए गए हैं। रिसर्च में बताया गया है कि वैज्ञानिकों ने खून में पाई जाने वाली एक बैक्टीरिया की प्रजाति से बने नए एंटी एजिंग यौगिक खोजे हैं। यह खोज भविष्य में नई स्किन-रिजुवनेशन थेरेपी यानी त्वचा को फिर से जवां करने के तरीकों की राह दिखा सकती है। इन यौगिकों को इंडोल मेटाबोलाइट्स कहा जाता है।

बुढ़ापा घटाने में अप्रत्याशित स्रोत की संभावना

इन यौगिकों ने लैब में तैयार त्वचा कोशिकाओं में सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधि को कम किया। शोधकर्ताओं के अनुसार, भविष्य में बुढ़ापा की रफ्तार कम करने में यह स्किन थेरेपी अप्रत्याशित स्रोत बन सकती है। वैज्ञानिकों ने शोध के दौरान पाया है कि शरीर खुद ऐसे अणु बनाता है, जिनमें प्राकृतिक एंटी एजिंग क्षमता होती है। खून में रहने वाले एक बैक्टीरिया के बनाए गए ये तीन शक्तिशाली अणु मानव त्वचा कोशिकाओं में सूजन और कोशिकाओं के नुकसान को कम करने में सक्षम पाए गए।

वैज्ञानिकों ने लंबे समय तक अध्ययन करने के बाद साल 2025 में खोजी नई प्रक्रिया

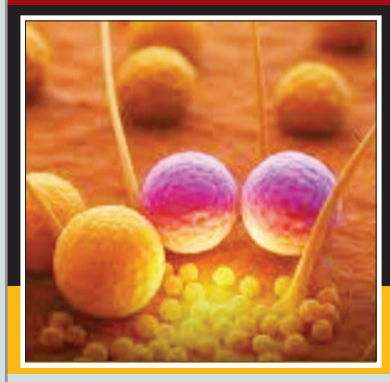

खून के विशेष अणुओं की गतिविधियों से जवां दिखने की स्थिति में आ जाएगी त्वचा

- मानव रक्त में पाए जाने वाले एक जीवाणु की प्रजाति से निकाले गए हैं खास यौगिक
- घटेगी कोशिकाओं में सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधि

सेहत के राज खोलेंगे बुढ़ापा और सूक्ष्मजीव रोधी प्रभाव वाले गुणों से युक्त मेटाबोलाइट्स

आगे अभी और रिसर्च की जरूरत

इस शोध को और आगे बढ़ाने की बात वैज्ञानिकों ने कही है। उनके सामने अभी भी यह पूरा स्पष्ट नहीं है कि खून में घूमने वाले बैक्टीरिया के उप-उत्पाद (मेटाबोलाइट्स) इंसानी सेहत पर कैसे असर डालते हैं। इनमें से इंडोल यौगिक खास तौर से अहम हैं क्योंकि यह बुढ़ापा रोधी, सूजन रोधी और सूक्ष्मजीव रोधी प्रभाव वाले गुण रखता है। शुरुआती परिणामों के आधार पर वैज्ञानिकों का कहना है कि ये नए इंडोल मेटाबोलाइट भविष्य में ऐसे इलाज विकसित करने में मदद कर सकते हैं, जो त्वचा पर उम्र बढ़ने के प्रभावों को कम करें।

इंदौर में दूषित पानी से अब तक 10 की मौत

INDORE : देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से अब तक 10 मौत हो चुकी हैं। 150 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए बुधवार शाम डॉ. मोहन यादव इंदौर पहुंचे। यहां अलग-अलग अस्पताल जाकर बीमार लोगों से मुलाकात की। मामले में हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने प्रदेश सरकार से 2 जनवरी तक स्टेटस रिपोर्ट मांगी है। इंदौर हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रितेश इंसानी ने बुधवार सुबह जनहित याचिका दायर कर शहर के नागरिकों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने की मांग की थी। इस पर कोर्ट ने त्वरित सुनवाई कर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। बुधवार को भागीरथपुरा में पांच माह के अव्यान साहू समेत 4 लोगों ने दम तोड़ा। अव्यान की मां का कहना है कि सरकार बच्चों की मौत क्यों नहीं बताती। निश्चित तौर पर और भी बच्चे दूषित पानी का शिकार हुए होंगे।

अगले एपिसोड में करना है 7 करोड़ के सवाल का सामना

'केबीसी-17' में ₹01 करोड़ जीते रांची के बिप्लब बिस्वास

फास्टेस्ट फिंगर्स फर्स्ट से अमिताभ बच्चन ने की खेल की शुरुआत

PHOTON NEWS RANCHI : अमिताभ बच्चन के शो कौन बनेगा करोड़पति (केबीसी) के सीजन-17 में रांची के बिप्लब बिस्वास ने 10 सवालों के सही जवाब देकर एक करोड़ रुपये जीत लिए। इसके साथ ही उन्होंने एक कार भी अपने नाम की है। हॉटसीट पर आने के बाद बिप्लब ने बिना किसी लाइफलाइन का उपयोग किए सही जवाब देकर 50 हजार रुपये जीत लिए। इसके बाद उन्होंने सुपर संदूक खेला और 10 सवालों का जवाब सही देकर एक करोड़ रुपये जीते। 7 करोड़ के सवाल का सामना बिप्लब को अगले एपिसोड में करना है। बिप्लब ने ऑडिएंस पोल की मदद से 12,50,000, फिर 50 लाख रुपये के सवाल का सही जवाब दिया। इसके बाद एक करोड़ रुपये का सवाल आया। उनसे पूछा गया कि उस जहाज का नाम क्या था, जिसने स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी को फ्रांस से अमेरिका पहुंचाया था।

बोकारो में घर से मिली एक ही परिवार के 3 लोगों की लाश

मृतक के परिजनों ने मकान मालिक पर लगाया प्रताड़ना का आरोप, लिया था कर्ज

PHOTON NEWS BOKARO : बोकारो जिले के हरला थाना क्षेत्र से दिल को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां पांच नंबर स्ट्रीट के एक आउटहाउस में रहने वाले पति-पत्नी और बच्चे की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। घटना बुधवार को सामने आई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और तीनों का शव बरामद कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, मृतकों में कुंदन तिवारी और उसकी पत्नी रेखा देवी के साथ उनका दो साल का बच्चा है। कुंदन तिवारी अपने परिवार से अलग किराए के घर में रहता था। इस घटना के बाद मृतक के परिजन जुटे। उन्होंने इन मौतों का कारण मकान मालिक को बताया। परिजनों ने पुलिस से कहा कि कुंदन तिवारी ने मकान मालिक से कर्ज ले रखा था और कर्ज चुकाने के बदले मकान मालिक उसे हर दिन प्रताड़ित करता था। फिलहाल पुलिस इस मामले में कुछ भी कहने से बच रही है. पुलिस सिर्फ अनुसंधान करने की बात कह रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि तीनों की मौत कैसे हुई। इसके बाद ही इस मामले में साक्ष्य एकत्र किए जाएंगे और अनुसंधान की दिशा तय होगी। कुंदन तिवारी, बांका, बिहार के निवासी थे। उनकी पत्नी रेखा देवी बोकारो जिले के ही टुपकाडीह की रहने वाली थी। दोनों ने प्रेम विवाह किया था।

घटना की सूचना मिलने पर घर के बाहर जुटी लोगों की भीड़

> मृतक परिवार पर काफी कर्ज था और आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। पुलिस की जांच और पूछताछ में जो तथ्य सामने आए हैं, उसमें प्रथम दृष्टया फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की गई होगी। फंदा लगाने से पहले बच्चे की हत्या की गई होगी। ऐसा लग रहा है कि बच्चे की मौत दम घुटने से हुई है। लेकिन, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामला पूरी तरह से स्पष्ट हो पाएगा।
> – आलोक रंजन डीएसपी-सिटी

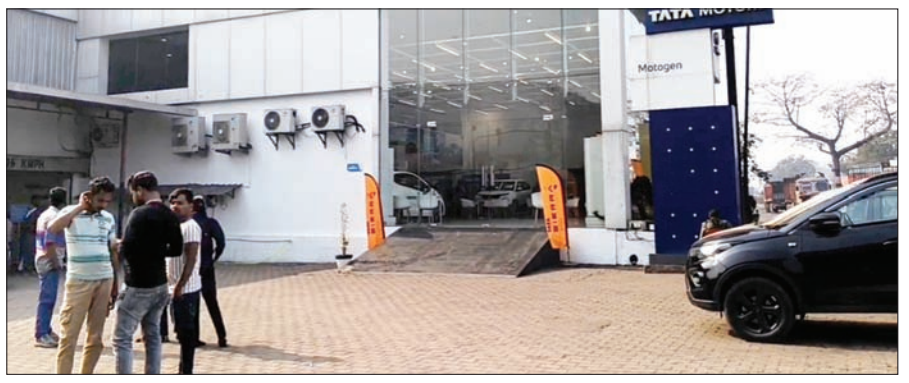
छापेमारी के दौरान शोरूम के बाहर मौजूद लोग

धनबाद के बरवाअड्डा में दूसरे दिन भी जारी रहा एसीबी का छापा

AGENCY DHANBAD : धनबाद के बरवाअड्डा थाना अंतर्गत काशीटांड़ स्थित मोटोजेन शोरूम और पंडुकी बरवाअड्डा स्थित एचएन मोटर्स भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की दूसरे दिन भी छापेमारी जारी है। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के एक मामले को लेकर की जा रही है। छापेमारी में रांची और धनबाद एसीबी की संयुक्त टीम शामिल है। सूत्रों के अनुसार, एसीबी की टीम ने शोरूम से जुड़े दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है। मौके पर मौजूद कर्मचारियों से पूछताछ की जा रही है, वहीं वित्तीय लेन-देन से संबंधित कागजात भी खंगाले जा रहे हैं। छापेमारी के दौरान शोरूम परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। एसीबी ने मंगलवार को स्निग्धा सिंह के नियंत्रण वाली टाटा मोटर्स व महिंद्रा से जुड़े छह शोरूम में छापेमारी की। जो बुधवार को भी जारी है।

सूत्रों के अनुसार इन शोरूम की निदेशक स्निग्धा सिंह हैं, जो आय से अधिक संपत्ति मामले में आरोपी है। स्निग्धा सिंह आइएएस विनय कुमार चौबे के सहयोगी विनय सिंह की पत्नी हैं। इस केस में स्निग्धा सिंह अभी फरार चल रही हैं।

बता दें कि आय से अधिक संपत्ति के मामले में मंगलवार की देर शाम धनबाद सहित राज्य में सात स्थानों पर एसीबी ने एक साथ छापेमारी की है।

BRIEF NEWS

प्रमंडलीय आयुक्त व अवर सचिव हुए सेवानिवृत्त, दी गई विदाई

HAZARIBAG : राज्य प्रशासन में सेवा देने वाले प्रमंडलीय आयुक्त (उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल) पवन कुमार तथा अवर सचिव राकेश कुमार सेवानिवृत हो गए। इस अवसर पर बुधवार को प्रमंडलीय कार्यालय के सभा कक्ष में दोनों अधिकारियों को भावभीनी विदाई दी गई। सम्मान समारोह में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने दोनों अधिकारियों के प्रशासनिक जीवन, नेतृत्व क्षमता तथा जनहित में किए गए उल्लेखनीय कार्यों को स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि दोनों अधिकारियों का सेवाकाल ईमानदारी, अनुशासन एवं संवेदनशील प्रशासन का आदर्श उदाहरण रहा है।

चोरी का सामान खपाने वाला गिरफ्तार

GODDA : गोड्डा जिला के मेहरमा थाना क्षेत्र में चोरी की बढ़ती घटनाओं के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर मेहरमा थाना अंतर्गत चोरी की घटित विभिन्न घटनाओं में सलिप्त व्यक्ति मो. असगर को गिरफ्ता किया गया है। उस पर अपने घर में चोरी गए सामानों को रखने की सूचना मिली थी। इस पर एसपी ने विशेष छापामारी दल का गठन किया। टीम ने मो. असगर से पूछताछ की तो, उसने बताया कि वह अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर गोड्डा जिला के मेहरमा थाना अंतर्गत दुकान, स्कूल एवं पंचायत भवन से सामानों की चोरी करता है।

इसे बिहार के भागलपुर जिला में ले जाकर बेचते थे। कुछ सामान अपनी जरूरत के लिए रख लेते थे। उसने बताया कि वे लोग ग्रुप बनाकर अपने पास एक टाटा सुमो वाहन का उपयोग कर चोरी की घटना को अंजाम देते थे। उसकी निशानदेही पर विभिन्न कांडों में चोरी गए विभिन्न सामानों, कांड में उपयोग में लाया गया वाहन एवं कांड कारित करने के लिए उपयोग में लाए गए सामान बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार अभियुक्त मो. असगर (40) मिर्जागांव थाना ईशीपुर बाराहाट जिला भागलपुर (बिहार) का रहने वाला है।

धनबाद में पिकअप वैन व ट्रक की आमने सामने हुई टक्कर, तीन की हालत नाजुक

AGENCY DHANBAD : गोविंदपुर से बलियापुर जाने वाले मुख्य मार्ग पर जंगलपुर के समीप बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। कोलकाता से माल लेकर गोविंदपुर की ओर जा रही एक पिकअप वैन की सामने से आ रहे एक ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में पिकअप वैन सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायल के परिजन निसार अहमद ने बताया कि ट्रक गलत दिशा से आ रहा था। इसी दौरान पिकअप वैन का संतुलन बिगड़ गया और दोनों वाहनों में आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वैन में केक, बिस्कुट सहित अन्य खाद्य सामग्री लदी हुई थी, जिसे गोविंदपुर के बैरियो मोड़ तक पहुंचाया जाना था। घायलों में 18 वर्षीय सदमन अंसारी शामिल हैं, जो निरसा थाना क्षेत्र के अंसार महाल, निरसा का निवासी हैं। सदमन निरसा से पिकअप वैन में सवार हुआ था और डिलीवरी के लिए गोविंदपुर जा रहा था। हादसे में उनका पैर टूट गया है। वहीं एस.के. मैहर अली और रकीबुल, दोनों कोलकाता के निवासी बताए जा रहे हैं, जिनकी हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, कोलकाता से दो व्यक्ति पिकअप वैन में माल लेकर निरसा तक आए थे, जिसके बाद सदमन अंसारी वहां से वाहन में सवार हुए और सभी गोविंदपुर की ओर रवाना हुए थे। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को तत्काल इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

अस्पताल में एंबुलेंस से घायलों को उतारते स्वास्थ्य कर्मी

कंटेनर ने अधिवक्ता की पत्नी को कुचला, मौत

DHANBAD : निरसा सिनेमा मोड़ के समीप बुधवार को एनएच-19 पर कंटेनर ने स्कूटी सवार दंपती को कुचल दिया, जिससे अधिवक्ता अमूल्य रत्न दत्ता की पत्नी आनंदिता दत्ता की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में पति को भी गंभीर चोट लगी है। अमूल्य रत्न दत्ता बंगाल स्थित आसनसोल न्यायालय में अधिवक्ता हैं। दोपहर में हुई इस घटना में स्कूटी को धक्का मारने वाला कंटेनर मौके से भाग गया। घटना की सूचना पाकर पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए धनबाद भेज दिया। बताया जाता है कि अधिवक्ता अपनी पत्नी के साथ बोकारो स्थित अपने ससुराल से कुल्टी लौट रहे थे। इसी दौरान निरसा सिनेमा मोड़ के समीप पीछे से आ रहे कंटेनर ने उनकी स्कूटी को धक्का मार दिया। धक्का लगते ही स्कूटी पर पीछे बैठी आनंदिता दत्ता बीच सड़क पर गिर पड़ी और कंटेनर उसे कुचलते हुए गुजर गया। इस दुर्घटना में आनंदिता का शव क्षत-विक्षत हो गया।

सड़क हादसे में बाइक चालक की गई जान

GIRIDIH : जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में बराकार जैन मंदिर के समीप हुए सड़क हादसे में बाइक चालक सुरेश वर्मा (50) की मौत हो गई। वह गिरिडीह के कुम्हरलालो का रहने वाले थे।

घटना को लेकर मृतक के पुत्र सोनु कुमार ने बताया कि मंगलवार रात में पिता सुरेश वर्मा अपने एक मित्र के बीमार पुत्र को नवजीवन नर्सिंग होम से देखकर कर बाइक से वापस अपने घर कुम्हर लालो लौट रहे थे। इस दौरान देर रात करीब 11 बजे जैन मंदिर के निकट तेज रफ्तार से आ रहे वाहन चालक ने उनकी टक्कर मारकर फरार हो गया। मौके पर ही बाइक सवार की मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने बुधवार को शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा ।

अज्ञात अपराधियों ने कोलियरी के कांटा घर में की फायरिंग

LATEHAR : सदर थाना क्षेत्र के तुबेद कोलयरी के कांटा घर के पास मंगलवार रात अपराधियों ने गोलीबारी की। अपराधियों ने इस दौरान तीन राउंड गोलियां चलाई। हालांकि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची, परंतु तब तक अपराधी वहां से फरार हो गए थे। डीएसपी अरविंद कुमार ने घटना की पुष्टि की है और कहा है कि अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार बीती रात एक मोटरसाइकिल पर सवार होकर दो अपराधी कोलियरी के कांटा घर के पास पहुंचे और 2 से 3 फायरिंग की। इसके बाद अपराधी वहां से फरार हो गए। इधर फायरिंग की सूचना मिलने के बाद कोलियरी परिसर में अफरा तफरी मच गई। मामले की सूचना पुलिस को भी दी गई। सूचना मिलने के बाद लातेहार डीएसपी अरविंद कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन करते हुए अपराधियों को गिरफ्तारी के लिए छापेमारी आरंभ किया। हालांकि तब तक अपराधी वहां से फरार हो गए थे। डीएसपी ने कहा कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। इधर सोशल मीडिया के माध्यम से राहुल दुबे गैंग ने घटना की जिम्मेदारी ली है।

यहीं चली थी गोली

स्वास्थ्य मंत्री ने किया बराकर नदी पर पुल का शिलान्यास

JAMTARA : राज्य के स्वास्थ्य मंत्री व विधायक डॉ. इरफान अंसारी ने बुधवार को बराकर नदी पर बनने वाले पुल का शिलान्यास किया। इस पुल के बनने से धनबाद और जामताड़ा की दूरी कम हो जाएगी। चालना गांव में शिलान्यास के दौरान काफी संख्या में लोग जुटे थे। ढोल-नगाड़े बजाकर उन्होंने मंत्री का स्वागत किया। इस कार्यक्रम में विधायक के पिता व गोड्डा के पूर्व सांसद फुरकान अंसारी भी शामिल हुए। इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री ने स्वास्थ्य मंत्री ने इसे एक ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि पुल के बनने से धनबाद और इस क्षेत्र की दूरी कम हो जाएगी। इससे विकास के नए मार्ग खुल जाएंगे। ग्रामीणों में रोजगार के नए-नए अवसर आएंगे। यहां बता दें कि इस पुल के लिए ग्रामीणद लंबे समय से मांग कर रहे थे। पुल बनने से उनका बड़ा सपना साकार होगा। शिलान्यास के मौके पर पूर्व सांसद फुरकान अंसारी ने पुल निर्माण को बहुत बड़ी सौगात बताया। उन्होंने कहा कि इस पुल के बन जाने से इस क्षेत्र के ग्रामीणों को रोजगार के काफी अवसर मिलेंगे।

वेतन और सुविधाओं की मांग को लेकर हड़ताल पर गए जोमैटो कर्मी

AGENCY PALAMU : श्रम कानून के तहत वेतन, कमीशन सहित अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर पलामू में काम करने वाले जोमैटो कर्मी दो दिनों तक हड़ताल पर रहने का निर्णय लिया है। जोमैटो कर्मियों ने जनता मजदूर संघ, पलामू के तत्वावधान में अपनी मांगों को लेकर डीसी को ज्ञापन सौंपा। वहीं कर्मियों की हड़ताल से जिले में ऑनलाइन डिलीवरी का काम प्रभावित हुआ है। कर्मियों का नेतृत्व संघ के राकेश कुमार सिंह ने किया। उन्होंने जोमैटो कर्मियों की मांग को जायज बताया और श्रम कानून के तहत वेतन, कमीशन सहित अन्य सुविधाओं की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि जोमैटो कर्मियों से श्रम कानूनों के विपरीत कार्य कराया जा रहा है और उन्हें सम्मानजनक वेतन और कमीशन भी नहीं दिया जाता है, जबकि कंपनी इनके बूते करोड़ों रुपये कमाती है।

इधर, कर्मियों की मांगों में श्रम कानून के तहत मजदूरी निर्धारण, प्रत्येक राइडर का बीमा, यात्रा भत्ता, इंसेंटिव में बढ़ोतरी, रेस्टोरेंट वेटिंग टाइम भत्ता, जिला मुख्यालय मेदिनीनगर में मल्टी स्पेशलिस्ट अस्पताल, कंपनी के पदाधिकारियों की ओर से श्रमिकों के साथ दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने, 8 घंटे कार्य करने पर ओवर टाइम इंसेंटिव, कंपनी का कार्यालय मेदिनीनगर में स्थापित करने, जोमैटो श्रमिक मदन पासवान, दिलीप कुमार की पूर्व में हुई दुर्घटना का मुआवजा सहित 11 सूत्री मांगें शामिल हैं।

नारेबाजी करते कंपनी के कर्मचारी

प्रेरणा मुख्यमंत्री पशुधन योजना से जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में आत्मनिर्भर बने डेयरी किसान

बड़कागांव के अरुण कुमार बने ग्रामीण उद्यमिता के प्रेरक मॉडल

PHOTON NEWS HAZARIBAG : मुख्यमंत्री पशुधन योजना के सहयोग एवं हजारीबाग जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में गव्य विकास एवं नवीकरणीय ऊर्जा से संबंधित योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव अब जमीनी स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। बड़कागांव प्रखंड के गुरचट्टी गांव निवासी अरुण कुमार ने सरकारी सहयोग, आधुनिक तकनीक और नवाचार के माध्यम से अपने डेयरी व्यवसाय को सफल उद्यम में परिवर्तित कर ग्रामीण आत्मनिर्भरता की मिसाल प्रस्तुत की है।

अरुण कुमार ने राज्य सरकार की सहायता से मात्र 5 गायों के साथ डेयरी व्यवसाय की शुरूआत की थी। गव्य विकास विभाग एवं जिला प्रशासन से प्राप्त तकनीकी मार्गदर्शन के फलस्वरूप आज उनका सीता डेयरी फार्म 18 गायों के साथ सफलतापूर्वक संचालित हो रहा है। वर्तमान में फार्म से प्रतिदिन लगभग 185 लीटर दूध का उत्पादन किया जा रहा है, जिसकी आपूर्ति स्थानीय मिल्क कलेक्शन सेंटर, होटल एवं विद्यालयों में की जाती है।

अरुण कुमार ने क्रॉस बीड की होल्सटीन फ्रीजियन गाय से शुरूआत की, उसके बाद समय के साथ साहीवाल, गिर और देसी गायों पर ज्यादा फोकस किया, क्योंकि होल्सटीन फ्रीजियन गाय भारतीय वातावरण में ज्यादा बीमार पड़ती थी।

डेयरी को उन्नत एवं लाभकारी बनाने के उद्देश्य से उन्होंने पूर्व में काऊ रबर मैट का उपयोग प्रारंभ किया, जिससे पशुओं के स्वास्थ्य में सुधार हुआ। इसके साथ ही मिल्किंग मशीन की स्थापना से दूध दुहने की प्रक्रिया अधिक स्वच्छ एवं सुगम हुई तथा उत्पादन में वृद्धि दर्ज की गई।

राज्य सरकार की नवीकरणीय ऊर्जा नीति से प्रेरित होकर उन्होंने 3 किलोवाट का सोलर पावर प्लांट स्थापित किया, जिससे बिजली की समस्या से स्थायी समाधान मिला। इसके साथ ही 100 लीटर क्षमता का सोलर वाटर हीटर भी लगाया, जिससे पूरे वर्ष गर्म पानी की सुविधा उपलब्ध हो सकी। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन से 2 घन मीटर का बायोगैस प्लांट स्थापित किया गया। बायोगैस से स्वच्छ ईंधन के साथ-साथ जैविक खाद प्राप्त होने लगी, जिसका उपयोग अजोला, नेपियर घास, बरसीम, मक्का एवं सूडान घास जैसी चारा फसलों की खेती में किया गया। इससे पशुओं के पोषण स्तर में सुधार हुआ और उत्पादन लागत में कमी आई।

पनीर व मिठाई भी कर रहे सप्लाई

अरुण कुमार दूध से पनीर एवं मिठाई बनाकर होम डिलीवरी के माध्यम से आपूर्ति कर एवं वर्मी कंपोस्ट का बेड बनाकर किसानों को ऑर्गेनिक उर्वरक मुहैया कराते हैं, जिससे अतिरिक्त आय भी प्राप्त होता है।

हजारीबाग के उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने कहा कि अरुण कुमार की सफलता यह प्रमाणित करती है कि राज्य सरकार की योजनाओं और जिला प्रशासन के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा सकता है। उनकी डेयरी इकाई अन्य किसानों के लिए प्रेरणादायी मॉडल है। जिला प्रशासन ऐसे प्रगतिशील किसानों को हरसंभव सहयोग प्रदान करता रहेगा।

अपनी डेयरी में उपस्थित अरुण कुमार ● फोटोन न्यूज

बेटा बना इंजीनियर, खोली कंपनी

बड़कागांव निवासी अरुण कुमार का कहना है कि डेयरी फॉर्म की मदद से परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी है। डेयरी फॉर्म की मदद से बड़ी बेटी की शादी अच्छे घराने में हुई है तथा बेटा को इंजीनियरिंग की पढ़ाई दिल्ली से कराई। आज अरुण कुमार का बेटा दिल्ली में सिग्मा पावर टेक प्राइवेट लिमिटेड के नाम से अपनी खुद की कंपनी चला रहा है। अरुण कुमार का डेयरी फार्म आज न केवल एक सफल उद्यम है, बल्कि जिले के अन्य किसानों को आधुनिक तकनीक, नवीकरणीय ऊर्जा और वैज्ञानिक पशुपालन अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है।

ससुराल आए युवक का फंदे पर लटका मिला शव

PALAMU : जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के बरांव गांव के चढनवा टोला में ससुराल आए गढवा के युवक का शव बुधवार को फंदे पर लटकता हुआ बरामद किया गया। दो माह पहले उसने प्रेम विवाह किया था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बरामद किया। एमएमसीएच में पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने ससुराल पक्ष पर हत्या कर घटना को आत्महत्या का रूप देने का आरोप लगाया है। युवक की पहचान गढवा के मेराल थाना क्षेत्र के हसनदाग कजरात निवासी रामसुंदर चौधरी (25) के रूप में हुई है। मृतक के पिता बलराम चौधरी के अनुसार इसी वर्ष दशहरा के समय रामसुंदर ने बरांव के चढनवा टोला की रानी कुमारी के साथ प्रेम विवाह किया था। ससुराल पक्ष के लोग इस शादी के खिलाफ थे। शादी के बाद से लड़की मायके में थी। लड़की की मां मानती देवी, उसकी बहन और एक अन्य लड़की को लेने के लिए सोमवार को हसनदाग कजरात गांव आए थे। ससुराल वालों ने धमकी दी थी कि अगर लड़का ससुराल आयेगा तो वापस नहीं जा पायेगा। अगले दिन मंगलवार को रामसुंदर पत्नी को लेने के लिए बरांव के चढनवा टोला आया था। रात तक घरवालों ने उससे बातचीत की थी, जबकि दूसरे दिन बुधवार को सुबह में रानी की मां ने बताया कि रामसुंदर ने फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली है। वहीं रामसुंदर के पिता ने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के लोगों ने रामसुंदर की गला दबाकर हत्या करने के बाद उसके शव को कमरे में साड़ी के फंदे से टांग दिया। पिता का कहना है कि शव को उसके सामने फंदे से उतारा गया। देखने से नहीं लगता था कि रामसुंदर ने फांसी लगायी है।

राजधानी में जमकर थिरकने को तैयार है नए साल के जश्न की जवानी

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को झारखंड की राजधानी रांची नव वर्ष 2026 का स्वागत करने और इसके जश्न में डूबने के लिए पूरी तरह तैयार हो चुकी है। तैयारी बता रही है कि राजधानी में नए साल के जश्न की जवानी जमकर थिरकेगी। शहर से लेकर आसपास के पर्यटन स्थलों पर उत्साह और उमंग का माहौल है। सर्द मौसम, चारों ओर फैली हरियाली और झरनों की खूबसूरती के बीच रांची इस समय किसी हिल स्टेशन से कम नहीं लग रही है। पिछले कई दिनों से रांची और आसपास के इलाकों में न्यूनतम तापमान लगातार 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है। ठंडी हवाएं, कोहरे की हल्की चादर और सुबह-शाम की ठिठुरन ने मौसम को और भी रोमांचक बना दिया है। युवा वर्ग और परिवार नव वर्ष का जश्न मनाने के लिए सर्द रांची को प्राथमिकता दे रहे हैं। यही वजह है कि इस बार बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा से काफी संख्या में पर्यटक छुट्टियां मनाने रांची पहुंच चुके हैं। शहर के 90 प्रतिशत होटलों में रूम खाली नहीं है।

शहर से लेकर आसपास के पर्यटन स्थलों पर उत्साह और उमंग का दिख रहा माहौल

- कड़ाके की ठंड में भी जोश में सैलानी, 5 दिनों तक फॉल और डैमों पर जुटेंगे लाखों लोग
- पहाड़ी इलाकों और झरनों की खूबसूरती के बीच बने हैं पिकनिक स्पॉट्स
- जिला प्रशासन ने किए हैं सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम अतिरिक्त पुलिस बल तैनात
- बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा से भी बड़ी संख्या में छुट्टियां मनाने पहुंचे हैं पर्यटक

चिह्नित किए गए हैं डेंजर प्वाइंट्स

इधर, रांची शहर से लेकर आसपास के सभी पर्यटन स्थल सज-धज कर पूरी तरह तैयार है। दशम फॉल, हुंडरू फॉल, जोन्हा फॉल, पतरातू घाटी, रॉक गार्डन, बिरसा जैविक उद्यान, धुर्वा, गेतलसूद, कांके डैम सैलानियों के स्वागत के लिए तैयार हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, अगले पांच दिन इन पर्यटन स्थलों पर लाखों सैलानियों के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। सभी प्रमुख फॉल और पिकनिक स्पॉट पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। सुरक्षा की दृष्टि से डेंजर प्वाइंट चिन्हित कर बैरिकेडिंग की गई है और इन क्षेत्रों से आगे जाने पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई है। इसके अलावा गोताखोरों और आपदा प्रबंधन टीमों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। अगर आप भी पर्यटन स्थलों पर जा रहे हैं तो कुछ बातों को ध्यान जरूर रखें।

अनगड़ा का हुंडरू फॉल

अनगड़ा में हुंडरू फॉल स्थित है। पानी का प्रवाह पिछले माह से कुछ कम है। लेकिन पर्यटकों की भीड़ पिछले पांच दिनों से उमड़ रही है। फॉल तक जाने के लिए चौड़ी सड़क है। यह सबसे ऊंचा झरना है। यह स्वर्णरेखा नदी पर करीब 320 फीट (98 मीटर) की ऊँचाई से गिरता है, यहां की प्राकृतिक सुंदरता, घने जंगल, चट्टानें और नीचे बना पूल पर्यटकों को रोमांच व सुकून देता है। 1 जनवरी को काफी भीड़ होगी। इस वजह से वाहनों की कतार से सड़क जाम की समस्या हो सकती है। सुरक्षित चिन्हित स्थल पर ही वाहन लगाएं। डेंजर जोन के आगे सेल्फी लेने या नहाने न जाएं और किसी सदस्य को भी नहीं जाने दें।

बुंडू स्थित दशम फॉल

बुंडू स्थित दशम फॉल तैमारा गांव के पास स्थित है। इसकी मनोरम छटा बच्चे से लेकर बुजुर्गों को काफी लुभाती है। चारों ओर जंगल में घिरे इस फॉल तक पहुंचने के लिए रांची-टाटा हाईवे और तुपुदाना से जाया जा सकता है। रांची से इसकी दूरी करीब 40 किमी है। रांची-टाटा मार्ग पर तैमारा गांव के पास स्थित है, जो कांची नदी के 144 फीट (44 मीटर) की ऊँचाई से गिरने के कारण बनता है, और इसकी खासियत यह है कि यहाँ 10 जलधाराएं एक साथ गिरती दिखती हैं। फॉल के ऊपरी क्षेत्र में जाने से बचें, क्योंकि यहां फिसलन तेज है। ऐसे में बड़ी दुर्घटना हो सकती है। फॉल से पहले ही सुरक्षित स्थान पर अपने वाहन लगाएं, क्योंकि, सिंगल रोड होने की वजह से जाम लग सकता है।

जोन्हा फॉल में प्राचीन बौद्ध मंदिर

जोन्हा फॉल में बौद्ध धर्म के कई अवशेष मौजूद हैं। जोन्हा फॉल की पहाड़ी पर भगवान गौतम बुद्ध का एक प्राचीन मंदिर है। पर्यटक मित्र धनंजय का कहना है कि कि इस मंदिर का निर्माण सैकड़ों साल पहले राजा बलदेव दास बिड़ला ने करवाया था। इसके बाद जोन्हा फॉल का नाम गौतमधारा दिया गया यहां तक जाने के लिए सड़क बनी है, लेकिन वाहनों की पार्किंग दूर में करें, ताकि निकलने में दिक्कत न हो। फॉल के चट्टानों पर काफी फिसलन है। इसलिए डेंजर जोन की घेराबंदी से आगे जाने से बचें। पर्यटन मित्र की सलाह को नजरअंदाज न करें, क्योंकि फॉल की गहराई काफी अधिक है। खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड में स्थित पेरवा घाघ जलप्रपात इन दिनों प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है। यहाँ बांस के आकर्षक काटेज, सुरक्षित सीढ़ियां और वाच टावर बनाए गए हैं। वहीं, तजना नदी पर स्थित रानी फाल और पांच जलधाराओं के संगम पंचघाघ में भी फरवरी तक पर्यटकों की भारी भीड़ रहने की उम्मीद है।

BRIEF NEWS

नहीं रहे डिंबुडीह के ग्राम प्रधान नारायण सिंह मुंडा

RANCHI : तमाड़ क्षेत्र के डिंबुडीह के ग्राम प्रधान नारायण सिंह मुंडा का बुधवार को उनके पैतृक गांव में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे सरल, मिलनसार और हंसमुख स्वभाव के व्यक्ति थे। हमेशा अपने दायित्वों के निर्वहन में सक्रिय रहते थे। उनके निधन से तमाड़ प्रखंड सहित पूरे विधानसभा क्षेत्र में शोक की लहर है। इस अवसर पर मानकी जगन्नाथ सिंह मुंडा, ग्राम प्रधान संघ अध्यक्ष यदु गोपाल सिंह मुंडा, लक्ष्मण सिंह मुंडा सहित सैकड़ों ग्राम प्रधान, मुखिया, पंचायत समिति सदस्य और सामाजिक कार्यकताओं ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।

सिल्ली में सात तस्कर गिरफ्तार, 56 मवेशी जब्त

RANCHI : सिल्ली पुलिस ने जयनगर टांड़ के पास सात गो तस्करों को गिरफ्तार कर 56 मवेशियों को जब्त कर लिया। पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि तस्कर श्यामनगर क्षेत्र से गो-तस्करी करते हुए नदी पारकर पश्चिम बंगाल की ओर जाते हैं। इसके बाद पुलिस ने गश्ती के दौरान जयनगर टांड़ के पास से सात तस्करों को 56 मवेशियों को ले जाते देखा। ये सभी मवेशियों को पैदल पश्चिम बंगाल की ओर ले जा रहे थे। थाना प्रभारी नवीन कुमार ने बताया कि सभी मवेशियों को स्कूल मैदान में रखा गया है।

सभी संवेदनशील स्थानों पर सेफ्टी मानकों की शुरू कर दी गई सख्त जांच

आपात स्थिति से निपटने को लेकर फायर ब्रिगेड अलर्ट, बढ़ी निगरानी

PHOTON NEWS RANCHI : गुरुवार को नए साल के पहले दिन के कार्यक्रमों को देखते हुए राजधानी रांची सहित झारखंड के अन्य शहरों में भी एक दिन पहले बुधवार से ही जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा की तैयारी के साथ अग्निशमन विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है। सभी दमकल वाहनों को आवश्यक साजो-सामान के साथ तैयार कर लिया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके। हाल ही में गोवा में हुए भीषण नाइटक्लब अग्निकांड के बाद रांची जिला प्रशासन और अग्निशमन विभाग ने संवेदनशील स्थानों पर फायर सेफ्टी मानकों की सख्त जांच शुरू की है। प्रशासन ने शहर के करीब 100 लाइसेंसी बार और दर्जनों डिस्को क्लबों की सूची तैयार की है, जहां नए साल की रात बड़ी भीड़ जुटने की संभावना है। अग्निशमन विभाग के अनुसार, कई स्थानों पर केवल एक ही निकास द्वार (एग्जिट गेट) पाया गया है, जो आपात स्थिति में खतरा बढ़ा सकता है। ऐसे प्रतिष्ठानों को विशेष निगरानी सूची में शामिल किया गया है, ताकि संभावित हादसे से पहले सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जा सके।

आपातकालीन निकास द्वार को रखें खुला, ताकि दुर्घटनाओं से निपटने में मिले मदद

सावधानी के साथ विद्युत उपकरणों का सही तरीके से उपयोग करने की लोगों से अपील

रांची, जमशेदपुर, धनबाद और बोकारो में सेफ्टी उपकरणों की हुई जांच

नियमों की अनदेखी करने पर होगी कार्रवाई

अधिकारियों का कहना है कि जागरूकता और सावधानी ही आगजनी जैसे हादसों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। वहीं, नियमों की अनदेखी करने वालों की पहचान कर उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, ताकि किसी अनहोनी की संभावना न रहे। अब जबकि राज्य भर में नए साल का जश्न मनाने की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं, सुरक्षा व्यवस्था पर पूरा फोकस किया गया है।

सुरक्षा उपकरणों में कमी को लेकर नोटिस जारी

बुधवार को स्टेट फायर ऑफिसर झारखंड जितेंद्र तिवारी ने बताया, पिछले वर्ष जनजागरूकता कार्यक्रमों के कारण आगजनी की घटनाओं में कमी आई थी। इस बार भी अगर लोग थोड़ी सावधानी बरतें, जैसे विद्युत उपकरणों का सही उपयोग और आपातकालीन रास्तों को खुला रखना, तो दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि विभाग अलर्ट मोड में है और जिला प्रशासन के साथ समन्वय से लगातार जांच अभियान चला रहा है। रांची के अलावा जमशेदपुर, धनबाद और बोकारो में भी होटल, बार और क्लबों में फायर सेफ्टी उपकरणों की जांच की गई। जहां आवश्यक सुधार नहीं मिले, वहां नोटिस जारी किए गए हैं। अग्निशमन विभाग ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी स्थान पर ओवरक्राउडिंग, शॉर्ट सर्किट या गैस लीकेज जैसी स्थिति दिखने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 101 पर सूचना दें।

NEWS BOX

प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र सेवानिवृत्त

RANCHI : प्रमंडलीय आयुक्त दक्षिणी छोटानागपुर अंजनी कुमार मिश्र बुधवार को सेवानिवृत्त हो गए। इस दौरान विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री भी शामिल हुए और अंजनी कुमार मिश्र को उनके उत्कृष्ट प्रशासनिक योगदान के लिए हार्दिक धन्यवाद व ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। समारोह में उपस्थित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों तथा गणमान्य नागरिकों ने भी उनके लंबे प्रशासनिक करियर की सराहना की। आयुक्त दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के रूप में वर्षों तक कुशलतापूर्वक कार्य किया। उनके कार्यकाल में प्रमंडल के विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और विधि-व्यवस्था के रखरखाव में महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र ने समारोह को संबोधित करते हुए सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य की सेवा करना उनके लिए गौरव की बात रही। उन्होंने नवागत अधिकारियों को प्रमंडल के विकास और जनता की सेवा में निरंतर समर्पित रहने की सलाह दी। उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि अंजनी कुमार मिश्र का प्रशासनिक अनुभव और समर्पण हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहा है। उनके मार्गदर्शन में प्रमंडल ने कई उपलब्धियां हासिल कीं। सेवानिवृत्ति के पश्चात उनके स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना करता हूं। प्रमंडलीय आयुक्त को स्मृति चिन्ह, शॉल तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यालय के सचिव आलोक कुमार, उप निदेशक संजीव कुमार, अपर समाहर्ता (उड़नदस्ता) हरिवंश पंडित, जिला परिवहन पदाधिकारी अखिलेश कुमार, आयुक्त के आप्त सचिव अमरेंद्र कुमार सहित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आंचल आश्रम में बच्चों के साथ गोष्ठी का आयोजन

RANCHI : अक्षय सोना समाधान फाउंडेशन शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। इस क्रम में फाउंडेशन के द्वारा आंचल आश्रम रांची झारखंड में बच्चों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में उनके बीच शिक्षा का अलख जगाने के संबंध में प्रकाश डाला गया। डॉक्टर श्रीमाली सुमी के द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम के समय फाउंडेशन के निदेशक डॉ सुनीता कुमारी और शंकर यादव उपस्थित रहे। फाउंडेशन की ओर से आंचल आश्रम को आर्थिक मदद भी दिया गया। डॉ सुनीता ने वहां रह रहे बच्चों को स्टेशनरी का सामान वितरित किया। वहीं बच्चों को खुद को बहुत मजबूत बनाने के साथ मन लगाकर पढ़ाई के लिये प्रेरित किया। आंचल आश्रम के संचालक को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया गया।

मुख्यमंत्री से डीजीपी तदाशा मिश्रा की शिष्टाचार भेंट

RANCHI : कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पुलिस महानिदेशक तदाशा मिश्रा ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने उन्हें पुलिस महानिदेशक सह पुलिस महानिरीक्षक के पद पर नियुक्ति और पदस्थापन के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। भेंट के दौरान राज्य की कानून व्यवस्था, आंतरिक सुरक्षा और पुलिस प्रशासन से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी संक्षिप्त चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए राज्य की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने की कामना की।

संदेहास्पद स्थिति में गार्ड का शव बरामद

RANCHI : बुधवार को रांची के डोरंडा थाना क्षेत्र स्थित सुप्रभात अपार्टमेंट से संदेहास्पद स्थिति में एक व्यक्ति के शव को पुलिस ने बरामद किया है। अपार्टमेंट के बाथरूम में उसका शव फांसी के फंदे से लटका हुआ मिला। मृतक के मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। मृतक की पहचान अपार्टमेंट में तैनात गार्ड प्रकाश लोहरा के रूप में की गई हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस इस मामले में हत्या और खुदकुशी दोनों पहलू से जांच कर रही हैं। पुलिस को मृतक के मोबाइल फोन के वॉलपेपर में एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें सॉरी पापा लिखा हुआ हैं। मोबाइल फोन को जब्त कर लिया गया है और उसकी तकनीकी जांच की जा रही हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) को बुलाकर जांच पड़ताल की जा रही है। थाना प्रभारी दीपिका ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

ओडिशा के रायगढ़ा से लाया गया था झारखंड

आरपीएफ ने गांजा के साथ एक तस्कर को किया गिरफ्तार, 13 किलो मादक पदार्थ जब्त

PHOTON NEWS RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) मुरी एवं आरपीएफ फ्लाइंग टीम रांची की संयुक्त चेकिंग में ट्रेन संख्या 13352 एक्सप्रेस (अल्लेप्पी-धनबाद) के सामान्य कोच से 13 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। संदिग्ध अवस्था में बैठे व्यक्ति की पहचान मोहम्मद अरमान अंसारी (32 वर्ष) के रूप में हुई। आरपीएफ पोस्ट मुरी से उपनिरीक्षक पवन कुमार ने बुधवार को बताया कि कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर मुरी रेलवे स्टेशन प्लेटफॉर्म-1 पर अभियान चलाया गया। उन्होंने

बताया कि सामान्य कोच की जांच के दौरान एक व्यक्ति दो बैग के साथ संदिग्ध अवस्था में बैठा पाया गया। पूछताछ के दौरान उसने अपना नाम मोहम्मद अरमान अंसारी (32) बताया। इस संबंध में सूचना सहायक सुरक्षा आयुक्त/आरपीएफ, रांची को दी गई, जो मौके पर पहुंचे और सभी कानूनी औपचारिकताओं का पालन करते हुए बैगों की तलाशी ली गई, जिसमें दोनों बैग से गांजा जैसे पदार्थ के कुल पांच पैकेट, एक मोबाइल फोन तथा एक सामान्य श्रेणी का रेलवे टिकट बरामद किया गया। बरामद पदार्थ की जांच डीडी किट से करने पर गांजा पाया गया। आगे की पूछताछ में आरोपित ने बताया कि उक्त गांजा ओडिशा के रायगढ़ा से लाया गया था तथा इसे अवैध रूप से झारखंड ले जाकर बेचने की योजना थी।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक ने की तैयारियों की समीक्षा

6-10 जनवरी तक लगेगा स्वास्थ्य मेला, 264 प्रखंडों में की जाएगी मुफ्त जांच और इलाज

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य में 6 से 10 जनवरी 2026 तक प्रखंड स्वास्थ्य मेला का आयोजन किया जाएगा। यह मेला राज्य के 264 प्रखंडों में सीएचसी और पीएचसी स्तर पर लगाया जाएगा। इसे लेकर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जिलों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। अभियान निदेशक ने बताया कि मेले के दौरान टीबी, मलेरिया, परिवार नियोजन सहित विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। साथ ही लोगों की मुफ्त जांच और

दवा का वितरण किया जाएगा। मेले में आयुष्मान कार्ड और आभा कार्ड बनाए जाएंगे और पात्र लाभुकों को वितरित किए जाएंगे। आयुष पद्धति से जुड़ी जानकारी भी लोगों को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मेले में बीपी और शुगर की जांच, आंखों की जांच और जरूरतमंदों को चश्मा वितरण की व्यवस्था रहेगी। सभी कैंप में सिकल सेल स्क्रीनिंग और ब्लड डोनेशन कैंप भी लगाए जाएंगे। स्वास्थ्य केंद्रों की उचित ब्रांडिंग करने और विभिन्न सूचना, शिक्षा और संचार सामग्री को प्रदर्शित करने का निर्देश भी दिया गया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखंड के सभागार से आयोजित की गई।

'जी राम जी' योजना के समर्थन में मंडल स्तर पर अभियान चलाएगी भाजपा : आदित्य

RANCHI : भाजपा प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष एवं सांसद आदित्य साहू ने कांग्रेस पार्टी पर 'वीबी जी राम जी' योजना को लेकर दुष्प्रचार करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गांव, गरीब और किसान विरोधी मानसिकता के कारण इस योजना का विरोध कर रही है। आदित्य साहू ने कहा कि मनरेगा में लंबे समय से फर्जीवाड़ा और भ्रष्टाचार व्याप्त रहा है। कई सुधार प्रयासों के बावजूद स्थिति में अपेक्षित बदलाव नहीं आया। इसी पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने विकसित भारत 2047 के संकल्पों को साकार करने के लिए विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण), जिसे जी राम जी योजना कहा जा रहा है, लागू करने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि मनरेगा भ्रष्टाचार और लूट का केंद्र बन गया था। झारखंड सहित कई राज्यों में बड़े पैमाने पर घोटाले सामने आए। खूंटी जिले में 24 करोड़ रुपये के गबन के मामले में एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी को जेल जाना पड़ा।

बड़ी पहल झारखंड शिक्षा विभाग के स्कूल सर्वे 'डहर 2.0' में जोड़ा गया कॉलम

अब आदिवासी समुदाय के बच्चों को मिल सकेगी अपनी पहचान

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में अब आदिवासी समुदाय के बच्चों को अपनी पहचान स्थापित होने का रास्ता साफ हो गया है। झारखंड शिक्षा विभाग द्वारा संचालित स्कूल सर्वे डहर 2.0 में एक अहम और लंबे समय से उठाई जा रही मांग पर बदलाव कर दिया गया है। केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त पहल के तहत चल रहे डहर (डिजिटल हैबिटेशन मैपिंग एंड रियल-टाइम मॉनिटरिंग) सर्वे 2.0 में शिक्षा विभाग ने अहम बदलाव करते हुए धर्म कॉलम में अन्य का विकल्प जोड़ दिया है। इस संशोधन के बाद ऐसे आदिवासी बच्चे जो हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन या बौद्ध धर्म से स्वयं को नहीं जोड़ते, वैसे लोग अब सरना या आदिवासी धर्म के रूप में अपनी पहचान दर्ज करा सकेंगे। इससे पहले इस कॉलम में केवल कुछ प्रमुख धर्मों के नाम ही शामिल थे, जिसके कारण आदिवासी समुदायों और परंपरागत धार्मिक मान्यताओं से जुड़े बच्चों की धार्मिक पहचान दर्ज नहीं हो पा रही थी। अब तक सर्वे प्रपत्र में केवल छह धर्मों के विकल्प होने के कारण आदिवासी समाज में नाराजगी देखी जा रही थी।

सरना या आदिवासी धर्म के रूप में दर्ज कराया जा सकता है अपना नाम

संशोधित प्रारूप के अनुसार प्रविष्टियां करने का स्कूलों को दिया गया निर्देश

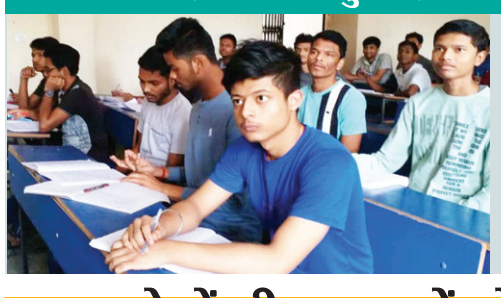

दीर्घकालिक रूप से साबित होगा हितकारी

विभाग के अनुसार, यह कदम राज्य के लिए दीर्घकालिक रूप से हितकारी साबित होगा। आदिवासी नेताओं ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह मुद्दा आज का नहीं है। जातीय जनगणना से लेकर बच्चों की शिक्षा और ड्रॉपआउट जैसी समस्याओं को लेकर लंबे समय से आंदोलन होते रहे हैं। आदिवासी नेता प्रेम शाही मुंडा ने बताया कि वर्ष 2024 में पहली बार इस विषय को लेकर बड़ा आंदोलन हुआ था। इसके बाद लगातार विभिन्न सामाजिक और राज्यस्तरीय संगठनों ने इस मांग को उठाया, जिसका नतीजा अब सामने आया है।

लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखकर फैसला

विभिन्न जनजातीय संगठनों का कहना था कि इससे आदिवासी बच्चों की वास्तविक गणना प्रभावित हो रही है और उनकी धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान सरकारी आंकड़ों में दर्ज नहीं हो पा रही। लगातार उठती आपत्तियों और मांगों के बाद शिक्षा विभाग ने 11 दिसंबर 2025 से पोर्टल में अन्य कॉलम को सक्रिय कर दिया है। विभागीय स्तर पर स्कूलों को निर्देश दिए गए हैं कि सर्वे के दौरान संशोधित प्रारूप के अनुसार प्रविष्टियां की जाएं। अब नए बदलाव के तहत बच्चे अपने धर्म के विकल्प में 'अन्य' चुन सकेंगे। इससे आदिवासी और परंपरागत धर्मों को भी आधिकारिक तौर पर सरकारी सर्वे में दर्ज किया जा सकेगा। शिक्षा विभाग का कहना है कि यह फैसला लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। साथ ही इसका उद्देश्य ड्रॉपआउट बच्चों की बेहतर पहचान करना और शिक्षा व्यवस्था को अधिक समावेशी बनाना है।

समाचार सार

सिंहभूम ब्लास्टर्स ने फाइटर्स को हराया

CHAIBASA : दिव्यांश यादव (13/3) की शानदार गेंदबाजी एवं गगन विक्रांत टोपनो की बेहतरीन बल्लेबाजी (नाबाद 37 रन) की

बदौलत सिंहभूम ब्लास्टर्स ने सिंहभूम फाइटर्स को आसान मुकाबले में सात विकेट से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए। पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में सुशील कुमार सिंघानिया द्वारा प्रायोजित नथमल सिंघानिया जिला अंडर -16 क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत बुधवार को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सिंहभूम फाइटर्स की पूरी टीम 17.5 ओवर में मात्र 80 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिंहभूम ब्लास्टर्स की टीम ने 11.3 ओवर में मात्र तीन विकेट के नुकसान पर 81 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। नववर्ष पर विश्राम रहेगा। 2 जनवरी को प्रतियोगिता का अगला मैच सिंहभूम फाइटर्स और सिंहभूम टर्मिनेटर्स के बीच खेला जाएगा।

एसबीआई के पेंशनरों ने कराई बच्चों को पिकनिक

JAMSHEDPUR : स्टेट बैंक ऑफ इंडिया पेंशनर्स एसोसिएशन ने

सोनारी स्थित निर्मल नगर बस्ती के स्कूली बच्चों को पिकनिक कराई। सुबह में बच्चों के बीच केला, टॉफी, बिस्किट आदि बांटे गए। इसके बाद बच्चों को पढ़ाई का महत्व बताया गया। दोपहर का भोजन देने के बाद पिकनिक समाप्त हुआ। इस दौरान सेवानिवृत्त अध्यापक डॉ. एम. रामकृष्ण राव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस दौरान एसोसिएशन के अशोक कुमार रजक, बीके सिन्हा, जेएम पॉल, नवीन चंद्र मातालिया, प्रबीर दत्ता, गोपाल रजक, महेंद्र महतो, केसी शाह, सुदीप बेरा, शुभ्रल राय व सुजाता नागराजन उपस्थित थे। बस्ती के सामाजिक कार्यकर्ता दुखु महतो का सहयोग मिला।

कचहरी बाबा मंदिर की मनी 35वीं वर्षगांठ

JAMSHEDPUR : साकची के पुराना कोर्ट परिसर स्थित श्रीश्री

चंद्रमौलेश्वर कचहरी बाबा मंदिर की 35वीं वर्षगांठ बुधवार को धूमधाम से मनाई गई। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय ने बताया कि 31 दिसंबर को प्रातः 9.30 बजे मंदिर से सैकड़ों माताएं-बहनें माथे पर कलश लेकर शोभायात्रा में शामिल हुईं और स्वर्णरखा नदी तट से कलश में जल भरकर लौटीं। इससे बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक किया गया। शोभायात्रा में बैंड- बाजे के साथ घोड़े भी थे। इसके बाद हरिनाम संकीर्तन हुआ, जिसका समापन गुरुवार को होगा। कीर्तन की पूर्णाहुति के बाद दोपहर में महाभंडारा होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर कमेटी के उपाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार पाठक, महासचिव दिलीप कुमार जायसवाल, पं. जयकृष्ण झा, पं. राधा शंकर उपाध्याय, सचिव अमित कुमार, कोषाध्यक्ष नवनीत कुमार सहित अन्य सदस्य सक्रिय रहे।

अयोध्या के राम मंदिर की वर्षगांठ पर हुई पूजा-अर्चना

JAMSHEDPUR : अयोध्या के राम मंदिर की तीसरी वर्षगांठ पर

बुधवार को मानगो के उलीडीह में पूजा-अर्चना हुई। आशीर्वाद नगर में गणपति अम्बिका, वरुणकलश, नवग्रह, सौमात्रिका पूजन के बाद दीग रक्षण, रक्षाविधान के बाद शिव परिवार, राम दरबार व हनुमानजी का पूजन हुआ। सुबह 11 बजे से सामूहिक सुंदरकांड पाठ हुआ। इसी क्रम में हनुमान सेवा दल के सदस्यों ने हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया। अनुष्ठान में संयोजक पं. बिपिन कुमार झा, अध्यक्ष एके गिरी, सचिव रामाशंकर सिंह, उपसचिव रामशंकर झा, तरुण चौधरी, पं. सुधीर झा, विनय झा, गणेश चंद गोराई, केदार गोस्वामी आदि भी सक्रिय रहे।

डीसी ने दी सेवानिवृत्त कर्मियों को विदाई

JAMSHEDPUR : समाहरणालय सभागार में बुधवार को समारोह हुआ,

जिसमें डीसी कर्ण सत्यार्थी ने सेवानिवृत हुए पदाधिकारियों व कर्मचारियों को विदाई दी। सेवानिवृत होने वाले पदाधिकारी में अपर उपायुक्त भागीरथ प्रसाद, नाजिर दीपक साहा, आशुलिपिक उपेंद्र रजक, सुनील सेठी, अनुसेवी वंदना देवी, साबू देवी व थॉमस तिरू शामिल थे।

फेसबुक पर लिंक क्लिक कर फंसे अधिवक्ता, खाते से निकले 60 हजार

रुपये निकलने के बाद भी कम नहीं हुई परेशानी, ठग ने फोन करके धमकाया

PHOTON NEWS JSR : इस बार साइबर ठगी का सनसनीखेज मामला है, जिसमें एक अधिवक्ता ठगी के शिकार हो गए। जमशेदपुर व्यवहार न्यायालय के समीप रहने वाले अधिवक्ता आदित्य राय ठगों के झांसे में आ गए। ठगों के बताए फेसबुक लिंक पर क्लिक करना उन्हें महंगा पड़ गया और देखते ही देखते उनके बैंक खाते से 60 हजार रुपये निकल गए।

अधिवक्ता ने इसकी लिखित शिकायत सीतारामडेरा थाना में दर्ज कराई है। पुलिस को दिए बयान में अधिवक्ता ने बताया कि मंगलवार 30 दिसंबर को वह अपने मोबाइल फोन पर फेसबुक चला रहे थे। इसी दौरान मोबाइल की स्क्रीन पर एक अनजान लिंक आया। उन्होंने जैसे ही उस पर क्लिक करते ही उनका मोबाइल फोन अचानक बंद हो गया। इससे वे परेशान हो गए। पहले काफी देर तक खुद ही मोबाइल फोन को चालू करने का प्रयास किया, लेकिन नाकाम रहे। काफी प्रयास के बावजूद फोन चालू नहीं हुआ, तो वे मोबाइल रिपेयर करने वाली दुकान पर गए। उन्होंने उसे पूरी बात बताई। दुकानदार ने किसी तरह रिपेयर करके मोबाइल ऑन कर दिया। जैसे ही मोबाइल फोन चालू हुआ, उनके मोबाइल पर बैंक खाते से रुपये कटने के मैसेज आने लगे। उनके बैंक खाते में कुल 60,211 रुपये जमा थे, जिसमें से ठगों ने 11 रुपये छोड़कर बाकी सारी रकम निकाल ली। ठगी की इस घटना से वह पूरी तरह हैरान रह गए। हालांकि, मामला यहीं खत्म नहीं हुआ। कुछ देर बाद उन्हें एक युवक का फोन आया, जिसने आदित्य राय पर ही उसके खाते से पैसे निकालने का आरोप लगाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रतीकात्मक तस्वीर

वाट्सएप मैसेज पर भी भेजे जा रहे लिंक

इस तरह का मामला शायद पहली बार आया है, जिसमें फेसबुक के माध्यम से इतनी बड़ी ठगी हुई है। अब तक वाट्सएप के माध्यम से साइबर ठग लिंक भेज रहे थे। इसमें ज्यादातर मैसेज बैंक खाते में जमा राशि काफी कम करके दिखाई जाती है, फिर उस पर प्वांट अर्जित करने के लिए कहा जाता है। यदि आपने लिंक पर क्लिक कर दिया, तो साइबर ठगों के जाल में फंसना तय है। साइबर विशेषज्ञों का कहना है कि यदि एकाउंट बैलेंस से संबंधित कोई मैसेज आता है, तो कम से कम 20 मिनट तक अपने यूपीआई या बैंकिंग एप पर बैलेंस चेक नहीं करें। यदि आप ऐसा करते हैं, तो फंस सकते हैं। आधे घंटे बाद ही बैलेंस चेक करें।

आज मुख्यमंत्री आएंगे खरसावां, शहीदों को देंगे श्रद्धांजलि

SERAIKELA : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को खरसावां आएंगे। वे यहां एक जनवरी 1948 को खरसावां के हाट बाजार में हुए गोलीकांड की बरसी पर शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे। इसके लिए जिला प्रशासन ने पूरी तैयारी कर ली है। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मी और मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री कांके रोड स्थित मुख्यमंत्री आवास से दोपहर 11.30 बजे प्रस्थान करेंगे। खरसावां में उनका हेलीकॉप्टर दोपहर 12.30 बजे अर्जुन स्टेडियम में बने हेलीपैड पर उतरेगा। यहां से मुख्यमंत्री सीधे शहीद केरसे मुंडा चौक पहुंचेंगे। वहां से दोपहर 1 बजे शहीद पार्क पहुंचेंगे। शहीद पार्क में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री दोपहर 2 बजे खरसावां के आरसीडी गेस्ट हाउस पहुंचेंगे। यहां लंच करने के बाद मुख्यमंत्री 2.55 बजे उनका हेलीकॉप्टर रांची के लिए रवाना होगा।

बेलाजुड़ी गांव के एनएच पर हादसा महिला की हुई मौत, पति घायल

PHOTON NEWS JSR : एमजीएम थाना क्षेत्र के बेलाजुड़ी गांव के पास एन एच 33 पर बुधवार शाम एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें बेलाजुड़ी गांव निवासी रविकांत विषई की पत्नी खुकु रानी विषई (55) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि रविकांत विषई गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजन रोते-बिलखते घटनास्थल पर पहुंचे। जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी नारगा स्थित बैंक ऑफ इंडिया से पैदल अपने घर बेलाजुड़ी लौट रहे थे। इसी दौरान घाटशिला से जमशेदपुर की ओर जा रही एक तेज रफ्तार ऑल्टो कार ने पीछे से दोनों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि खुकु रानी विषई ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि रविकांत विषई सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर एमजीएम थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायल रविकांत विषई को इलाज के लिए अस्पताल भेजा। उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें जमशेदपुर के टाटा मेन अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों के अनुसार उनका दायां पैर टूट गया है। वहीं पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एमजीएम अस्पताल भेज दिया। इस हादसे में बेटे फकीर विषई सहित पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस दुर्घटना में शामिल वाहन की पहचान और चालक की तलाश में जुट गई है तथा मामले की जांच की जा रही है।

घटनास्थल पर जुटी भीड़ व घायल को ले जाती एंबुलेंस ● फोटोन न्यूज

महिला की पत्थर से कूचकर हत्या, दुष्कर्म की आशंका

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के जिला मुख्यालय चाईबासा में सनसनीखेज घटना हुई है। मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ालगिया के पास 20 वर्षीया अज्ञात महिला की लाश बरामद हुई है। शव देखकर लोग आशंका जता रहे हैं कि महिला के साथ दुष्कर्म कर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से अपराधियों ने पत्थर से कूचकर हत्या कर दी होगी। पुलिस ने बताया कि महिला की पहचान की जा रही है। पुलिस ने महिला के शव को जब्त कर पोस्टमॉर्टम करने के बाद शीतगृह में रख दिया है। पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर किसी को महिला के बारे में कोई जानकारी है, तो वह पुलिस को सूचित करे।

गेल इंडिया ने घटाए घरेलू पीएनजी व सीएनजी के दाम

JAMSHEDPUR : गेल (इंडिया) लिमिटेड ने पूर्वी सिंहभूम जिले में सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क के तहत पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) और कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) के दामों में कटौती की घोषणा की है। घरेलू पीएनजी की कीमत 1 जनवरी से 1 रुपये प्रति एससीएम से घटाकर पूर्व दर 48.30 रुपये प्रति एससीएम में भी संशोधित कर 47.30 रुपये प्रति एससीएम कर दी गई है। सीएनजी उपभोक्ताओं के लिए भी राहत की घोषणा की गई है, जिसके तहत सीएनजी की कीमत में 1 रुपये प्रति किलोग्राम की कमी की गई है। पूर्व दर 90.58 रुपये प्रति किलोग्राम की तुलना में अब संशोधित दर 89.58 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है, जिससे सीएनजी उपभोक्ताओं की बचत और बढ़ेगी। वर्तमान में गेल पूर्वी सिंहभूम में कुल 14 सीएनजी स्टेशन का संचालन कर रही है, जहां प्रतिदिन 15,000 किलोग्राम से अधिक गैस की आपूर्ति की जाती है और 8,000 से अधिक सीएनजी चालित वाहनों की सेवा की जा रही है। गेल के महाप्रबंधक व जीए इंचार्ज गौरीशंकर मिश्रा ने बताया कि कदमा, सोनारी, रामनगर तथा टाटा स्टील कॉलोनियों सहित आसपास के क्षेत्रों में लगभग 180 अपार्टमेंट को गैस आपूर्ति उपलब्ध करा दी गई है। किसी भी प्रकार की समस्या की स्थिति में ग्राहक 1800-123-121111 पर गेल के कस्टमर केयर से या 89876-70901 पर कंट्रोल रूम से संपर्क कर सकते हैं, अथवा त्वरित समाधान हेतु गेल के बिष्टुपुर कार्यालय भी आ सकते हैं। घरेलू या वाणिज्यिक उपयोग के लिए पीएनजी कनेक्शन लेना चाहने वाले इच्छुक उपभोक्ता 94711-81149 पर गेल की जमशेदपुर मार्केटिंग टीम से संपर्क कर सकते हैं।

अटलजी का जीवन लोकतांत्रिक मूल्यों का श्रेष्ठ उदाहरण : मुंडा

पोटका में कार्यक्रम को संबोधित करते पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में बुधवार को भाजपा ने पोटका विधानसभा के हल्दीपोखर स्थित त्रिपाठी भवन में अटल स्मृति सम्मेलन का आयोजन किया। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा बतौर मुख्य वक्ता शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि अटल जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रभक्ति, लोकतांत्रिक मूल्यों और सुशासन के प्रति अटूट निष्ठा का जीवंत उदाहरण रहा है। अटल जी ऐसे राजनेता थे, जिन्होंने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया और राजनीति को सेवा, संवेदना व संवाद का माध्यम बनाया। झारखंड अलग राज्य का गठन भी उनके अटल इरादों के कारण संभव हुआ। अटल बिहारी वाजपेयी ने कठिन परिस्थितियों में भी देश को स्थिर, मजबूत और आत्मनिर्भर दिशा देने का कार्य किया। पोखरण परमाणु परीक्षण, सर्वसमावेशी विकास की सोच, ग्राम सड़क योजना, स्वर्णिम चतुर्भुज और सुशासन की मजबूत नींव उनके दूरदर्शी नेतृत्व के प्रतीक हैं। उनके निर्णयों में राष्ट्र सर्वोपरि रहा और लोकतंत्र की गरिमा सदैव अक्षुण्ण रही।

कोल्हान विवि : 2026 के लिए एकीकृत अवकाश कैलेंडर जारी

JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा ने वर्ष 2026 के लिए एकीकृत अवकाश कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके तहत विवि में 85 दिन का अवकाश दिया गया है। यह अधिसूचना बुधवार को विश्वविद्यालय के कुलसचिव द्वारा जारी की गई। यह कैलेंडर राज्यपाल सह कुलाधिपति द्वारा अनुमोदित है। जारी सूचना के अनुसार, यह अवकाश कैलेंडर कोल्हान विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी संबद्ध महाविद्यालयों, स्नातकोत्तर विभागों, संकायों एवं प्रशासनिक कार्यालयों में समान रूप से लागू होगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह कैलेंडर शैक्षणिक गतिविधियों, परीक्षाओं, कार्यालयीन कार्यों एवं शिक्षण व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने के उद्देश्य से जारी किया गया है। हालांकि, अधिसूचना में यह भी बताया गया है कि प्रतिबंधित अवकाश की अलग से अधिसूचना शीघ्र जारी की जाएगी। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर इस कैलेंडर को अपलोड करने का निर्देश भी दिया गया है, ताकि सभी संबंधित अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी समय रहते अवकाशों की जानकारी प्राप्त कर सकें।

मतदाता सूची की मैपिंग में सुधार के लिए बेहतर समन्वय आवश्यक : डीसी

PHOTON NEWS JSR : जिला निर्वाचन पदाधिकारी- सह-उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी की अध्यक्षता में बुधवार को मतदाता सूची की मैपिंग प्रक्रिया को सुचारू एवं प्रभावी बनाने के लिए सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक हुई। उन्होने कहा कि जिला अंतर्गत छह विधानसभा क्षेत्रों के शहरी क्षेत्र में मतदाता सूची की मैपिंग में सुधार करने के लिए बेहतर आपसी समन्वय आवश्यक है। उन्होने बीएलओ, सुपरवाइजर एवं बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के साथ प्री-एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के कार्यों में लगे सभी लोगों को अगले एक साप्ताह में फोकस हो कर काम करने का निर्देश दिया। विशेष तौर पर शहरी क्षेत्रों में क्षेत्रीय पदाधिकारियों को बेहतर रणनिति के साथ फील्ड विजिट करने के साथ साथ आंकड़ा अपडेट करने पर बल दिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण की सुगमता के लिए सटीक मैपिंग एकमात्र विकल्प है। खासकर शहरी क्षेत्र में मैपिंग के लिए विशेष रणनीति बनाना होगा, ताकि कोई भी पात्र मतदाता छूटने न पाए और उनकी पहचान पूरी तरह सत्यापित हो, इसे लक्ष्य बनाकर कार्य करना चाहिए। उपायुक्त ने पूर्वी सिंहभूम जिला के 47-जुगसलाई (अ.जा.), 48-जमशेदपुर पूर्वी तथा 49-जमशेदपुर पश्चिमी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी निर्वाचकों से अपील की कि वर्तमान निर्वाचक नामावली में अपना नाम रक्फ 2003 में सर्च करके अपने संबंधित बूथ के बीएलओ की सूची https://voters.eci.gov.in पर जाकर Book a call with BLO पर उपलब्ध है) दूरभाष पर उपलब्ध कराए।

समाहरणालय में बैठक करते उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ● फोटोन न्यूज

नववर्ष शांति बनाए रखने के लिए पुलिस ने निकाला फ्लैग मार्च, सिटी एसपी ने जुबिली पार्क में लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

नए साल को लेकर पिकनिक स्थलों पर सैलानियों की रौनक

PHOTON NEWS JSR : साल के आखिरी दिन बुधवार को लौहनगरी और इसके आसपास के पिकनिक स्पॉट गुलजार रहे। यहां सैलानियों की रौनक है। इन पिकनिक स्पॉटों पर पिकनिक मनाने वालों का मजमा है। अपने परिवार के साथ आए लोग पिकनिक मना रहे थे। हर तरफ खुशी का समां है। लोग पिकनिक का आनंद लेकर साल को विदा कर रहे हैं। जमशेदपुर का जुबिली पार्क पिकनिक का मुख्य केंद्र बना हुआ है। यहां सबसे अधिक लोग जुटे हैं। इसके अलावा, मोदी पार्क, डिमना डैम, चांडिल डैम, पहाड़भांगा, डोबो डैम, दलमा आदि इलाके में लोगों की भीड़ है। पुलिस ने सभी पिकनिक स्पॉट पर नजर रखी है। यहां पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। पुलिस ने फ्लैग मार्च भी निकाला, जो साकची थाना स्थित सीसीआर से जुबिली पार्क पहुंचा। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने जुबिली पार्क की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

जमशेदपुर में पिकनिक का काफी क्रेज है। यहां जुबिली पार्क एक बड़ा पिकनिक स्थल है। यहां बुधवार को पिकनिक करने वालों की काफी भीड़ देखी गई। लोग घरों से अच्छे-अच्छे पकवान बनाकर लाए थे। बच्चे बैडमिंटन, खो-खो, फुटबॉल आदि खेल खेल रहे थे। कई संस्थाओं की ओर से भी पिकनिक का आयोजन किया गया। मानगो के रोड नंबर 15 निवासी राकेश सिंह परिवार के साथ जुबिली पार्क आए थे। उनका कहना है कि अगर आज भी पिकनिक के लिए नहीं निकले तो फिर जिंदादिली किस काम की। बच्चे भी पिकनिक की जिद कर रहे थे। 500 एकड़ में फैला जुबिली पार्क शहर की जान है। यह दिल्ली के मुगल गार्डन की तर्ज पर विकसित हुआ है। यहां साल भर तक पिकनिक करने वालों की भीड़ रहती है। क्या सर्दी क्या गर्मी जुबिली पार्क हमेशा गुलजार रहता है। मगर, दिसंबर और जनवरी में यहां पिकनिक करने वालों की संख्या आसमान पर पहुंच जाती है। पार्क के अंदर ही जयंती सरोवर है। इसके किनारे बैठना लोगों को खूब भाता है। टाटा जू भी जुबिली पार्क के अंदर ही है। मगर, अब इसका मुख्य गेट मेरीन ड्राइव की तरफ खोल दिया गया है। इससे यह जुबिली पार्क से कट गया है और यहां जाने के लिए लोगों को मेरीन ड्राइव जाना पड़ता है। टाटा जू में भी लोग घूमने पहुंच रहे हैं।

डिमना में पहुंचे बाहरी सैलानी

डिमना में इन दिनों बंगाल और ओडिशा के सैलानियों का मजमा है। यहां सैलानियों की दर्जन भर से अधिक बसें खड़ी हैं। एक बस के चालक सकुर मोहंती बताते हैं कि वह बस में रायरंग के सैलानियों को लेकर आए हैं। इसी तरह, कोलकाता सहित बंगाल के अन्य इलाकों से भी सैलानियों की बसें यहां आई हैं।

चांडिल में लोग ले रहे नौका विहार का लुत्फ

चांडिल में डैम के किनारे भी पिकनिक करने वालों की भीड़ है। यहां झारखंड के विभिन्न शहरों के अलावा छत्तीसगढ़, बंगाल और ओडिशा से लोग आए हैं। यहां लोग नौकाविहार का भी आनंद ले रहे हैं। डैम के अंदर स्थित टापू लोगों के आकर्षण का केंद्र है। यहां के रेस्टोरेंट में भी तिल रखने की जगह नहीं है। रेस्तराओं में सैलानियों की पसंद के भोजन बनाए गए हैं।

पहाड़भांगा

पोटका प्रखंड के शंकरदा के पास स्थित पहाड़भांगा भी एक पिकनिक स्पॉट है। यह इन दिनों सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यह स्थल वादी में स्थित है और झरना आकर्षण का मुख्य केंद्र है। इन दिनों पहाड़भांगा ओडिशा और बंगाल के टूरिस्टों से गुलजार है। यहां की हरियाली बरबस ही लोगों का ध्यान खींचती है।

2026 के स्वागत को पिकनिक स्पॉट तैयार, जुटने लगे लोग

तैनात किए गए मजिस्ट्रेट व पुलिसबल

पश्चिमी सिंहभूम जिले में 2026 को तैयारी को लेकर जिला प्रशासन की ओर से पिकनिक स्पॉट पर मजिस्ट्रेट और सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। हर पिकनिक स्पॉट पर पुलिस जवानों के साथ एक दंडाधिकारी तैनात किए गए हैं, जिससे लोग सुरक्षित तरीके से नए साल का जश्न परिवार के साथ मना सकें।

CHAIBASA : नववर्ष का जश्न बुधवार की रात से ही शुरू हो गया। वर्ष 2026 के स्वागत लिए जिले के पिकनिक स्पॉट, होटल और रेस्तरां भी सज-धजकर तैयार हो गए हैं। सबसे अधिक भीड़ बंदगांव के हिरणी जलप्रपात व चाईबासा के कुजू नदी में होने की संभावना है। चक्रधरपुर के पंप रोड, नकटी और पंसुआ डैम में भी युवाओं का जुटान होता है। कई लोग दिन की शुरूआत मंदिर, गुरुद्वारा, चर्च में दर्शन-पूजन से करते हैं, लिहाजा वहां भी लोगों की सहूलियत के इंतजाम किए गए हैं। पार्क, नदी व झरनों में भी लोग पहुंचेंगे। चाईबासा के सटे लुपुंगुटू और बोड़दा पुल पर भी काफी लोग जुटते हैं। शहर से गांव तक नए साल के जश्न के लिए तैयार है। चाईबासा के जुबिली लेक, शहीद पार्क, रूंगटा गार्डन, चक्रधरपुर के रेलवे पार्क में वैसे तो पूरे साल लोग घूमने आते हैं, लेकिन साल के पहले दिन यहां मेले जैसा माहौल होता है। चक्रधरपुर के रेलवे पार्क में बच्चों के लिए झूला व खेल के उपकरण लगे हुए हैं। पार्कों के अलावा नए साल पर धमाल के लिए होटल-रेस्तरां भी सज-धजकर तैयार हो गए हैं। यहां अलग-अलग रेट पर लाइव म्यूजिक, डीजे आदि के साथ नाश्ता- खाना उपलब्ध है। **धार्मिक स्थलों से होगी दिन की शुरूआत :** नए साल के पहले दिन काफी लोग मंदिरों, गुरुद्वारा, गिरजाघर में प्रार्थना और पूजा-अर्चना करने आएंगे। चाईबासा के रामतीर्थ मंदिर, केरा मंदिर, कंसरा मंदिर, पाउड़ी मंदिर, महादेवसाल, समीज आश्रम आदि आदि जगहों पर लोग पहुंचेंगे। इसके अलावा गुरुद्वारा और गिरजाघर में भी लोग पहुंचेंगे।

नव वर्ष 2025

विश्वभर में नया साल मनाने का तरीका भी अलग-अलग है. सभी धर्मों में नया साल एक उत्सव की तरह अलग-अलग अंदाज में अलग-अलग परंपराओं के साथ मनाया जाता है. दुनिया में सबसे अधिक देशों में ईसाई नव वर्ष मनाए जाने की परंपरा है. ईसाई वर्ष 1 जनवरी से शुरू होकर 31 दिसंबर तक 12 महीनों में बंटा हुआ है. खास बात यह है कि भले ही दुनिया के सभी धर्मों के रीति-रिवाज अलग-अलग हों लेकिन 1 जनवरी को सभी देशों में नए साल की धूम रहती है. विश्व में वर्ष के अंतिम कुछ क्षणों में आतिशबाज़ी करते हुए पुराने साल को विदा और नव वर्ष का स्वागत किया जाता है.

क्या है न्यू ईयर की कहानी?

हजारों साल पहले प्राचीन बेबीलोन में न्यू ईयर की शुरुआत हुई थी. परंतु उस समय नव वर्ष का यह उत्सव 21 मार्च को मनाया जाता था जो कि वसंत के आगमन की तिथि थी. जो हिन्दुओं का नववर्ष है. ग्यारह दिनों तक चलने वाले पर्व के रूप में यह वसंत ऋतु के पहले दिन से शुरू होता था. इसीलिए सितंबर सातवां, अक्टूबर आठवां, नवंबर नौवां और दिसंबर दसवां महीना माना जाता था. जैसा कि इनके नामों से स्पष्ट होता है. यह गणना रोमन कैलेंडर के अनुसार किया जाता था जो सातवीं शताब्दी बीसी से शुरू हुआ और यह चन्द्रमा के चक्र के मुताबिक था. रोमन कैलेंडर अटकलबाजी के बलबूते बनाया गया था. जो 1 मार्च से शुरू होता था. तब एक साल में 304 दिन और कुल 10 महीने हुआ करते थे. मार्च से लेकर दिसम्बर तक, इन महीनों के नाम इस तरह थे मर्सिअस, एप्रिलिस, मैयास, जूनियस, क़ुइन्तिलिस, सेक्सटिलिस, सेप्टेम्बर, ओक्टोबर, नोवेम्बर, और डिसेम्बर.लेकिन सन 1570 के आसपास पोप ग्रेगरी XIII ने क्रिस्टोफर क्लेवियस को एक नया कैलेंडर बनाने का जिम्मा सौंपा. इस तरह सन 1582 में ग्रेगोरियन कैलेंडर अस्तित्व में आया. तब से पूरी दुनिया में नए साल का उत्सव बदस्तूर 1 जनवरी को मनाया जाता है.

न्यू ईयर पर अमेरिका की बॉल ड्रॉपिंग परंपरा

वैसे तो विश्व में वर्ष के अंतिम कुछ क्षणों में आतिशबाजी करते हुए पुराने साल को विदा और नव वर्ष का स्वागत किया जाता है परंतु अमेरिका में यह उत्सव अलग तरीके से मनाया जाता है। यहाँ का 'बॉल ड्रॉपिंग' दुनिया का सबसे मशहूर बॉल ड्रॉपिंग कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम न्यूयॉर्क शहर के टाइस स्वायर पर न्यू इयर्स ईव की मध्यरात्रि को होता है। इससे पहले डाउनटाउन मैनहट्टन के ट्रिनिटी चर्च के घंटे को सुनने के लिए आधी रात में लोग जमा होते थे। द न्यूयॉर्क टाइस ने सन 1904 में जन मानस को आकर्षित करने के लिए न्यूयॉर्क टाइस की ईमारत पर जोरदार आतिशबाजी की। इससे लोग आकर्षित तो हुए लेकिन पटाखों के कारण सड़कों पर गरम राख और पटाखों के टुकड़ों की बरसात हुई जो कि हानिकारक होने के साथ कचरा जमा होने का भी कारण बना इन्हीं वजहों से न्यूयॉर्क पुलिस ने वहां आतिशबाजी करने के कार्यक्रम पर प्रतिबंध लगा दिया। तब न्यूयॉर्क टाइस के मालिक एडोल्फ ऑस ने अपने चीफ इलेट्रिशियन वॉल्टर पाल्मर को नया रास्ता निकालने के लिए कहा। पाल्मर के डिजाइन के आधार पर ऑस ने आर्टक्राट स्ट्रॉस साइन कंपनी को लगभग 318 किलो की लोहे व लकड़ी से निर्मित और 25 वाट के 100 बल्बों से जड़ित बॉल बनाने की जिमेदारी दी। इस बॉल को पहली बार इलेट्रिसिटी का उपयोग कर सन 1908 के बॉल ड्रॉपिंग में प्रयोग किया गया।

भारतीय नव वर्ष

ग्रेगोरियन कलैंडर का अनुसरण वैसे तो पूरी दुनिया में हो रहा है लेकिन विभिन्न देशों में वहां की संस्कृति के अनुसार भी नया साल मनाने की परंपरा है। भारत में तो विभिन्न धर्म व संप्रदाय एक साथ रहते हैं। इन धर्मों व संप्रदायों के कैलेंडर भी अलग-अलग हैं अत: इनके नव वर्ष की तिथियां भी अलग-अलग होती हैं। हिंदू नववर्ष की बात करें तो यह चैत्र माह की शुल प्रतिपदा तिथि से आरंभ होता है जो कि अंग्रेजी कैलेंडर वर्ष के अनुसार मार्च-अप्रैल माह में पड़ता है।

लीजिये, हंसता और मुस्कुराता, खिलखिलाकर नव उल्लास बिखराता, निराशा को भगाता और आशा को बटोरता नया वर्ष फिर से आ गया। चारों ओर देखिये, पेड़ नये पड़ुों और कलियों के आगमन से कैसे झूम रहे हैं। पेड़-पौधे मुक्तहस्त होकर सुगंध बांट रहे हैं। भला कौन वह मूर्ख होगा, जो परिवार में आ रहे नये सदस्यों को देख खुश न हो। पशु हो या पक्षी, मानव हो या वनस्पति; सब पुराने के जाने पर दुखी होते हैं; पर वह दुख नवआगत के स्वागत के कारण धूमिल भी हो जाता है। यही सृष्टि का नियम है, इसलिए आज सब खुश है। आखिर क्यों न हों, नया साल जो आया है।

दोस्तों, हर देश व संस्कृति में अलग अलग तारीख में नया वर्ष मनाये जाने की परम्परा पहले से ही चली आ रही है. लोग अलग अलग तरीके से इस आयोजन को मानते है, जैसे कोई दारू पीता है तो कोई पार्टी करता है, कही लोगो व्यर्थ में बैठे रहते है तो कोई मजे के नाम पर समय व पैसो की बर्बादी करता है. लेकिन कुछ लोग खुद में सुधार के लिए अच्छा काम भी करते है लेकिन समय बीतने के साथ ही वह अपने संकल्पों को जान-बूझकर तोड़ देते है और पुराने ढर्रे पर ही वापस आ जाते है. एक साल में ही 'ढाक के तीन पात' वाली स्थिति नज़र आने लगती है। वैसे भी किसी नयी शुरुआत के लिए नये साल या किसी मुहूर्त की प्रतीक्षा ही क्यों करना ? इस बार हम नये साल क्या हर साल व हर क्षण को सार्थक करने के कुछ सरल तरीके बता रहे हैं जिसमे आपको अपने अंदर कुछ ज्यादा बदलाव करने की जरूरत नहीं है बल्कि आपको इन्हें तुरंत ही तन-मन-धन से भी अधिक ध्यान से अपनाने की जरूरत होगी.

अपनी कमाई और खर्चो का लेखा-जोखा रखें -

दोस्तों, इस नव वर्ष में आपको सबसे पहले अपने खर्चे व होने वाली कमाई का एक लेखा जोखा जरुर रखना चाहिए. एक ऐसा लेखा जोखा बनायें जिसमें हर दिन के हिसाब से अपने प्रत्येक छोटे-से-छोटे खर्चे का भी उल्लेख करें किन्तु ध्यान रखें कि किसी को बुरा न लगे या किसी पर किया गया खर्चा 'अहसान जताने' जैसा न हो. हो सके तो ऐसा लगे भी ना ! आप अपना लेखा जोखा शुरू करोगे तो आपको अपने व्यर्थ खर्चो को ष्श्वुह्लह्मश्च कर सकोगे साथ ही साथ इससे आपको विलासादि जैसे व्यर्थ खर्चे न्यूनतम करते हुए शून्य करने व अच्छे काम में किये गये खर्चो को बढ़ाने में सहायता होगी।

ब्रह्ममुहूर्त में उठने की आदत बनायें -

दोस्तों, हमारे लिए सुबह उठना काफी फायदेमंद होता है और इससे हमारी बॉडी तरोताजा रहती है. सुबह जल्दी उठने से हमारे पास एक्स्ट्रा टाइम भी होता है. इसलिए सुबह सूर्य की पहली किरण पहुँचने से पहले उठकर स्नान करने की आदत एक बार बना ली तो यह बात गाँठ बाँध लीजिए कि आप अपनी पुराणी स्थिति की अपेक्षा अधिक सहज रहेंगे. आपका समय-प्रबन्धन अब कुछ ठीक प्रकार से हो जायेगा व आप दिन-रात ताम-झाम में डूबी रहने वाली व टाइम नहीं है जैसी समस्याओं से दूर हो जाओगे. अब आपके पास समय ही समय होगा और अपने दिन भर के काम आप एक ही दिन में पूरे करने लगोगे.

अपनी डायरी मैण्टैन करें -

टी.वी. के सामने व्यर्थ बैठे रहने, शराब, धूम्रपान करने में जो आपने अपना नुकसान किया उसकी सारी विवरण, कार्य व समय इत्यादि के अनुसार प्रतिदिन इस प्रकार लिखें कि जिस दिन आप उस निरर्थकता से बचे तो आपको आनन्द आयेगा व संतोष का अनुभव होगा तथा गम्भीरता से पालन किया तो किसी दिन ऐसी स्थिति भी आ जायेगी कि आपको यह सब लिखने की जरूरत भी अनुभव नहीं होगी या आप पूरी तरह से सुधर चुके होंगे। जब भी कोई उल्लंघन करें तो अपने आप को कुछ सज़ा दें, जैसे कि अगले दिन चाय-काफ़ी बिल्कुल न पीयें, कल साईकल ही चलायें, कल 10-10 मिनटस तक कम से कम तीन बार रस्सी कूदें इत्यादि। ग़लती को दोहराने पर सज़ा की मात्रा व तीव्रता बढ़ा दें ताकि स्वयं को संदेश जाये कि अबकी बार

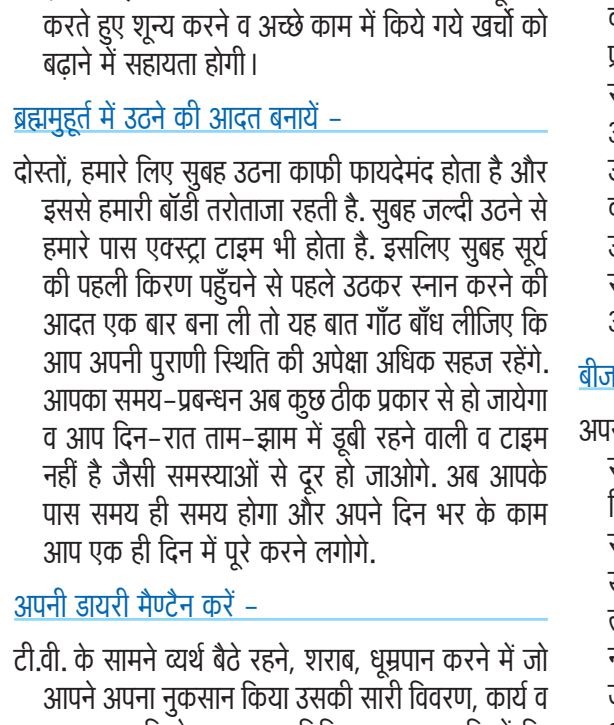

नववर्ष को जिन्दगी का सबसे बड़ा वर्ष कैसे बनाये ?

अधिक सावधानी बरतनी है, या दण्ड झेलना और कठिन हो जायेगा।

मिट्टी के दो कटोरे में डेली पानी भरे -

हाट जाकर देसी मिट्टी से बने दो सकोरे लायें जिन्हें प्रतिदिन धो-धोकर एक सकोरे में पेयजल भरें व दुसरे में मिश्रित देसी साबुत अनाज को मिक्स करके रखे, स्थानीय किराना दुकान या अनाज-व्यवसायी से बोलें. समस्त देसी व साबुत अनाजों का एक मिश्रण तैयार कर दें। शहर हो या गाँव हर स्थिति-परिस्थिति में पक्षियों व गिलहरियों को स्वच्छ पेयजल व पौष्टिक व स्वादिष्ट शुद्ध भोजन की कमी की सतत पूर्ति का यह सबसे सरल उपाय है एवं हम सबके 'मनुष्य' होने को परिभाषित करता ईश्वरीय उत्तरदायित्व भी।

कील-तार-सीमेण्ट-क्रांक्रीट से करें मुक्त -

आपने देखा होगा की कई बार कई पेड़ - पौधे तार व अन्य चीजो से दब जाते है या उनके ऊपर किसी सामान का बोझ लदा रहता है जिस कारण वह पौधे या तो टूट जाते है या उनका विकास नहीं हो पाता. इसलिए हर दिन लेखा-जोखा रखें कि आज आसपास या आपके घर से दूर कितने पेड़ों से आपने कीलें निकालीं, उनसे तार हटाये, उनका दम घोंट रही क्रांक्रीट अथवा सीमेण्ट को दूर किया. इसके लिये अपने पास प्लायर, कैंची, लौहे की छोटी-सी राड, खुरपी इत्यादि का एक पैकेट रखें जो अन्य कई कार्य भी आयेगा।

जीव जन्तुओ की सेवा की साप्ताहिक रिपोर्ट काई -

अपनी आँखों को खुला रखकर घर से बाहर निकलें, जहाँ भी कोई पशु-पक्षी घायल, भूखा-प्यासा या अन्य किसी भी प्रकार से रोगी व ज़रूरतमंद लगे तुरंत रुककर उसे सहायता पहुँचायें, आवश्यकता पड़ने पर खुद ट्राली या ऑटो की व्यवस्था करवाकर उसे चिकित्सालय पहुँचायें. उसकी निगरानी करें व जरूरत पड़ने पर डाक्टर इत्यादि को बुलवाने का भी ख्याल रखें। वैसे भी ये कार्य करने में उतने कठिन नहीं होंगे परन्तु यदि पैसो से जुड़ी जैसी कोई समस्या या अन्य कोई बात आड़े आये तो भी परिचितों व अपरिचितों से सहायता माँगने में संकोच न करें।

बीज व वृक्षारोपण करे -

अपने साथ यहाँ-वहाँ से इकट्ठे किये गये बीज (जैसे सीताफल, बकायन, आम, चीकू, जामुन, शीशम) रखें जिन्हें आप आते-जाते मार्ग में जहाँ-जहाँ या नम व कुछ सुरक्षित-सी लगने वाले भूमि में एक छोटी-सी लकड़ी से खोदकर गड़ाते चलें जिनमें से यदि 5 प्रतिशत भी पेड़ बने तो आपका समूचा प्रयास सफल ही कहा जायेगा. स्थानीय नर्सरी से कुछ ऐसे पेड़ खरीदे जो लोगों को बहुत भायेंगे, जैसे कि तेजपत्ता, दालचीनी, मीठी नीम, कपूर, गुग्गल, अमरूद, अनार, बेलपत्र, नारियल आदि, जहाँ-तहाँ पूछताछ जारी रखें व यदि कोई भूस्वामी, मकान-मालिक, मंदिर-पुजारी या दुकानदार अपने इलाके या अधिकार क्षेत्र में वह प्रजाति लगवाना चाहे तो वहाँ स्वयं अपने हाथों से लगाकर आयें व उसकी सुरक्षा व नियमित पानी देने का निवेदन भी करके आयें. आपके द्वारा की गयी यह पहल आपके पुण्य तो बढ़ायेगी ही, साथ में हरियाली बढ़ाने के साथ सौहार्द्र बढ़ाने में भी प्रमुख भूमिका निभायेगी. यदि वृक्ष सुरक्षा-कवच बनाना हो तो तीन-चार मजबूत डण्डे, बाँस, पुरानी पड़ी राड्स गड़ाकर.. ठौंककर या गड्ढे खोदकर व रस्सियाँ या बेर-बबूल के काँटों से आप बड़ी आसानी से यह भी कर सकते हैं।

बिना स्वार्थ के कर्म करे -

स्वार्थ या अपने कुल-कुटुम्ब के लिये तो कुत्ता भी बहुत कुछ कर ही लेता है परन्तु नि:स्वार्थ भाव से या परायों के लिये, पेड़-पौधों व पशु-पक्षियों, अनाथों-बूढ़ों, अपरिचितों इत्यादि के लिये कुछ किया हो तो भगवान् को लगे कि आपको मानव जन्म प्रदान करना सार्थक हो रहा है. इस बात को समझने के लिए आप हमारा जीवन की सार्थकता के 41 मार्ग यह आर्टिकल जरुर पढ़ा जा सकता है। उपरोक्त सम्पूर्ण डाटाबेस हर दिन के आधार पर तैयार करना है, यह नहीं कि भूल गये या बाद में लिखेंगे। नया साल चाहे जब आये, आप तो अभी से आरम्भ करें, शुभस्य शीघ्रम् ! श्रीगणेश करें...

अंग्रेजी नववर्ष का भारतीयकरण

अंग्रेजी या ईसाई नववर्ष दुनियां के उन देशों में मनाया जाता है जिन पर कभी अंग्रेजों ने राज किया था। हर देश अपने इतिहास और मान्यताओं के अनुसार नव वर्ष मनाता है। भारत में प्राय: सभी संवत्सर चैत्रा शुल प्रतिपदा से प्रारम्भ होते हैं पर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अमरीका और ब्रिटेन का वर्चस्व दुनियां में बढ़ गया। इन दोनों के ईसाई देश होने से कई अन्य देशों में भी ईसाई वेशभूषा, खानपान, भाषा और परपराओं की नकल होने लगी। भारत भी इसका अपवाद नहीं है।

एक बार फिर एक जनवरी आएगी। हर बार की तरह समाचार माध्यमों ने वातावरण बनाना प्रारभ कर दिया है। 31 दिसबर की रात और एक जनवरी को दिन भर शोर-शराबा होगा। लोगों ने एक दूसरे को बधाई लेंगे और देंगे। सरल मोबाइल संदेशों (एसएमएस) के आदान-प्रदान से मोबाइल कंपनियों की चांदी कटेंगे। रात में बारह बजे लोग शोर मचाएंगे। शराब, शवाब और कवाब के दौर चलेंगे। इसके अतिरित और भी न जाने लोग कैसी-कैसी मूर्खताएं करेंगे जरा सोचिये, नये दिन और वर्ष का प्रारभ रात के अंधेरे में हो, इससे बड़ी मूर्खता और क्या हो सकती है।

यह बात आज तक समझ में नहीं आई कि यदि ईसा मसीह का जन्म 25 दिसबर को हुआ था तो जिस वर्ष और ईसवी को उनके जन्म से जोड़ा जाता है, उसे एक सप्ताह बाद एक जनवरी से क्यों मनाया जाता है । वस्तुत: ईसा का जन्म 25 दिसबर को नहीं हुआ था। चौथी शती में पोप लाइबेरियस ने इसकी तिथि 25 दिसबर घोषित कर दी, तब से इसे मनाया जाने लगा। तथ्य तो यह भी है कि ईसा मसीह के जीवन के साथ जो प्रसंग जुड़े हैं, वे बहुत पहले से ही योरोप के अनेक देशों में प्रचलित थे। उन्हें ही ईसा के साथ जोड़कर एक कहानी गढ़ दी गयी। इससे इस संदेह की पुष्टि होती है कि ईसा नामक कोई व्यति हुआ ही नहीं वरना यह कैसे संभव है कि जिस तथाकथित ईश्वर के बेटे के दुनियां में अरबों लोग अनुयायी हैं, उसकी ठीक जन्म-तिथि ही पता न हो। जैसे भारत में 'जय संतोषी मां' नामक फिल्म ने कई वर्ष के लिए एक नयी देवी को ह्रश्वातिष्ठित कर दिया था। कुछ ऐसी ही कहानी ईसा मसीह की भी है

इसके दूसरी ओर भारत में देखें तो लाखों साल पूर्व हुए श्रीराम और 5,000 से भी अधिक वर्ष पूर्व हुए श्रीकृष्ण ही नहीं तो अन्य सब अवतारों, देवी-देवताओं और महामानवों के जन्म की प्रामाणिक तिथियां सब जानते हैं और उन्हें हर वर्ष धूमधाम से मनाते भी हैं। लेकिन फिर भी नव वर्ष के रूप में एक जनवरी प्रतिष्ठित हो गयी है, लोग इसे मनाते भी हैं, इसलिए मेरा विचार है कि हमें इस अंग्रेजी पर्व का भारतीयकरण कर देना चाहिए। इसके लिए भविष्य में निन कुछ प्रयोग किये जा सकते हैं। एक जनवरी को अपने गांव या मोहल्ले में भगवती जागरण करें। अपने घर, मोहल्ले या मंदिर में श्रीरामचरितमानस का अखंड पारायण प्रारभ करें। एक जनवरी को प्रात: सामूहिक यज्ञ का आयोजन हो।

एक जनवरी को भजन गाते हुए प्रभातफेरी निकालें। सिख, जैन, बौद्ध आदि मत और पंथों की मान्यता के अनुसार कोई धार्मिक कार्यक्रम करें। एक जनवरी को प्रात: बस और रेलवे स्टेशन पर जाकर लोगों के माथे पर तिलक लगाएं। एक जनवरी को निर्धनों को भोजन कराएं। बच्चों के साथ कुष्ठ आश्रम, गोशाला या मंदिर में जाकर दान-पुण्य करें। ये कुछ सुझाव हैं। यदि इस दिशा में सोचना प्रारभ करेंगे तो कुछ अन्य प्रयोग और कार्यक्रम भी ध्यान में आएंगे। हिन्दू पर्व मानव के मन में सात्विकता जगाते हैं चाहे वे रात में हों या दिन में जबकि अंग्रेजी पर्व नशे और विदेशी संगीत में डुबोकर चरित्राहीनता और अपराध की दिशा में ढकेलते हैं। इसलिए जिन मानसिक गुलामों को इस अंग्रेजी और ईसाई नववर्ष को मनाने की मजबूरी हो, वे इसका भारतीयकरण कर मनाएं।

वर्ष 2025 को अलविदा, नववर्ष 2026 का स्वागत

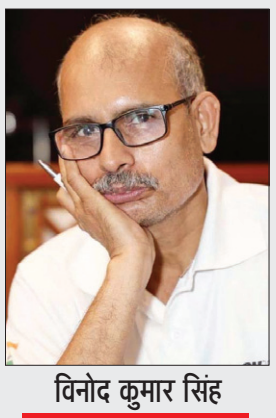

विनोद कुमार सिंह

हर वर्ष की विदाई दरअसल हमारे अपने कर्मों,निर्णयों और चूकों की विदाई होती है।जब हम वर्ष 2025 को अलविदा कह रहे हैं, तो यह केवल कैलेंडर का पन्ना पलटना नहीं है, बल्कि एक ऐसे दौर को पीछे छोड़ना है जिसने हमें बार-बार आईना दिखाया–हमारी सामूहिक चेतना, हमारे लोकतंत्र, हमारी संवेदनशीलता और हमारे भविष्य की दिशा का।

काल का चक्र महाकाल के इशारे पर अपनी धुरी पर निरतंर - निर्विघ्न घुमता रहता है।समय का पहिया कभी नहीं रुकता। वह न किसी सत्ता या सरकार के आदेश का इंतजार करता है, न किसी विचारधारा की अनुमति लेता है।हर वर्ष की विदाई दरअसल हमारे अपने कर्मों,निर्णयों और चूकों की विदाई होती है।जब हम वर्ष 2025 को अलविदा कह रहे हैं, तो यह केवल कैलेंडर का पन्ना पलटना नहीं है, बल्कि एक ऐसे दौर को पीछे छोड़ना है जिसने हमें बार-बार सच्चाई का आईना दिखाया–हमारी सामूहिक चेतना,हमारे लोकतंत्र,हमारी संवेदनशीलता और हमारे भविष्य की दिशा का। एक बार फिर से वर्ष 2025 उम्मीदों और आशंकाओं के बीच झूलता रहा।यह वर्ष न पूरी तरह अंधकारमय था, न पूरी तरह ऊजालों से भरा रहा। यह वह समय था जब तकनीक ने अभूतपूर्व छलांग लगाई, लेकिन इंसानी रिश्तों में दूरी भी बढ़ी। यह वह साल था जब अर्थव्यवस्था के आँकड़े मजबूत दिखे, लेकिन आम आदमी की थाली, नौकरी और सुरक्षा पर सवाल उठते रहे। यह वह वर्ष भी था जब लोकतंत्र की संस्थाओं पर बहस तेज हुई और नागरिक अधिकारों को लेकर समाज दो स्पष्ट धाराओं में बँटा दिखा।

2025 ने हमें सिखाया कि विकास केवल सड़क, पुल और इमारतों का नाम नहीं है। .विकास का असली पैमाना यह है कि आखिरी पंक्ति में खड़ा व्यक्ति कितना सुरक्षित, सम्मानित और सुना हुआ महसूस करता है।इस वर्ष ने यह भी बताया कि राष्ट्रवाद का सबसे सशक्त रूप वह होता है, जिसमें सवाल पूछने की आजादी सुरक्षित हो और असहमति को देशद्रोह न समझा जाए।

राजनीतिक परिदृश्य की बात करें तो 2025 में राजनीति और जनभावना के बीच की खाई और स्पष्ट हुई। राजनीति नेताओं ने अपने चुनावी भाषणों में जनता को सपने दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ी , उनके घोषणापत्रों में वादे थे, लेकिन जमीनी सच्चाइयों से उनका मेल हमेशा नहीं बैठ पाया। सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिकाओं पर जनता की निगाहें टिकी रहीं। संसद से लेकर सड़कों तक,बहसें गरम रहीं–कभी कानूनों को लेकर,कभी संस्थाओं की स्वायत्तता को लेकर, तो कभी अभिव्यक्ति की सीमाओं को लेकर।

लोकतंत्र का सौंदर्य यही है कि वह सवालों से जीवित रहता है। 2025 में सवाल पूछे गए–कभी दबे स्वर में, कभी तेज आवाज में। पत्रकारिता, जो लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कही जाती है, उसने भी इस वर्ष अपनी कठिन परीक्षा दी। कहीं वह दबाव में दिखी, कहीं साहस के साथ खड़ी नजर आई।सच और सत्ता के बीच की यह खींचतान 2025 की सबसे बड़ी पहचान बनकर उभरी।आर्थिक मोर्चे पर 2025 विरोधाभासों का वर्ष रहा। एक ओर स्टार्ट-अप,डिजिटल भुगतान,आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में तेज प्रगति दिखी।दूसरी ओर बेरोजगारी, महँगाई और असंगठित क्षेत्र की असुरक्षा ने लाखों परिवारों को चिंता में डाले रखा। शहरों की चमक और गाँवों की चुनौतियों के बीच की दूरी और गहरी होती प्रतीत हुई।यह वर्ष बार-बार याद दिलाता रहा कि अगर विकास समावेशी नहीं है, तो वह स्थायी भी नहीं हो सकता।

शिक्षा और युवाओं के संदर्भ में 2025 एक निर्णायक मोड़ जैसा रहा। युवा ऊर्जा से भरे हैं, सपने देखते हैं, सवाल करते हैं। लेकिन उनके सामने अवसरों की अनिश्चितता, प्रतियोगिता का दबाव और मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियाँ भी हैं। इस वर्ष ने यह साफ किया कि केवल डिग्री बाँटना पर्याप्त नहीं, बल्कि कौशल, नैतिकता और रोजगार की ठोस व्यवस्था करना समय की मांग है। युवा अगर आश्वस्त नहीं होंगे,तो भविष्य भी अस्थिर रहेगा।

तकनीक के क्षेत्र में वर्ष 2025 ऐतिहासिक रहा।आर्टिफि शियल इंटेलिजेंस,ऑटोमेशन और डेटा-आधारित निर्णयों ने जीवन को सुविधाजनक बनाया,लेकिन साथ ही निजता,रोजगार और मानवीय हस्तक्षेप पर नए सवाल खड़े किए। यह वर्ष हमें चेतावनी देकर गया कि तकनीक साधन है, साध्य नहीं। अगर तकनीक का संचालन मानवीय मूल्यों के बिना हुआ, तो वह प्रगति नहीं, संकट बन सकती है।

पर्यावरण के मोर्चे पर 2025 ने सबसे कड़ा संदेश दिया। जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की आशंका नहीं, वर्तमान की सच्चाई बन चुका है। कहीं बाढ़, कहीं सूखा, कहीं भीषण गर्मी–प्रकृति ने साफ शब्दों में कहा कि उसका धैर्य टूट रहा है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन का सवाल अब टाला नहीं जा सकता। यह वर्ष हमें याद दिलाकर गया कि धरती केवल संसाधन नहीं, हमारी साझी विरासत है।अगर हम सामाजिक ताने-बाने की बात करें तो 2025 में सहिष्णुता की परीक्षा हुई।विविधता हमारे समाज की ताकत रही है,लेकिन इसे कमजोरी समझने की प्रवृत्ति भी दिखी। धर्म, जाति, भाषा और विचार के नाम पर खिंची लकीरें कहीं-कहीं और गहरी हुईं।फिर भी इसी समाज में ऐसे स्वर भी उभरे जिन्होंने संवाद, समरसता और मानवीय मूल्यों की बात की। यही विरोधाभास 2025 की आत्मा रहा।

अब जब हम नववर्ष 2026 की दहलीज पर खड़े हैं, तो सवाल यह नहीं कि नया साल हमें क्या देगा, बल्कि यह है कि हम नए साल को क्या देंगे। क्या हम पुराने पूर्वाग्रहों को भी साथ लेकर जाएंगे, या उन्हें यहीं छोड़ देंगे? क्या हम केवल शिकायतों की सूची बढ़ाएंगे, या समाधान का हिस्सा बनेंगे?

2026 का स्वागत केवल आतिशबाजी और शुभकामनाओं से नहीं होना चाहिए,बल्कि संकल्पों से होना चाहिए।संकल्प–एक अधिक संवेदनशील समाज का, एक अधिक जवाबदेह शासन का, एक अधिक ईमानदार सार्वजनिक जीवन का। हमें यह स्वीकार करना होगा कि बदलाव किसी एक सरकार,संस्था या व्यक्ति से नहीं आता; वह सामूहिक चेतना से जन्म लेता है।

नववर्ष 2026 हमें यह अवसर देता है कि हम संवाद को टकराव से ऊपर रखें।असहमति को शत्रुता न बनने दें। सवाल पूछने को अपराध नहीं, बल्कि जिम्मेदारी समझें। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब नागरिक जागरूक, निर्भीक और संवेदनशील होंगे।

आर्थिक रूप से 2026 से अपेक्षा है कि विकास के लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचें। रोजगार सृजन केवल आँकड़ों में नहीं, जमीन पर दिखे। किसान, श्रमिक, छोटे व्यापारी और मध्यम वर्ग–सभी को भरोसा मिले कि वे विकास की यात्रा के सहभागी हैं, दर्शक नहीं।

पर्यावरण के संदर्भ में 2026 को चेतना का वर्ष बनना होगा। यह समझ विकसित करनी होगी कि प्रकृति के साथ युद्ध नहीं, सहअस्तित्व ही एकमात्र रास्ता है। नदियाँ, पहाड़, जंगल–ये केवल भौगोलिक संरचनाएँ नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता की साँसें हैं।

युवाओं के लिए 2026 आशा का वर्ष बन सकता है, बशर्ते उन्हें अवसर, मार्गदर्शन और विश्वास मिले। उनकी ऊर्जा को नकारात्मक दिशाओं में भटकने से रोकना समाज और शासन दोनों की जिम्मेदारी है। युवा अगर राष्ट्र निर्माण में सहभागी होंगे, तो भविष्य स्वतः सुरक्षित होगा।

अंततः, वर्ष 2025 को अलविदा कहना केवल बीते समय को विदा करना नहीं है, बल्कि उसकी सीख को साथ लेना है।गलतियों से सीखकर आगे बढ़ना ही समय की सबसे बड़ी समझदारी है। नववर्ष 2026 हमारे सामने एक खुली किताब की तरह है–इसके पन्नों पर क्या लिखा जाएगा, यह हमारे आज के निर्णय तय करेंगे।

आइए,इस नववर्ष 2026 पर यह संकल्प लें कि हम सभी अधिक संवेदनशील,अधिक जिम्मेदार और अधिक ईमानदार मानव बनेंगें। क्योंकि जब समाज बेहतर बनता है, तभी वर्ष भी वास्तव में नया होता है।

वर्ष 2025 को विनम्र विदाई के संग नववर्ष 2026 का स्वागत–उम्मीद, विवेक और विश्वास के साथ करें । हमारी हार्दिक शुभकामनाएं स्वीकार करे ।नव वर्ष मंगलमय हो

(स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

एंजेल चकमा की मौत, देश के लिए सबक

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में त्रिपुरा से आए छात्र एंजेल चकमा की नस्लवादी नफरत में हत्या कर दी गई। इस घटना पर अब उत्तराखंड से लेकर त्रिपुरा तक विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं, लोग नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। पूर्वोत्तर के छात्र अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। वहीं अब भाजपा के नेता भी इस घटना को दुखद और चिंतनीय बता रहे हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को पूर्वोत्तर के लोगों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में नस्लवाद और भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है। किसी भी जाति, नस्ल या धर्म के लोगों का मजाक नहीं उड़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पूर्वोत्तर के लोग ही नहीं, बल्कि सभी को इस तरह की घटनाओं से दुखी होना चाहिए, क्योंकि यह किसी के साथ भी हो सकता है। एक बेकसूर नागरिक को केवल उसके चेहरे-मोहरे के कारण मार देना दुख और नाराजगी की बात तो है ही, उससे भी अधिक गहरी चिंता की बात है कि एक समाज के तौर पर हम पागलपन के किस दौर में पहुंचा दिए गए हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को कपड़ों से पहचान करने के लिए उकसाया तो अब उससे एक कदम आगे बढ़ते हुए लोग कपड़ों के साथ-साथ खान-पान, नाम, नैन-नक्श से भी पहचान करने लगे हैं कि कौन हमारे जैसा है और कौन नहीं। जो हमारी तरह नहीं है, बहुसंख्यकों में शामिल नहीं है, उसे अल्पसंख्यक भी न रहने दिया जाए, बल्कि उसका अस्तित्व ही मिटा दिया जाए, इसी उन्मादी सोच का शिकार देश हो चुका है। भाजपा ने सत्ता पाने और उस पर जमे रहने के लिए लोगों में जो फूट डालनी शुरू की है, अब उसकी पराकाष्ठा देखी जा सकती है। किरण रिजीजू को अब अगर लग रहा है कि जाति, नस्ल या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए, तो ऐसा ही विरोध उन्हें उस वक्त भी करना था जब सैंटा क्लॉज की टोपी पहनने या बेचने वालों को प्रताड़ित किया गया। जब जन्मदिन के जश्न में बजरंग दल के गुंडे केवल इसलिए घुसकर मारपीट करने लगे, क्योंकि उसमें अल्पसंख्यक लोग भी थे। अगर अखलाक की लिंचिंग के बाद ही किरण रिजीजू भीड़ की हिंसा के खिलाफ बोलते या झारखंड में मॉब लिंचिंग के आरोपियों को जब भाजपा नेता जयंत सिन्हा माला पहना रहे थे, तब उनकी मुखालफत करते, तब तो उनकी चिंता जायज लगती। लेकिन अभी तो ऐसा लग रहा है कि पूर्वोत्तर में भाजपा की स्थिति कमजोर न हो जाए, इस डर से किरण रिजीजू पीड़ित के पक्ष में बोल रहे हैं। गनीमत यही है कि वो बोल रहे हैं, वर्ना देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को तो शायद ऐसी घटनाएं संबोधित करने लायक लगती ही नहीं हैं। वैसे भी इस समय उनका पूरा ध्यान इस समय बंगाल चुनाव पर हैं, जहां से घुसपैठियों को चुन-चुन कर निकालने की प्रतिबद्धता मोदी-शाह दिखा रहे हैं।

चिंतन-मनन

भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य

भगवान भौतिक जगत के पालन व निर्वाह के लिए प्रत्यक्ष रूप से उत्तरदायी नहीं हैं। हम एटलस (एक रोमन देवता) को कंधों पर गोला उठाये देखते हैं। वह अत्यन्त थका लगता है और इस विशाल पृथ्वीलोक को धारण किये रहता है। हमें किसी ऐसे चित्र को मन में नहीं लाना चाहिए, जिसमें कृष्ण इस सृजित ब्रह्मांड को धारण किये हों। उनका कहना है कि यद्यपि सारी वस्तुएं उन पर टिकी हैं, सारे लोक अन्तरिक्ष में तैर रहे हैं और यह अन्तरिक्ष परमेश्वर की शक्ति है किन्तु वे अन्तरिक्ष से पृथक स्थित हैं। भगवान कहते हैं, यद्यपि सब रचित पदार्थ मेरी अचिंत्य शक्ति पर टिके हैं, किन्तु भगवान रूप में मैं उनसे पृथक रहता हूं। यह भगवान का अचिंत्य ऐश्वर्य है।

वैदिककोश निरुक्ति में कहा गया है- परमेश्वर शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अचिंत्य आश्चर्यजनक लीलाएं कर रहे हैं। उनका व्यक्तित्व विभिन्न शक्तियों से पूर्ण है और संकल्प स्वयं एक तथ्य है। भगवान को इसी रूप में समझना चाहिए। हम कोई काम करना चाहते हैं, तो अनेक विध्न आते हैं और कभी-कभी जो चाहते हैं वह नहीं कर पाते।

किन्तु जब कृष्ण कोई कार्य करना चाहते हैं, तो सब इतनी पूर्णता से सम्पन्न हो जाता है कि कोई सोच नहीं पाता कि यह सब कैसे हुआ! भगवान समझाते हैं-यद्यपि वे समस्त सृष्टि के पालक तथा धारणकर्ता हैं, किन्तु वे इस सृष्टि का स्पर्श नहीं करते। उनके मन और स्वयं उनमें कोई भेद नहीं है। वे हर वस्तु में उपस्थित हैं, किन्तु सामान्य व्यक्ति समझ नहीं पाता कि वे साकार रूप में उपस्थित हैं। वे भौतिक जगत से भिन्न हैं तो भी प्रत्येक वस्तु उन्हीं पर आश्रित है। इसे ही भगवान की योगशक्ति कहा गया है।

अर्थव्यवस्था से अंतरिक्ष तक भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियां

योगेश कुमार गोयल

भारत@2025: सामर्थ्य, संतुलन और संकल्प का निर्णायक दौर...

भारत के लिए वर्ष 2025 केवल एक कैलेंडर वर्ष नहीं बल्कि एक ऐसे संक्रमणकाल का प्रतीक बनकर उभरा, जिसने देश की विकास यात्रा को नई दिशा, नई भाषा और नया आत्मविश्वास दिया। यह वह वर्ष रहा, जब भारत ने न केवल अपनी आंतरिक क्षमताओं को सुदृढ़ किया बल्कि वैश्विक मंच पर भी एक परिपक्व, स्थिर और निर्णायक शक्ति के रूप में अपनी पहचान को और गहराया। अर्थव्यवस्था, रक्षा, अंतरिक्ष, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल नवाचार, बुनियादी ढ़ांचा, ऊर्जा, स्टार्टअप और खेल, लगभग हर क्षेत्र में भारत की प्रगति ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश अब केवल संभावनाओं का राष्ट्र नहीं बल्कि परिणाम देने वाला, नीति-आधारित और दीर्घकालिक दृष्टि से संचालित राष्ट्र बन चुका है। वैश्विक परिदृश्य 2025 में किसी भी दृष्टि से आसान नहीं था। दुनिया आर्थिक मंदी की आशंकाओं, ऊर्जा संक्रमण के दबाव, आपूर्ति श्रृंखला में अस्थिरता और तीव्र होती भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से जूझ रही थी। ऐसे समय में भारत का स्थिर, संतुलित और आत्मविश्वासी प्रदर्शन इस बात का संकेत बना कि देश अब वैश्विक परिस्थितियों का केवल अनुसरण करने वाला नहीं बल्कि कई मामलों में दिशा तय करने की क्षमता भी रखता है। भारत की सबसे बड़ी उपलब्धि यही रही कि तेज विकास और रणनीतिक परिपक्वता के बीच संतुलन साधते हुए उसने अल्पकालिक लाभ के बजाय दीर्घकालिक स्थायित्व को प्राथमिकता दी।

आर्थिक मोर्चे पर 2025 भारत के लिए मजबूती का वर्ष रहा। वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत तक पहुंचना केवल एक आंकड़ा नहीं था बल्कि यह घरेलू मांग, सार्वजनिक निवेश और संरचनात्मक सुधारों की संयुक्त शक्ति का प्रमाण था। अप्रैल से जून 2025 की तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि ने यह संकेत दिया कि भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद अपनी आंतरिक गतिशीलता बनाए रखने में सक्षम है। केंद्रीय बैंक द्वारा वृद्धि अनुमान को 7.3 प्रतिशत तक संशोधित किया जाना आर्थिक लचीलेपन और नीति-विश्वसनीयता को दशार्ता है। लगभग 4.19 ट्रिलियन डॉलर के आकार के साथ भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना केवल रैंकिंग का विषय नहीं बल्कि वैश्विक आर्थिक शक्ति-संतुलन में भारत की बढ़ती भूमिका का प्रतीक है।

विनिर्माण क्षेत्र में 2025 ने एक प्रकार से पुनर्जागरण का संकेत दिया। वर्षों से सेवा क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता के बाद अब विनिर्माण को विकास का मजबूत स्तंभ बनाने की दिशा में ठोस प्रगति दिखाई दी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में विनिर्माण उत्पादन की 4.26 प्रतिशत वृद्धि और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में निरंतर सुधार यह दशार्ता है कि उत्पादन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ने की रणनीति धरातल पर उतर रही है। इलैक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण का 115 अरब डॉलर तक पहुंचना और निकट भविष्य में इसके तीव्र विस्तार की संभावना भारत को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक महत्वपूर्ण स्थान दिलाने की भूमिका निभा रही है।

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 2025 ने भारत को एक नई वैश्विक पहचान दी। यह वर्ष केवल प्रक्षेपणों की संख्या या तकनीकी प्रयोगों तक सीमित नहीं रहा बल्कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की भूमिका के गुणात्मक परिवर्तन का वर्ष बना। बड़े और जटिल संचार उपग्रहों की सफल तैनाती ने यह स्थापित किया कि भारत अब केवल किफायती लॉन्च सेवाओं तक सीमित नहीं है बल्कि उच्च-मूल्य और तकनीकी रूप से जटिल वाणिज्यिक मिशनों का भरोसेमंद साझेदार बन चुका है। इन-ऑर्बिट सैटेलाइट डॉकिंग जैसी उन्नत क्षमता का सफल प्रदर्शन भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशनों, उपग्रह सेवा विस्तार और गहरे अंतरिक्ष अभियानों की आधारशिला है। मानवयुक्त अंतरिक्ष कार्यक्रम की दिशा में किए गए परीक्षण, स्वदेशी अंतरिक्ष-ग्रेड माइक्रोप्रोसेसर का विकास और छोटे उपग्रह प्रक्षेपण तकनीक का निजी क्षेत्र को हस्तांतरण, ये सभी संकेत देते हैं कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब नवाचार, आत्मनिर्भरता और निजी भागीदारी के नए युग में प्रवेश कर चुका है।

रक्षा क्षेत्र में 2025 को सुधार और आत्मनिर्भरता के निर्णायक वर्ष के रूप में देखा जा सकता है। सैन्य ढ़ांचे के आधुनिकीकरण के साथ-साथ संयुक्त युद्ध क्षमता को मजबूत करने की दिशा में गंभीर प्रयास किए गए। थलसेना, नौसेना और वायुसेना के बीच बेहतर समन्वय के लिए एकीकृत कमांड संरचना की ओर बढ़ना भविष्य की युद्ध आवश्यकताओं के अनुरूप एक रणनीतिक कदम है। नौसेना में नई पनडुब्बियों की तैनाती, स्वदेशी लड़ाकू विमानों की श्रृंखलाबद्ध आपूर्ति और रक्षा बजट में दीर्घकालिक निवेश यह स्पष्ट करता है कि भारत अब रक्षा क्षेत्र में आयात-निर्भरता से बाहर निकलकर घरेलू क्षमता निर्माण पर जोर दे रहा है। यह केवल सैन्य शक्ति का प्रश्न नहीं बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता का आधार भी है। बुनियादी ढ़ांचे के विकास ने 2025 में भारत के आर्थिक और सामाजिक परिदृश्य को गहराई से प्रभावित किया। सड़क, रेल, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के विस्तार ने न केवल आवागमन को सुगम बनाया, बल्कि क्षेत्रीय असमानताओं को कम करने की दिशा में भी भूमिका निभाई। राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, सीमावर्ती सड़कों का निर्माण और तटीय विकास परियोजनाओं का क्रियान्वयन भारत को घरेलू रूप से अधिक एकीकृत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अधिक सक्षम बना रहा है।

पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, वैश्विक समाधान समझें

ललित गर्ग

वैश्विक परिवार दिवस, शान्ति और साझेदारी का एक दिन, संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिवर्ष 1 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिवस संयुक्त राष्ट्र सहस्राब्दी समारोह, ह्यशान्ति में एक दिनह्ल से विकसित हुआ। समग्र विश्व एक वैश्विक ग्राम है और हम सभी इस बृहत्-परिवार का हिस्सा हैं। भारत ने तो वसुधैव कुटुम्बकम् का उद्घोष करते हुए समूची दुनिया को एक परिवार ही माना है। वैसे भारत की परिवार परम्परा दुनिया के लिये अनुकरणीय है। हम सभी एक परिवार हैं, चाहे हमारी नागरिकता, धर्म, जाति, सीमाएं या नस्ल कुछ भी हो। समग्र मानव जाति को एक साथ आना चाहिए और प्रेम और शान्ति में विश्वास करना चाहिए और विश्व में सुख और आशा लाने हेतु इसका अभ्यास करना चाहिए। संसार संघर्षों, युद्धों, उपद्रवों, कष्ट और पीड़ा से भरा पड़ा है। यदि हम सभी एक साथ आएं और दुनिया को प्रेम और धैर्य से ठीक करें, तो हम सभी खुशी से और अपने हृदयों में आशा के साथ रह सकते हैं। वैश्विक परिवार दिवस विविधता एवं एकता और विश्व शान्ति और अहिंसा महत्त्व के बारे में जागरूकता लाता है।

इस दिवस की शुरूआत 1997 में हुई जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने नव सहस्राब्दी के पहले दिन से विश्व के बच्चों के लिए शांति और अहिंसा की संस्कृति के अंतर्राष्ट्रीय दशक की शुरूआत की। लिंडा ग्रोवर ने अमेरिका में इसे बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और इसे बढ़ावा देने के अन्य प्रयासों में 'वन डे इन पीस - जनवरी 1, 2000' जैसी पुस्तकें शामिल थीं। यह पुस्तक भविष्य में एक ऐसे दिन की अवधारणा पर आधारित थी जहाँ केवल शांति हो और कोई युद्ध न हो। हालांकि, यह एक नए शांतिपूर्ण विश्व की शुरूआत मात्र थी और 1999 में, संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों को उस वर्ष के पहले दिन को शांति निर्माण की रणनीतियों को विकसित करने के लिए समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए, संयुक्त राष्ट्र ने 2001 में वैश्विक परिवार दिवस को वार्षिक आयोजन घोषित कर दिया।

प्रत्येक वर्ष परिवार की भूमिका, उसकी बदलती संरचना और सामाजिक प्रासंगिकता पर विचार करने का अवसर देने वाला वैश्विक परिवार दिवस आज के समय में केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रह गया है, बल्कि वह आधुनिक समाज की सबसे गहरी विडंबनाओं और चुनौतियों को उजागर करने वाला एक चिंतन-दिवस बन गया है। परिवार मानव जीवन की वह मूल इकाई है, जहाँ व्यक्ति का भावनात्मक, नैतिक और सामाजिक निर्माण होता है। भारतीय संदर्भ में परिवार केवल रक्त-संबंधों का समूह नहीं रहा, बल्कि वह संस्कारों की पाठशाला, शांति, सहयोग एवं सौहार्द की प्रयोगभूमि और जीवन-मूल्यों का आधार रहा है। इसी परिवार-परंपरा ने भारत को सदियों तक सामाजिक स्थिरता, अहिंसा, सहिष्णुता और मानवीय करुणा का देश बनाए रखा। आज विडंबना यह है कि जिस भारतीय परिवार व्यवस्था को दुनिया एक आदर्श मॉडल के रूप में देख रही है, उसी भारत में वह धीरे-धीरे उपेक्षा और विस्मृति का शिकार होती जा रही है। वैश्वीकरण, शहरीकरण, प्रतिस्पर्धा और उपभोक्तावादी जीवनशैली ने परिवार को सुविधा-केंद्रित इकाई में बदल दिया है। संयुक्त परिवारों का विघटन, एकल परिवारों का बढ़ना और रिश्तों में औपचारिकता का प्रवेश इस परिवर्तन की स्पष्ट पहचान है। माता-पिता दोनों के कार्यरत होने की स्थिति में बच्चों के साथ समय बिताना एक चुनौती बन गया है। परिणामस्वरूप बचपन, जो कभी परिवार के स्नेह, संवाद और अनुभवों से संवरता था, आज स्क्रीन, अकेलेपन और भावनात्मक रिक्तता के बीच पनप रहा है। बच्चों के जीवन में माता-पिता की अनुपस्थिति केवल समय की कमी नहीं है, बल्कि वह सुरक्षा, संवाद और मार्गदर्शन की कमी भी है। परिवार का वह सहज वातावरण, जहाँ प्रश्न पूछे जा सकते थे, गलतियाँ स्वीकार की जा सकती थीं और भावनाएँ साझा की जा सकती थीं, आज धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। बुजुर्ग, जो कभी परिवार की धुरी हुआ करते थे, अनुभव और संस्कार के संवाहक थे, आज कई घरों में हाशिये पर खड़े दिखाई देते हैं। उनके पास समय नहीं, धैर्य नहीं और कभी-कभी सम्मान भी नहीं बचा। यह स्थिति केवल पीढ़ियों के बीच दूरी नहीं बढ़ा रही, बल्कि समाज को उसके नैतिक आधार से भी वंचित कर रही है।

दूसरी ओर, यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि वैश्विक स्तर पर आज परिवार की भूमिका को नए सिरे से समझा जा रहा है। पश्चिमी देशों में, जहाँ अत्यधिक व्यक्तिगत स्वतंत्रता ने सामाजिक अकेलेपन को जन्म दिया, अब परिवार, साझेदारी और सामूहिक जीवन की पुनर्स्थापना पर गंभीर विमर्श हो रहा है। इसी क्रम में वैश्विक परिवार दिवस को केवल परिवार के रूप में नहीं, बल्कि शांति, सहयोग और साझेदारी के प्रतीक के रूप में भी देखा जाने लगा है। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में इस दिवस को शांति और साझेदारी के वैश्विक दिवस के रूप में भी परिवार और मानवीय संबंधों के महत्व को रेखांकित किया जाता है। यह संकेत देता है कि परिवार केवल निजी जीवन की इकाई नहीं, बल्कि वैश्विक शांति और सामाजिक संतुलन की आधारशिला भी है।

दुनिया भर में संस्कृतियाँ और धर्म अलग-अलग हो सकते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि पूरी मानव जाति एक बड़ा परिवार है जो एकजुट होकर ही जीवित रह सकती है। इस वर्ष वैश्विक परिवार दिवस की थीम 'परिवार, शिक्षा और कल्याणः आज और भविष्य' इस तथ्य की ओर संकेत करती है कि परिवार की भूमिका केवल बच्चों को पालने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह शिक्षा का पहला केंद्र और कल्याण का स्थायी आधार है।

वैश्विक परिवार दिवस की प्रासंगिकता इसी बिंदु पर सबसे अधिक उभरकर सामने आती है कि परिवार केवल रहने की व्यवस्था नहीं, बल्कि जीने की संस्कृति है। परिवार में बिताया गया समय निवेश है, व्यय नहीं। बच्चों के साथ संवाद, बुजुर्गों के साथ सहभागिता और रिश्तों के बीच संवेदनशीलता समाज के दीर्घकालिक स्वास्थ्य की गारंटी है। यदि आज परिवार टूट रहे हैं, तो उसका प्रभाव केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वह सामाजिक असंतुलन, मानसिक तनाव और मूल्यहीनता के रूप में व्यापक रूप से सामने आएगा। इस संदर्भ में आवश्यक है कि हम परिवार को नए दृष्टिकोण से देखें। आधुनिकता और परंपरा के बीच संतुलन स्थापित किया जाए। कार्य और परिवार के बीच प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण हो। डिजिटल सुविधाओं के साथ मानवीय संवाद को भी उतना ही महत्व दिया जाए। बच्चों के लिए समय निकालना दायित्व नहीं, बल्कि भविष्य के समाज में निवेश के रूप में समझा जाए। बुजुर्गों को केवल सहारा नहीं, बल्कि मार्गदर्शक के रूप में पुनः स्वीकार किया जाए।

वैश्विक परिवार दिवस और शांति व साझेदारी का वैश्विक संदेश हमें यह सिखाता है कि परिवार जितना सशक्त होगा, समाज उतना ही शांत और सहयोगी बनेगा। परिवारों में संवाद होगा तो समाज में टकराव कम होंगे। परिवारों में साझेदारी होगी तो राष्ट्रों के बीच भी सहयोग की भावना मजबूत होगी। इसलिए आज आवश्यकता इस बात की है कि भारत अपनी पारिवारिक परंपरा को बोझ नहीं, बल्कि वैश्विक समाधान के रूप में देखे। अंततः वैश्विक परिवार दिवस हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। यदि परिवार सशक्त हुए तो शांति, साझेदारी और मानवीय मूल्यों का भविष्य सुरक्षित रहेगा। भारतीय परिवार परंपरा आज भी प्रासंगिक है, आवश्यक है कि हम उसे समयानुकूल रूप देते हुए अपने जीवन के केंद्र में पुनः स्थापित करें, क्योंकि मजबूत परिवार ही मजबूत समाज और शांत विश्व की आधारशिला होते हैं। प्रेषकः

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Let's resist attempts to weaponise ignorance

IN this terribly toxic, violent and polarised world, it is easy to get carried away by the all-pervading negativity that characterises our times. Yet, as a teacher, I continue to feel that we should not give up, and we must sow the seeds of hope and inspire the new generation to imagine and strive for a better world.I wish to appeal to the teaching fraternity to welcome the new year with a heart-felt prayer: Let the pedagogy of hope alter the dynamics of the classroom, redefine the purpose of education and activate the power of critical thinking, creative imagination, empathy and love.

However, it is important to acknowledge that the despair we see among contemporary students and teachers often manifests itself in the form of some sort of cynical pragmatism.

As the market-driven/instrumental logic of neoliberalism robs education of a higher and nobler purpose, and transforms into a mere technical skill for economic productivity, many youngsters begin to regard social Darwinism or hyper-competitiveness as a new virtue, money as a new God, and egotistic pride as a status symbol.

No flower blooms in their inner world; seldom do they converse with Gandhi and Marx; and they have no 'surplus' time to struggle for equity, ecology, peace and justice. Yes, this sort of pragmatism means the absence of hope for a new world.Likewise, the cult of hyper-nationalism further intensifies this sort of pragmatism among many teachers. As surveillance is normalised, many teachers in our colleges and universities begin to feel that they are being constantly monitored and observed.And possibly, this sort of fear makes them extremely cautious of what they can teach, speak and write. As the colonisation of the academic sphere by the discourse of hyper-nationalism robs education of its libertarian potential, it is not impossible to find a significant section of teachers who prefer to remain silent, or become over-enthusiastic to show their loyalty to the system.It is, therefore, not surprising that these 'pragmatic' teachers fail to arouse a new imagination, or the language of resistance amongst their students.Here is a world tormented by war, authoritarianism and climate emergency. Yet, our colleges and universities refuse to see anything beyond the metrics of 'ranking', and the narratives of 'placements and salary packages'.

Hence, the question arises: What is the pedagogy of hope I am referring to? And is it at all possible? Let it be understood clearly that it is not an empty ideal, or an imaginary utopian act.It's impossible to nurture it without critical pedagogy: the kind of education that encourages the young learner to regain his/her creative agency, and question what damages the possibility of a just, egalitarian, humane and ecologically sensitive world.It is like understanding and theorising rigorously, say, the aggression of hyper-nationalism that causes war, genocide, militancy, terrorism and religious fundamentalism; the greed implicit in the logic of modern technocratic capitalism that reduces everything — be it a tree, a river, a forest or a mountain — into a mere 'resource' for ceaseless 'growth' and 'development', and leads to the horrors of climate emergency; and above all, the unholy alliance of billionaire technocrats and neo-fascists that erodes the spirit of democracy.Moreover, the pedagogy of hope means that education cannot be reduced to a mere technical skill; instead, it is essentially about awakened intelligence, or what Henry Giroux — one of the finest educationists in our times — would have characterised as a transformative tool for nurturing informed and politically aware democratic citizens. This is the only way to resist the weaponisation of ignorance.Apart from critical thinking, the pedagogy of hope needs something more. It needs a mode of learning that arouses every young learner's hidden potential — I mean, the courage to dream of a new world; the willingness to unite knowledge and praxis, thinking and feeling, and science and aesthetics.

AAP on top in rural polls, but no room for complacency

The recent victory is no guarantee of AAP's success in the 2027 Assembly polls.

The ruling party's sweeping victory in the rural body elections has been a foregone conclusion since long, particularly after the 73rd Amendment (1992) gave constitutional status to Panchayati Raj institutions (PRIs) in India.In Punjab, the ruling Aam Aadmi Party (AAP) was the runaway winner in the recent block samiti and zila parishad polls. Opposition parties such as the Congress and the Shiromani Akali Dal (SAD) made their presence felt in areas where local leaders wielded influence.The AAP claimed that the mandate was an endorsement of the good work done by the Bhagwant Mann government since 2022 in rural Punjab and it would help the party retain power in the 2027 Assembly elections. However, the Congress and the SAD accused the AAP of indulging in high-handedness and misusing state machinery to win the elections.The aim of establishing the three-tier Panchayati Raj system was to strengthen the democratic process at the grassroots level. Though the system was implemented in 1959, it did not have full constitutional validity before the 73rd Amendment in 1992.Subsequently, it became a permanent, mandatory part of India's democratic structure and incorporated in Part IX of the Constitution. However, devolution of powers to rural bodies has been mostly conspicuous by its absence, thus making them political tools in the hands of the ruling party.

The first block samiti and zila parishad elections in Punjab were held during the rule of the Beant Singh-led Congress government in 1994. Riding high after having rooted out decade-long terrorism in the state, the ruling party swept the elections. It was the first normal election in Punjab in the post-terrorism period.The 1992 Assembly and parliamentary elections witnessed a very low turnout (23.50 per cent) due to the boycott by major Akali Dal factions and threats from terrorist organisations against people's participation. The SAD, having a rural base, had contested the block samiti and zila parishad elections but failed to make a major impact. Rather, the party had levelled allegations of large-scale malpractices and accused the Congress of throwing all democratic norms to the wind to win those elections. The end result was the Congress' rout in the 1997 Assembly elections — it could win only 14 seats against 87 in 1992. In the Lok Sabha elections in Punjab, the Congress' tally dropped from 12 seats (out of 13) in 1992 to two in 1996; it drew a blank in the 1998 parliamentary elections.

The AAP performed below par in the 2024 parliamentary elections, winning only three seats despite being in power. Its performance in the urban elections was also dismal as it failed to get a clear-cut majority in the majority of the civic bodies. The party was desperate to reassert its dominance. No wonder it went all out to win the rural elections.The party relied on brazen messaging during campaigning in rural areas, with slogans such as "AAP di Sarkar, AAP di Zila Parishad, AAP di Block Samiti — taanki sidha kam AAP de hath". It was a message for the rural masses: vote for us or struggle to get your work done.The ruling party made its intentions clear; in some cases, it was throwback to the SAD-BJP rule (2007-17) when halqa incharges were made extra-constitutional centres of power. The SAD had given them a free hand, which ultimately resulted in the political marginalisation of the party.The outcome only reflects an assertion of power, not the eagerness of the people to endorse the work done by the government. The highhandedness will breed deep resentment among the rural masses. The ruling party may consider this victory as significantly pro-incumbency, but this is no guarantee of success in the Assembly elections.

A close look at these elections lays bare fault lines in state politics, particularly at the grassroots level. The allegations and counter-allegations have become an integral part of Punjab politics, ignoring the core issues and problems faced by the people of the state.

The entry of gangsters and candidates backed by gangsters and their success in some cases have raised disturbing questions about politics in Punjab.

Notably, the Viksit Bharat Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin) (VB G-RAM-G) Act, which has replaced the Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act (MGNREGA) as the flagship Central scheme for wage employment for rural workers, has been opposed by AAP, SAD and the Congress.With a little over a year left for the Assembly elections, the AAP continues to grapple with several issues: deteriorating law and order situation, dissatisfaction among various sections of society, inaccessibility of some elected representatives, the financial crisis and the failure to meet the expectations of the people who had voted wholeheartedly for the party in the 2022 elections.The influence of an unconstitutional power centre based in Delhi is also a matter of concern for the electorate. The unfortunate part of Punjab's story in the post-Green Revolution era is 'growth without development', which is the result of dominance of the rural elite in politics. Political leaders and their parties are largely not keen on strengthening the democratic structure at the grassroots.Factional politics without ideological commitment has also contributed to the degeneration of the political process in the state. The big question is: Whether or when will Punjab move towards a participatory political process?

Congress must rebuild organisational muscle

The alleged assault on a Colonel and his son by Punjab Police officials in March throws up questions on policing methods

IT has been a forgettable year for the Congress on the electoral front — the party suffered a debacle in Delhi as well as Bihar and didn't find many takers for its 'vote chori' allegations. The new year will be even more challenging, with Assembly elections scheduled to be held in Assam, Kerala, Tamil Nadu and West Bengal. No wonder the top brass put on a brave front at the party's 140th foundation day. Leader of the Opposition Rahul Gandhi said the Congress was "not just a political party, but the voice of India's soul that has stood with every weak, deprived and hardworking person"; party chief Mallikarjun Kharge declared that "the Congress is an ideology and ideologies never die."The harsh reality is that the party's existential crisis is worsening by the day. Rumblings of discontent are quite evident. Senior leader Digvijaya Singh caused a flutter on Saturday when he lauded the RSS-BJP's organisational power and shared an old picture of Narendra Modi in a post on X. He also stressed the need to strengthen the Congress at the grassroots level. Shashi Tharoor's measured support for Digvijaya's views suggests that the party cannot afford to compromise on rebuilding organisational muscle.

The Congress has claimed that history, values and ideology remain its core assets. Whether these assets can be converted into electoral gains depends less on rhetoric and more on the party's ability to reform, reorganise and convincingly reconnect with the masses. The BJP, whose juggernaut rolls on, has dubbed the Congress an "army of sycophants" and the "weakest link" in Indian democracy. Such criticism, which is not far off the mark, should spur the grand old party to turn the tide. At 140, the Congress stands at a crossroads; its resurgence holds the key to the Opposition's prospects of combating the BJP.

Aravallis are vital for food security

There is a dire need to protect the hills that serve as a green wall against desertification

IN the 2021 Hollywood satire Don't Look Up, two American astronomers warn the world about a comet racing towards the planet. However, the US President is lured by a billionaire CEO, who claims that the celestial object contains trillions of dollars' worth of rare-earth elements. Eventually, the comet strikes Earth, triggering a global disaster.Had the protagonists flagged the dreadful consequences of the plunder of natural resources — evident from the proposed 100-metre definition of the environmentally sensitive and degraded Aravalli range, known as North India's green lungs — the film would have been titled Don't Look Up, Look Down. This is what Mahatma Gandhi had warned against when he said: "The world has enough for everyone's need, but not enough for everyone's greed."

Several years ago, I visited Bilaspur district in Himachal Pradesh for reporting on limestone quarrying at a site overlooking the Gobind Sagar reservoir in the fragile Himalayas. A cement company was steadily pealing, layer by layer, a limestone-bearing hill. When I asked the company's general manager whether he realised that severe ecological damage would be caused by levelling the hill, his answer reflected the dominant mindset: "What ecological damage are you talking about when the hill will no longer be there?"This does not, however, mean tat all development activities based on the exploitation of natural resources must stop. It only means that excessive mining for major nutrients, for instance, comes with severe environmental consequences, and there is a need for tougher regulations as well as an economic evaluation of ecosystem services. It has social implications for which no measurement formula exists. In such a scenario, even if the policymakers have to err, they need to err on the side of the people and the environment.Similary, when Himalayan glaciers began to melt, there was an effort to build a narrative challenging what were then referred to as highly misguided claims. Thank heavens the world is now awake to the catastrophic consequences of melting glaciers. Going beyond global warming, the world has already entered the global boiling stage. It implies reckless exploitation of hills and forests, which will only push the world towards a climate catastrophe.Stretching across 1,44 lakh sq km in 37 districts of four states — Gujarat, Rajasthan, Haryana and Delhi — the Aravallis have abundant reserves of major minerals like lead, zinc, silver, copper and of course, marble. In addition, the hills are also rich in critical minerals like lithium, nickel, molybdenum, niobium and tin. Just as the US President in Don't Look Up was made to believe that the comet's economic wealth would bring in immense fortune, it is being acknowledged that the minerals present in the Aravallis are essential for the economic development of the country. If that be so, I don't know why massive #SaveAravalli protests are taking place. Don't people understand the economic value of the mineral wealth that needs to be extracted at any cost?Over a billion years old, the Aravallis have served as a green wall against desertification of the northwestern region. These hills are also a repository of rich biodiversity; they play a key role in recharging aquifers and have resisted the march of the desert into Delhi, Haryana and Uttar Pradesh. But a lot of damage has already been done to the wildlife habitats and local livelihoods by human intervention and the development process in the Aravalli belt.

As the desert expands, the country's hard-earned food security is under threat.Parliament was informed in February 2025 that as per the 2021 Desertification and Land Degradation Atlas of India prepared by the Indian Space Research Organisation, deserts are fast creeping into the food bowl. Already, more than 3.64 lakh hectares in Haryana, 1.68 lakh hectares in Punjab and 1.54 lakh hectares in Uttar Pradesh are under land degradation and desertification. If the Aravallis are made to conform to the new definition, land degradation will only hasten. It will open the floodgates for gushing hot winds, frequent dust storms, soaring temperatures; coupled with the depletion of deep aquifers due to exhausting crop farming, this will lead to rapid soil erosion, thereby degrading farming lands.While the debate on the proposed new benchmark for the Aravallis is focused on mining and the environment, the emerging threat to long-term food security is getting sidelined. The United Nations Convention to Combat Desertification has warned that desertification deals a severe blow to soil fertility, turning fertile lands semi-arid. Surely, desertification is too serious an issue to be confined to claims and pledges. Putting a new management plan into action and promises of 'robust protection' are no longer adequate safeguards.

The Aravallis are not just a natural reserve for strategic minerals; they also provide massive ecosystem services. The true economic cost of these ecological and environmental services has not been worked out.

Once this cost is known, the nation will realise the economic necessity of keeping the hills intact, even as the economic cost of extracting minerals is overemphasised.

If national accounting as per the TEEB (The Economics of Ecosystem Services of Biodiversity) norms can ascribe an economic value to the religiously important Mount Kailash and the Dal Lake, a similar cost-benefit analysis must be done for one of the oldest hill ranges in the world.

Gold set for a 50-year best, silver breaks records: Where should money go in 2026

The revised allowances will come into effect from January 1 and apply across multiple categories, including domestic layover, night operations, deadhead travel and a newly introduced tail-swap allowance.

New Delhi.(Agency)

Gold and silver prices have cooled off in the last few days of 2025, but the bigger picture remains unchanged. Both metals are heading towards one of their strongest years on record as 2025 draws to a close.

After months of sharp gains, some investors are locking in profits, leading to short-term weakness in gold and silver. Even so, prices remain far higher than where they began the year.Gold was trading near $4,334 an ounce, down slightly from recent levels. The yellow metal had touched a lifetime high of $4,549 last week.US gold futures for February delivery were also lower at around $4,346 an ounce. The fall came as the US dollar strengthened, which often puts pressure on gold prices because it becomes costlier for buyers using other currencies.

GOLD SET FOR BEST GAINS IN 50 YEARS

Gold has risen about 66% so far in 2025, putting it on course for its strongest yearly performance since the late 1970s. This rally has not been driven by one single factor. Instead, several global developments have come together.

Lower interest rates in the US have made gold more attractive, as it does not pay interest. Expectations that rates will stay low for longer have also helped.Ongoing global conflicts, worries around government debt, and heavy buying by central banks have further supported prices. At the same time, investment demand through exchange-traded funds has picked up steadily through the year.

Minutes from the US Federal Reserve's December meeting showed that the decision to cut rates was not simple and involved long discussions on risks to the economy.The Fed's next meeting is scheduled for January 27 and 28, and markets expect no immediate change in rates. This environment continues to favour gold as a store of value.

SILVER OUTSHINES GOLD WITH RECORD-BREAKING GAINS

Silver has been the standout performer among precious metals in 2025. Prices fell to around $74.41 an ounce in the latest session, after touching a record high of $83.62 earlier in the week. Even after this fall, silver has gained about 157% this year, far more than gold.

This sharp rise has been driven by strong industrial demand and tight supply. Silver is now seen as a critical mineral in the US, which has lifted its importance.

Demand from clean energy, electronics and electric vehicles has remained strong, while supplies have struggled to keep up. Low inventories have added to the pressure, pushing prices higher for much of the year.

PLATINUM AND PALLADIUM ALSO END STRONG YEAR

Other precious metals have also posted impressive gains in 2025. Platinum slipped to about $2,123 an ounce after touching a lifetime high of $2,478 earlier this week.Despite the recent fall, platinum is still up around 135% for the year. Its rise has been supported by tight supply, higher investor interest and policy changes in Europe related to combustion engines.

Palladium was trading near $1,584 an ounce, down on the day but still up roughly 74% for the year.

Sensex opens 227 points higher, Nifty above 26,000; Tata Steel up 3%

New Delhi.(Agency)

Benchmark stock market indices opened higher on the last trading day of 2025, as metal stocks rallied after India imposed a 3-year import tariff of 11–12% on select steel products, a move aimed largely at checking a surge in shipments from China.

The S&P BSE Sensex was up 185.43 points to 84,860.51, while the NSE Nifty50 added 76.75 points to 26,015.60 as of 9:29 am.Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Investments Limited, said that the market has the potential for a directional move upwards but is being weighed down by sustained FII selling and absence of fresh triggers like positive news on the US-India trade front."The coming days are going to be eventful, starting with the auto sales data for December, Q3 corporate results, expectations from the budget and other news relating to global economy like the possible Fed action in 2026," he added.Tata Steel led the gainers, rising 2.13%, followed by Titan Company, which was up 0.97%. Bharat Electronics gained 0.88%, Axis Bank moved higher by 0.76%, and Hindustan Unilever added 0.71%, supporting the index in early trade.

Bajaj Finserv was the biggest laggard, falling 1.06%. Tata Consultancy Services slipped 0.51%, Bajaj Finance declined 0.45%, Tech Mahindra was down 0.45%, and Mahindra and Mahindra lost 0.40%.The Q3 results have to be watched carefully for indications of uptick in earnings. This is significant since there is lot of hope that there will be a rebound in earnings, going forward," said Vijaykumar.

"Earnings growth will be the single most important factor determining the market trend in 2026. The FII flows in 2026, too, will depend on the earnings performance and expectations surrounding that," he added.

Retail rush and SIPs drive Rs 14 lakh crore jump in mutual fund assets in 2025

New Delhi.(Agency)

Mutual fund industry extended its bull run in 2025, adding a staggering Rs 14 lakh crore to its asset base and pushing total AUM to a record Rs 81 lakh crore by November, powered by surge in retail participation and record SIP inflows.

Venkat Chalasani, Chief Executive Officer of AMFI, told PTI that the industry's outlook remains positive, with steady SIP inflows continuing to offset foreign portfolio investor outflows and strengthening market resilience.Going ahead, fund flows are likely to be guided by valuations and global developments, with investors increasingly favouring large-cap, diversified and hybrid strategies, he added.

The year 2025 also witnessed a robust net inflow of Rs 7 lakh crore, along with a sharp increase of 3.36 crore in the investor base, while SIPs alone contributed about Rs 3 lakh crore, according to data from Association of Mutual Funds in India (AMFI).

These inflows lifted the industry's assets under management (AUM) by 21 per cent from Rs 67 lakh crore at the end of 2024 to Rs 81 lakh crore by November-end.While the pace of growth was lower than the 31 per cent rise recorded in 2024 and the 27 per cent increase in 2023, the longer-term trend remains strong. The industry had posted a 7 per cent growth in 2022 and nearly 22 per cent in 2021, and has collectively added Rs 50 lakh crore to its asset base over the last five years.

Long-term policy support key to meeting India's renewable energy goals, say experts

Kolkata.(Agency)

Long-term policy frameworks, particularly for hybrid renewables energy, along with a thrust on adoption of technologies and incentive-driven manufacturing, will help the country meet its renewable energy goals, experts said.Experts also believed decarbonisation will continue to be a priority for the industry.Sharing his views, Piyush Goyal, CEO and Co-founder of Volks Energie, said there are certain areas which are essential not only for meeting

climate commitments, but also for powering India's industrial growth, enhancing energy security, and ensuring affordable electricity for consumers.

"Accelerating grid upgrades and storage adoption must be treated as national priorities as India's future energy mix depends on both. Further, incentivising domestic manufacturing of inverters, batteries, and critical components will reduce import dependencies and build supply-chain resilience," Goyal said.Manish Dabkara, CMD of carbon credits firm EKI Energy Services, said emerging technologies, including green hydrogen, advanced storage chemistries, and smart grid systems have the potential to address intermittency and ramping flexibility challenges."Stable, long-term policy frameworks particularly for hybrid renewables, offshore wind, and green hydrogen will be critical in attracting sustained private and global capital flows," he noted.Gaurav Moda, Partner and Energy Sector Leader, EY-Parthenon India, said that accelerating renewables, efficiency-led decarbonisation, and digital adoption are delivering measurable returns, while renewed momentum in nuclear energy point to a more integrated and commercially grounded phase of the energy transition.

Hindustan copper share price tanks 3%: What's behind the fall

Copper prices have risen sharply this year due to supply disruptions at key global mines and strong demand from sectors such as electrification, renewable energy and artificial intelligence-led infrastructure.

New Delhi.(Agency)

Shares of Hindustan Copper fell nearly 3% in Tuesday's trade as investors chose to book profits after the stock's sharp rise in recent weeks.The fall came even as the broader outlook for copper remains strong, supported by global demand and supply challenges.

Hindustan Copper was trading around Rs 515 in intraday trade after slipping as much as 3.3% during the session but recovered to trade at Rs 529.80 down 0.78% as of 10:20 am.Market participants said the decline was largely driven by year-end profit booking and a mild correction in global copper prices, rather than any company-specific bad news.

WHY DID HINDUSTAN COPPER SHARES FALL TODAY?

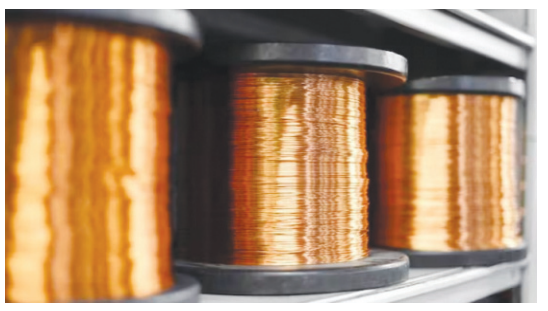

Copper prices eased by more than 1% as traders locked in gains at the end of the year. This had a direct impact on copper-linked stocks, including Hindustan Copper, which has been one of the biggest beneficiaries of the metal's rally in 2025.Copper prices have risen sharply this year due to supply disruptions at key global mines and strong demand from sectors such as electrification, renewable energy and artificial intelligence-led infrastructure.However, after such a strong run, some cooling off was expected in the short term.

Experts tracking the stock said the recent fall looks like a pause rather than a trend reversal, especially given the scale of gains already seen.Despite today's fall, Hindustan Copper has delivered very strong returns across time frames. The stock has gained more than 26% in the last five trading sessions. Over the past one month, it is up around 56%.

Looking at a longer period, the share price has jumped nearly 89.49% in the last six months. On a yearly basis, the stock has risen about 113.71%, making it one of the top performers among metal stocks.This sharp rise is one of the key reasons why investors may be choosing to lock in profits, especially as the calendar year comes to an end.

Swiggy, Zomato, other gig delivery workers on New Year's Eve strike: Key demands

New Delhi.(Agency)

Last-minute party needs, food orders and grocery runs through online platforms on New Year's Eve may face disruptions across India as gig and delivery workers prepare for a nationwide strike on December 31.With New Year's Eve being one of the busiest days of the year for online orders, the protest could affect food delivery, quick commerce and e-commerce services in several cities.Workers associated with platforms such as Zomato, Swiggy, Blinkit, Zepto, Amazon and Flipkart are expected to take part in the strike. Unions say the action could hurt retailers and platforms that depend heavily on last-mile delivery to meet year-end sales targets.The strike has been called by the Telangana Gig and Platform Workers Union and the Indian Federation of App-Based Transport Workers, with support from regional worker groups in Maharashtra, Karnataka, Delhi-NCR, West Bengal and parts of Tamil Nadu.

WHY ARE GIG WORKERS PROTESTING?

According to the unions, delivery partners who form the backbone of India's app-based commerce system are being pushed to work longer hours even as their earnings fall.They allege that workers face unsafe delivery targets, limited job security, lack of dignity at work and almost no access to basic social protection.In a letter sent to Union Labour Minister Mansukh Mandaviya, IFAT said it represents around 4,00,000 app-based transport and delivery workers across the country.

The federation said workers had already held a nationwide flash strike on December 25, which led to a 50–60% disruption in services in several cities.The protest, according to the union, was aimed at drawing attention to unsafe delivery models, falling incomes, arbitrary ID blocking and the absence of social security.The federation also claimed that platform companies did not engage with workers after the December 25 protest. Instead, it alleged that companies responded with threats, account deactivations and algorithm-based penalties. The letter further accused platforms of using third-party agencies to weaken the strike.With the December 31 strike, customers may face delays and cancellations as delivery executives log off the apps or sharply reduce their workload.The disruptions are expected to hit food orders, grocery deliveries and last-minute shopping in major cities such as Pune, Bengaluru, Delhi, Hyderabad and Kolkata, along with several tier-2 markets.In its letter, IFAT urged the government to regulate platform companies under labour laws and ban unsafe delivery models, including extreme fast-delivery timelines.

From Reliance Jio, PhonePe to Zepto: 5 key IPOs to watch in 2026

New Delhi.(Agency)

After a strong run in 2025, India's primary market is entering 2026 with high expectations. Several large and well-known companies are preparing to tap the stock market, and 2026 is shaping up to be an exciting year for investors. Many of these firms have been waiting for the right market conditions, and the current mood appears favourable.From digital giants to new-age startups, the upcoming IPO list reflects growing confidence among Indian companies and sustained interest from investors.Reliance Jio Platforms is expected to be the biggest attraction in the 2026 IPO calendar. Valued at around Rs 11–12 lakh crore, its public listing could be one of the largest ever seen on Dalal Street. The telecom and digital services major is reportedly preparing its draft papers and may look to launch the IPO in the first half of the year, subject to approvals.A Jio listing is likely to draw strong interest from both domestic and global investors, given its dominant position in telecom and its expanding digital ecosystem.

Flipkart

Flipkart, backed by US retail giant Walmart, is also expected to enter the public markets in 2026. Reports suggest the e-commerce firm is aiming for a valuation in the range of $60 billion to $70 billion. This would place it among the biggest technology IPOs in India.In preparation for the listing, the Flipkart Group has narrowed its losses in the 2024–25 financial year, signalling a stronger focus on profitability and operational efficiency.

OYO

Hospitality platform OYO has taken another step towards going public. Shareholders of its parent company have approved plans to raise up to Rs 6,650 crore through a fresh issue of equity shares as part of the proposed IPO.While the exact launch date is yet to be announced, the listing will depend on regulatory clearance from Sebi and overall market conditions. Investors will be closely watching how OYO positions its business ahead of the offering.

PhonePe

Digital payments firm PhonePe is also preparing for an IPO in 2026. The company is expected to raise around $1.2 billion to $1.5 billion through a mix of fresh shares and an offer for sale by existing investors.Reports indicate that PhonePe could be valued at close to $15 billion at the time of listing. With its strong presence in India's digital payments space, the IPO is likely to attract wide attention.

Zepto

Bengaluru-based quick commerce startup Zepto is another name to watch. Known for its 10-minute grocery delivery service.

How India overtook China to become the world's top rice producer

India has emerged as the world's largest rice producer, but closing the yield gap and managing water stress will decide whether this production surge becomes a lasting advantage.

New Delhi.(Agency)

IIndia has shattered China's dominance that had continued for years in the field of rice. By overtaking China, India has reached number one in the world in terms of rice production.The country's share in total global rice production has crossed more than 28%. The United States Department of Agriculture (USDA) has also acknowledged India's achievement.

In its December 2025 report, the USDA said India's rice production has reached 152 million metric tonnes, while China's output stands at 146 million metric tonnes.This record will require a revision of long-held assumptions that China is the world's largest rice-producing country.

An interesting aspect of India's success is the significant contribution made by Taiwan. Relations between China and Taiwan remain extremely tense.

Rice has been grown and consumed in India since ancient times. Whenever the origin of rice is discussed, India's name is often mentioned first. There are about 123,000 varieties of rice in the world, of which nearly 60,000 are found in India.

This highlights India's richness in rice diversity. However, in terms of production, India had lagged far behind China for a long time.This is the first time India has overtaken China in rice production.Dr Sudhanshu Singh, Director of the South Asia Regional Centre at the International Rice Institute, says that India's emergence as the world's largest rice producer is a major achievement. Indian rice is exported to 172 countries, and rice has also become an important tool of India's foreign policy.

EARNINGS FROM RICE

In 2024–25, India exported agricultural produce worth a record Rs 450,840 crore, with rice accounting for the largest share of about 24%.

By exporting basmati and non-basmati rice, India earned foreign exchange worth Rs 105,720 crore in a single year.This underlines the importance of rice to the Indian economy.

TAIWAN'S CONTRIBUTION

At the time of Independence, India produced only 20.58 million metric

tonnes of rice annually. By 2025, this figure had risen to 152 million metric tonnes.This record in rice production is undoubtedly the result of the hard work of farmers and scientists. However, Taiwan also played a significant role in India's success in rice cultivation, which merits special mention.In the 1960s, India was struggling with a shortage of food grains. At the time, cultivation was limited to traditional long-stem rice varieties, with yields of only about 800 kg per hectare.

By then, urea had been introduced as a chemical fertiliser. While the use of fertiliser and additional water could increase output, this required dwarf and strong-stem varieties, which India did not have.Indian varieties tended to lodge when fertiliser and water were used, as their long stems caused the crop to fall over. This led to the need for dwarf varieties to increase production and address food shortages.

Taiwan stepped in to meet this requirement by providing its dwarf rice variety, Taichung Native-1 (TN1). This transformed Indian agriculture. Taichung Native-1 played a key role in the Green Revolution and is considered the world's first semi-dwarf rice variety.

IR-8 CHANGED THE WORLD

Another dwarf rice variety, IR-8, was introduced in India in 1968 by the International Rice Research Institute. This triggered a rapid increase in production. Because of its revolutionary productivity, IR-8 came to be known as "Miracle Rice".

"No One Tried To Save Him": Uproar Over Tripura Man's Murder In Uttarakhand

➢The cops were also criticised by the Chakma Students Union, which represents the community, and for which Bipul Chakma said he had been hassled by an initially reluctant-to-act police.

New Delhi .(Agency)

The uncle of Anjel Chakma, the Tripura MBA student murdered in Uttarakhand after he objected to locals using racial slurs – including calling his brother Michael and him 'Chinese momo' – has hit back at the state police force for claiming the horrid remarks were made in "jest".Momen Chakma told Thursday morning, "When they went to the market to buy some things, some people, who were already drunk, made some comments, like calling them Chinese. And when Michael told them not to say such things, they attacked him.""Then Angel went to protect him, and they started beating and stabbing him… no one tried to save them. Uttarakhand Police said this is not racism, but it is indeed a case of racism."

The cops were also criticised by the Chakma Students Union, which represents the community, and for which Bipul Chakma said he had been hassled by an initially reluctant-to-act police.The young man's father, Tarun Chakma, a Border Security Force soldier stationed in Manipur, made the same allegation; he said police in Dehradun's Selakui area initially refused to register his complaint.

The FIR was filed only 48 hours later, under pressure from the students union.On Monday Ajai Singh, Senior Superintendent of Police (Dehradun), said the remarks Chakma objected to, and over which he was murdered, "does not fall into the category of a racist comment because a young man involved in the incident is also a resident of the same state".

The derogatory remarks were made in "jest", Singh declared.On Tuesday he told Padmaja Joshi, "When I was asked on Day 1, I gave my version according to the evidence I got... (now) these things have been raised, we will investigate it…"Asked specifically about the allegations about the word 'Chinese' being used, he said it is possible it had been used in 'jest' by the attackers which was misunderstood by the victims.Under pressure from the Chakma community and civil society activists, Singh also announced the formation of a special team to probe the killing. Five people have been arrested so far.A sixth, believed to be of Nepali origin, is on the run.

The killing of Chakma has also spiralled into a political firestorm for the ruling Bharatiya Janata Party, with the Congress ripping into it; Congress leader Shama Mohamed red-flagged violence against minority communities and question Prime Minister Narendra Modi's silence.Speaking to ANI, Mohamed said, "Such an incident can happen with anyone. I saw a video in which Hindu men said they would kill all Muslims. Why is our PM silent? The Supreme Court should take suo motto cognisance... There is a complete breakdown of law and order..."

IndiGo Faces Rs 458 Crore GST Penalty, Airline Set To Contest Ruling

New Delhi .(Agency)

The country's largest airline IndiGo on Tuesday said authorities have slapped a GST penalty of over Rs 458 crore, and that it would contest the decision.

The Additional Commissioner of CGST- Delhi South Commissionerate has slapped the penalty. It pertains to the assessment order under Section 74 of the Central Goods and Services Tax Act, 2017, for FY-2018-19 to FY 2022-23, according to a regulatory filing.The total GST penalty is Rs 458,26,16,980."GST department has passed an order imposing GST demand along with interest and penalty on compensation received from foreign supplier and denial of Input Tax credit. The company strongly believes that the order passed by the GST department is erroneous and not in accordance with law, backed by advice from external tax advisors."Accordingly, the company will contest the same and shall take appropriate legal remedies against the aforesaid order. The company is already in appeal before the Commissioner (Appeals) in a similar matter for FY 2017-18," the filing said on Tuesday.

Further, IndiGo said that since it will contest the order, the order does not have any significant impact on financials, operations or other activities of the company.Separately, the Office of the Joint Commissioner, Lucknow, has imposed a penalty of Rs 14,59,527 on IndiGo for the period 2021-22. "The department has denied input tax credit availed and has raised a demand along with interest and penalty on the company. The company believes that the order passed by the authorities is erroneous. Further, the company believes that it has a strong case on merits, backed by advice from external tax advisors," InterGlobe Aviation, the parent of IndiGo, said in another regulatory filing.

According to the company, it will contest the order before the appropriate authority, and there is no significant impact on its financials, operations or other activities.

Capital catalogue: Scandals & celebrities land up in city courts

New Delhi .(Agency)

The biggest news that came out of the courts was not of a verdict. A large stash of cash was discovered at the residence of Delhi High Court judge Justice Yashwant Varma during a fire incident on March 14, making national headlines.

According to officials, close to Rs 15 crore was found during the firefighting operation. Following the incident, the Supreme Court repatriated Justice Varma to the Allahabad High Court and ordered an enquiry into the matter. An impeachment motion, too, was moved against him.The year saw several high-profile cases. Be it the dispute over actor Karisma Kapoor's late husband Sunjay Kapur's property or a petition seeking cancellation of the CBFC certificate of the film 'Udaipur Files: Kanhaiya Lal Tailor Murder', the front pages of the national dailies created quite a buzz. On August 7, the HC, however, refused to stay the release of the film.

The Delhi High Court remained busy dealing with personality rights of multiple public figures, including Deputy Chief Minister of Andhra Pradesh Pawan Kalyan, cricketer Sunil Gavaskar and 'The Art of Living' foundation founder Sri Sri Ravi Shankar. Salman Khan, Nagarjuna, NTR Junior, Aishwarya Rai Bachchan, Abhishek Bachchan, Ajay Devgn, R Madhavan and Karan Johar also followed suit. An injunction was also granted to protect Hrithik Roshan's personality and publicity rights.

A trial court became the centre of national attention after the ED filed a chargesheet against Congress leaders Sonia and Rahul Gandhi in connection with the alleged National Herald scam.

The trial court also gathered media attention in two cases — IRCTC corruption case and land-for-jobs scam case — filed against RJD chief Lalu Prasad and his family members. HC reserved judgement in the land-for-jobs case.

Debate on pollution crisis to raise heat in winter session

New Delhi .(Agency)

The Delhi Legislative Assembly will re-convene on January 5, with the four-day winter session focussing on the pollution crisis in the national capital and scrutiny of three CAG reports, Art, Culture and Tourism Minister Kapil Mishra said on Tuesday.The minister said the government will table a proposal on pollution and table three CAG reports ' one each on corruption in 'Sheeshmahal,' the functioning of the Delhi Jal Board (DJB), and Delhi government-run universities.

The term 'Sheeshmahal' was coined by the BJP to point out the alleged opulence of the 6, Flagstaff Road residence of the ex-Delhi chief minister Arvind Kejriwal."There is a very detailed report on the functioning of DJB till the year 2022, it has all the details of all the irregularities which caused the sewage system of the city to collapse," Mishra said at a press conference. "The CAG report on the irregularities in the functioning of universities governed by the Delhi government will be tabled, and all the corruption which occurred in the functioning of universities till 2023 will be exposed in the upcoming session," he added.

Mishra said the Assembly would examine the root causes of the perennial problem of pollution and assess past measures. "We will discuss what the previous government had done to curb the pollution. Further, we will also discuss the affidavits which were submitted in the Supreme Court and what their current status is in regards to mitigate pollution," he said. Mishra also sought the opposition's feedback on battling the city's air pollution. The minister also said that the recent suspension of a registrar and tehsildar by the Delhi government reaffirms its stance of zero tolerance for corruption.

"The days of corruption are over. The previous government is not in power anymore. This is a new government, and we will not tolerate any official indulging in corruption," Mishra said. Meanwhile, Delhi BJP spokesperson Praveen Shankar Kapoor said that the AAP leaders should stop spreading false propaganda and play the role of a constructive opposition.He said, "Otherwise, AAP will soon be wiped out from Delhi's political landscape." "The Arvind Kejriwal government had left behind a stalled Delhi, but the BJP-led government under Rekha Gupta has put Delhi back on the path of development within just 10 months. Except for the air pollution problem inherited from the Kejriwal government, the achievements and transformation brought by the BJP government are clearly visible in all other sectors," he added.

Mumbai Restaurant Fined Rs 50,000 For Mandatory Service Charge

New Delhi .(Agency)

The Central Consumer Protection Authority (CCPA) has imposed a fine of Rs 50,000 on China Gate Restaurant Private Limited, which operates the Bora Bora restaurant chain in Mumbai, for illegally levying mandatory service charges on customers.In an order dated December 29, the Central Consumer Protection Authority said the restaurant was adding a 10 per cent service charge by default to customers' bills and was also charging GST on that amount.This was done despite clear guidelines stating that service charges are voluntary and cannot be added automatically.

The action followed a complaint filed by a Mumbai consumer through the National Consumer Helpline.The complainant alleged that the Bora Bora restaurant refused to remove the service charge from the bill and even misbehaved when the issue was raised.The CCPA noted that the Delhi High Court, in its March 28, 2025 ruling in the case of National Restaurant Association of India versus Union of India, had clearly upheld the authority's guidelines and ruled that mandatory service charges are illegal.

Despite this clear direction, the restaurant continued to levy service charges by default through its billing system.A detailed investigation by the CCPA's director general (investigation) found that service charges were automatically added to all bills between March 28 and April 30, 2025.This showed that the charge was not optional but imposed on all customers. The investigation also found that the restaurant failed to resolve the consumer's complaint despite receiving multiple notices, charged GST on the service charge in violation of the guidelines, and had a non-functional email address, which restricted consumers from accessing grievance redressal mechanisms.

While the restaurant claimed that the service charge was discretionary and said it had stopped the practice after becoming aware of the court ruling, the CCPA said it failed to provide any proof showing compliance during the relevant period.The authority also observed that the refund to the complainant was processed only after regulatory intervention.

Debate on pollution crisis to raise heat in winter session

New Delhi .(Agency)

The Delhi Legislative Assembly will re-convene on January 5, with the four-day winter session focussing on the pollution crisis in the national capital and scrutiny of three CAG reports, Art, Culture and Tourism Minister Kapil Mishra said on Tuesday.The minister said the government will table a proposal on pollution and table three CAG reports ' one each on corruption in 'Sheeshmahal,' the functioning of the Delhi Jal Board (DJB), and Delhi government-run universities.

The term 'Sheeshmahal' was coined by the BJP to point out the alleged opulence of the 6, Flagstaff Road residence of the ex-Delhi chief minister Arvind Kejriwal."There is a very detailed report on the functioning of DJB till the year 2022, it has all the details of all the irregularities which caused the sewage system of the city to collapse," Mishra said at a press conference. "The CAG report on the irregularities in the functioning of universities governed by the Delhi government will be tabled, and all the corruption which occurred in the functioning of universities till 2023 will be exposed in the upcoming session," he added.

Mishra said the Assembly would examine the root causes of the perennial problem of pollution and assess past measures. "We will discuss what the previous government had done to curb the pollution. Further, we will also discuss the affidavits which were submitted in the Supreme Court and what their current status is in regards to mitigate pollution," he said.

Mishra also sought the opposition's feedback on battling the city's air pollution. The minister also said that the recent suspension of a registrar and tehsildar by the Delhi government reaffirms its stance of zero tolerance for corruption."The days of corruption are over. The previous government is not in power anymore. This is a new government, and we will not tolerate any official indulging in corruption," Mishra said. Meanwhile, Delhi BJP spokesperson Praveen Shankar Kapoor said that the AAP leaders should stop spreading false propaganda and play the role of a constructive opposition.

Government lifts the city, literally, with elevated corridors

New Delhi .(Agency)

As an ever-evolving city, the capital requires infrastructure updates, and a significant part of the state budget has been set aside for roads, bridges, sewage and water systems, drainage, and other public works.In a push to strengthen South Delhi's infrastructure, the Expenditure Finance Committee cleared three long-pending and critical projects — the Modi Mill Flyover, Savitri Cinema Flyover, and the MB Road Storm Water Drain project. The projects will be executed by the Public Works Department (PWD) with a combined investment of over Rs 759 crore.

In 2025–26, the department secured substantial funding of around Rs 803 crore from the Central Road and Infrastructure Fund to upgrade over 140 road and flyover projects. These upgrades include widening, rehabilitation, resurfacing, and strengthening of key arterial thoroughfares such as Kashmiri Gate–Wazirabad Road, Vikas Marg (ITO to D-93), and Ferozeshah Road, as well as flyovers and connectors in Shahdara and East Delhi.

A significant infrastructure push is the Sonia Vihar elevated corridor—a 5.5-6 km elevated road along Pushta Road in North East Delhi designed to decongest, and improve connectivity towards the Uttar Pradesh border.The PWD also initiated a large-scale 55-km redevelopment plan for the Mahatma Gandhi Ring Road corridor, aimed at decongesting major junctions with phased improvements, grade separators, and smarter traffic design.

The PWD has been working on extensive repair and resurfacing of approximately 500 km of damaged roads across Delhi by March 2026.The Delhi Master Plan 2041 is also in the works, to guide major infrastructure decisions and help shape the city's future. The PWD is being reorganised to have its own dedicated engineering cadre, to hire and manage engineers independently.A new drainage master plan was launched with a huge investment to tackle chronic waterlogging problems and ensure water runs off streets quickly during rains.Work has begun on desilting 22 major drains, which will help reduce pollution flowing into rivers.

New in the New Year: Noida looks at Jewar airport opening, real estate, infra boost in 2026

New Delhi .(Agency)

As 2025 draws to a close, Noida is set for one of its largest infrastructure expansions in recent years, fueled by the opening of the long-awaited Noida International Airport at Jewar. The airport has sparked a series of development projects along the Yamuna Expressway corridor.Speaking to The Indian Express, Shailendra Kumar Bhatia, Nodal Officer of the airport project, said, "Development of Noida International Airport is complete and the process of issuing the aerodrome license is underway." While initially, the airport will open with one runway and an annual passenger capacity of around 1.2 crore, in the long-term, it is set to be spread over 11,750 acres, featuring five runways, and handling up to 30 crore passengers annually – making it one of the biggest airports globally.

Currently, agricultural fields and village settlements surround the airport, though the approach from Noida and Greater Noida shows increasing real estate activity. Work on projects like the extension of Regional Rapid Transit System rail links to Delhi and the airport, is also slated to begin next year.

The Yamuna Expressway Industrial Development Authority (YEIDA) is focusing on developing the area around the airport into a large manufacturing hub as an extension of Noida, particularly targeting industries.

Several industrial units have received approval to start work, including Pine Valley Venture Pvt Ltd for readymade garments, Deki Electronics for passive electronic components, Neenjas Electricity Pvt Ltd for electric vehicle chargers and LED panels, Escort Kubota for tractor manufacturing, Minda Corporation for wiring harnesses, as well as solar power players like SAEL Solar P6 and Amber Enterprises India.Electronics and semiconductor manufacturers like Aditech Semiconductors, Dixon Technologies, and Ascent K Circuit are also set to start operations near the airport. The Electric Vehicles Manufacturers Welfare Trust is focused on electric vehicles and components, and Havells India is bringing consumer goods manufacturing to the area. According to YEIDA officials, these projects are expected to be completed in 2026.

While basic amenities in Jewar are still limited, they are set to improve: a 100-bed trauma centre and multi-speciality hospital is under construction near the airport.On the real estate front, 2026 is set to see significant progress after 2025 was marked by stalled projects and insolvency issues. Real estate lawyer Chaitanyashil Priyadarshi of Mimansa Law Offices said, "This year was not good when it came to real estate project handovers in Noida as most were stuck in insolvency. But for 2026, there is an exhaustive list of projects that are close to completion… Many of the pending projects are gradually being executed now and insolvency is also reaching.

NEWS BOX

Tatiana Schlossbery, granddaughter of ex-US President John F Kennedy, passes away at 35 due to myeloid leukaemia

WORLD. (Agency)

Tatiana Schlossbery, a climate journalist and granddaughter of former US President John F Kennedy, passed away at 35.Tatiana was diagnosed with acute myeloid leukaemia in 2024, after her second child was born. She underwent chemotherapy and bone marrow transplant treatments following the diagnosis.Tatiana is well-known for her book "Inconspicuous Consumption: The Environmental Impact You Don't Know You Have", released in 2019.

The book explores the climate crisis and its solutions. It also empowers readers to make informed choices as consumers in relation to the well-being of the environment.She had also written pieces concerning climate change in the New York Times.

A social media post by her family, shared by the John F Kennedy Library Foundation, reads, "Our beautiful Tatiana passed away this morning (December 30). She will always be in our hearts."Notably, Tatiana lost her grandfather, President Kennedy, to an assassination in 1963, and her uncle, John F Kennedy Jr, to a plane crash in 1999.

CIA behind strike at Venezuelan dock that Trump claims was used by drug smugglers, say sources

WASHINGTON . (Agency)

The CIA was behind a drone strike last week at a docking area believed to have been used by Venezuelan drug cartels, according to two people familiar with details of the operation who requested anonymity to discuss the classified matter.

The first known direct operation on Venezuelan soil since the US began strikes in September marks a significant escalation in the administration's months-long pressure campaign on Venezuelan President Nicolás Maduro's government. The strike has not been acknowledged by Venezuelan officials.

US President Donald Trump first made reference to the operation in an interview Friday with John Catsimatidis on WABC radio in New York, saying the US had knocked out some type of "big facility where ships come from."In an exchange with reporters Monday as he hosted Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu at his Mar-a-Lago resort, Trump added that the operation targeted a "dock area where they load the boats up with drugs." But the president declined to comment when asked whether the attack was conducted by the military or the CIA.The CIA and White House officials also declined to offer further comment on the matter. Col. Allie Weiskopf, a spokesperson for Special Operations Command, which oversees US operations in the Caribbean, said in a statement that "Special Operations did not support this operation to include intel support."

Thieves drill into German bank vault, make off with about 30mn euros in cash, valuables

BERLIN. (Agency)

Robbers used a large drill to break into a German savings bank's vault room and steal cash, gold and jewelry worth some 30 million euros ($35 million), police said Tuesday.The heist in the western city of Gelsenkirchen saw the thieves break into more than 3,000 safe deposit boxes, they said.

While the criminals remained at large, hundreds of distressed bank customers massed outside the branch on Tuesday demanding information, but were kept at bay by police.According to police, the robbers drilled their way into the underground vault room of the Sparkasse savings bank from a parking garage.

Investigators suspect the gang spent much of the weekend inside, breaking open the deposit boxes.

The break-in came to light after a fire alarm was triggered in the early hours of Monday and emergency services discovered the hole.

Witnesses reported seeing several men carrying large bags in the stairwell of the parking garage during the night from Saturday to Sunday.Footage from security cameras has also shown a black Audi RS 6 leaving the parking garage early Monday morning, with masked persons inside.The car's license plate had been stolen earlier in the city of Hanover, police said.

A police spokesman told AFP that the break-in was "indeed very professionally executed", likening it to the heist movie "Ocean's Eleven".

Taiwan coastguard says Chinese ships 'withdrawing' after drills

Taipei, which slammed the two-day war games as "highly provocative and reckless," said the manoeuvre failed to impose a blockade on the island.

TAIPEI . (Agency)

Chinese warships and coastguard vessels are withdrawing from waters around Taiwan, the island's coastguard said on Wednesday, with Beijing's military drills appearing to be "over."China launched missiles and deployed dozens of fighter jets, navy ships and coastguard vessels around the island on Monday and Tuesday in live-fire drills aimed at simulating a blockade of the Taiwan's key ports and assaults on maritime targets.Taipei, which slammed the two-day war games as "highly provocative and reckless," said the manoeuvre failed to impose a blockade on the island.Communist China has never ruled democratic Taiwan, but Beijing claims the island of 23 million people is part of its territory and has threatened to use force to annex it."The warships and coastguard vessels are withdrawing, but a few are still lingering outside the 24-nautical-mile line," Hsieh Ching-chin, deputy director-general of Taiwan's coastguard, told AFP, indicating the "drills should be over."Taiwan's coastguard has maintained a deployment of 11 ships at sea because China Coast Guard vessels "haven't completely left the area yet" and "we can't let our guard down," he said.

Beijing has not yet publicly declared the drills to be finished.Taiwan's President Lai Ching-te warned on Wednesday that Chinese drills targeting the island "are not an isolated incident" and pose "significant risks" to the region.

"China's authoritarian expansion and escalating coercion pose significant risks to regional stability and also impact global shipping, trade and peace," Lai said at a promotion and rank conferment ceremony for military officers in Taipei.China's show

of force follows a bumper round of arms sales to Taipei by the United States, Taiwan's main security backer, and comments from Japan's prime minister that the use of force against Taiwan could warrant a military response from Tokyo.

There has been a chorus of international criticism of China's drills.Japan said Wednesday that China's military exercises "increase tensions" across the Taiwan Strait, and that it had expressed its "concerns" to Beijing.Australia's foreign ministry also condemned on Wednesday China's "destabilising" military drills around Taiwan, saying it had raised concerns with Beijing counterparts.Beijing slammed criticism of its exercises as "irresponsible.""These countries and institutions are turning a blind eye to the separatist forces in Taiwan attempting to achieve independence through military means," foreign ministry spokesman Lin Jian told a news briefing Wednesday."Yet, they are making irresponsible criticisms of China's necessary and just actions to defend its national sovereignty and territorial integrity, distorting facts and confusing right and wrong, which is utterly hypocritical.

Envoys of Quad countries hold rare publicised meeting at US Embassy in Beijing

PARAMARIBO. (Agency)

BEIJING: Ambassadors of the Quad nations, consisting of the US, India, Australia and Japan, held a rare publicised meeting in Beijing. The meeting took place on Tuesday at the US Embassy in Beijing, according to the post on X with a photo by the American Ambassador to China, David Perdue."The Quadrilateral Security Dialogue (Quad) is a force for good in maintaining a free and open Indo-Pacific region," Perdue said in his post."It is a pleasure to meet with the ambassadors of the Quadrilateral Security Dialogue countries in Beijing. The relations among the four countries — the United States, Australia, India, and Japan — continue to be stable and strong," he said and posted a photo of the four envoys, including Indian Ambassador to Beijing Pradeep Kumar Rawat.The Indian Embassy

here has not yet commented on the meeting.China, over the years, has been a strong critic of the Quad and has not yet reacted to the meeting. Beijing, in the past while reacting to the Quad meetings, stated that it is opposed to countries forming cliques, engaging in group politics and bloc confrontation.

In her reaction to the Foreign Ministers meeting of the Quad countries held in January this year, Chinese Foreign Ministry spokesperson Mao Ning said China has always advocated that cooperation among countries should not target third parties. "China believes that cooperation between countries should not target any third party," she said.

"Engaging in group politics and bloc confrontation will not bring lasting peace and security, and is not conducive to peace and stability in the Asia-Pacific and the world as a whole," she said.

A forgotten chapter: The stories of Allied POWs in Nagasaki during the atomic bombing

NAGASAKI . (Agency)

Hundreds of prisoners of war from Allied countries were held at brutal Japanese camps in Nagasaki when the United States dropped an atomic bomb 80 years ago.

Their presence during the Aug. 9, 1945, bombing is little known, and family and researchers have been collecting and publishing testimonies to tell the stories of these often unrecognized victims.In September, dozens of relatives of Dutch POWs and descendants of Japanese bombing survivors came together to commemorate both those who were abused at the camps and the tens of thousands of Japanese who were killed that day.The dead included at least eight captives at one of the Nagasaki camps.

Descendants and survivors reckon with a painful past

Andre Schram, who represented the Dutch families at the Nagasaki memorial, unveiled in 2015, is the son of a sailor who was among nearly 1,500 POWs held at the Fukuoka No. 2 Branch Camp for three years and forced to work at the Kawanami shipyard.

Many of the prisoners were Dutch service members captured by the Japanese in Indonesia, transported to Nagasaki on so-called "hell ships," kept at two major camps -- No. 2 and No. 14 — and used as slave labor.

About 150,000 Allied prisoners were held in dozens of camps across Asia during the war, including 36,000 sent to Japan to make up for labor shortage as Japanese men were drafted and deployed to battlefields across Asia, according to the POW Research Network Japan.

There were also prisoners from the United States, Britain and Australia in Nagasaki. None died from the atomic blast at the No. 2 Camp, but more than 70 earlier died of malnutrition, overwork and illness.

Andre Schram's father, Johan Willem Schram, returned to the Netherlands four months after the war ended, but only near the end of his life did he tell his son about being treated like a slave. Japanese officials have apologized multiple times for wartime atrocities, "but Johan, like many other victims, had doubts about their sincerity," his son said.He felt Japan and the Netherlands treated him and other prisoners of war with disrespect. He never wanted anything to do with Japan again," Andre Schram wrote in "Johan's Story," a booklet about the Netherlands' colonial rule of the Dutch East Indies, the war with Japan and the aftermath, based on his research after his father died in 1993.Peter Klok said his father, Leendert Klok, also a Dutch POW at the camp, told him that Japanese civilians at the shipyard were friendly and helped him find parts to repair his watch. Military police later beat him for seeking help. Klok called the atomic bombings of Hiroshima and Nagasaki awful, but said Japan must reflect on its atrocities.

Mali and Burkina Faso impose retaliatory travel ban on US nationals

The White House noted persistent attacks by armed groups as one of the reasons for the travel ban. Mali and Burkina Faso have struggled to contain armed groups that have spread rapidly in both countries.

DHAKA . (Agency)

Mali and Burkina Faso said late Tuesday they would ban US citizens from entering their countries in retaliation for US President Donald Trump's decision to ban Malian and Burkinabe citizens from entering the United States.The announcements, made in separate statements by the foreign ministers of the two West African countries, marked the latest twist in the frosty relationship between West African military governments and the US.On Dec. 16, Trump expanded earlier travel restrictions to 20 more countries, including Mali, Burkina Faso and Niger, which are run by

juntas and have formed a breakaway association from the regional bloc, the Economic Community of West African States."In accordance with the principle of reciprocity, the Ministry of Foreign Affairs and International Cooperation informs the national and international community that, with immediate effect, the Government of the Republic of Mali will apply the same conditions and requirements to US nationals as those imposed on Malian citizens," the Malian Ministry of Foreign Affairs said in a statement.Another statement signed by Burkina Faso's Minister of Foreign Affairs Karamoko Jean-Marie Traoré cited similar reasons for the ban on American nationals entering Burkina Faso.The White House noted persistent attacks by armed groups as one of the reasons for the travel ban. Mali and Burkina Faso have struggled to contain armed groups that have spread rapidly in both countries.The juntas vowed to fight the armed groups after deposing civilian governments over the insecurity that has.

Zohran Mamdani is set to be sworn in as mayor as NYC rings in the New Year

Mamdani will take his initial oath at the former City Hall subway station in Manhattan. On Thursday afternoon, he will be sworn in again, this time by Bernie Sanders on the steps of City Hall.

NEW YORK .**(Agency)**

Zohran Mamdani will become mayor of New York City as the clock ticks over into 2026 — but the celebrations are set to last through New Year's Day.The Democrat's team is planning two separate swearing-in ceremonies Thursday — a small, private one with his family in an old subway station around midnight, followed by a large event in the afternoon that will include a public block party outside City Hall.As a new mayor's term begins immediately with the new year, it has been customary for the city's incoming leaders to hold two events. Outgoing mayor Eric Adams held his initial swearing-in at Times Square shortly after the famous ball drop, while Adams' predecessor, Bill de Blasio, took his first oath at home in Brooklyn.

For his part, Mamdani will take his initial oath at the former City Hall subway station in Manhattan — one of the city's original stops on its subterranean transit system, known for its tiled arches and vaulted ceilings.New York Attorney General Letitia James, a political ally and notable foe of US President Donald Trump, will administer the oath of office.

The old City Hall stop was designed as the flagship station of the city's first subway line, but was decommissioned in 1945. These days, outside of occasional guided historical tours, locals can usually only catch a glimpse of it by staying on the 6 train after its last stop downtown when it turns around to head north.In a statement, Mamdani's office said the choice to be sworn in at the station reflected his "commitment to the working people who keep our city running every day."

"When Old City Hall Station first opened in 1904 — one of New York's 28 original subway stations — it was a physical monument to a city that dared to be both

beautiful and build great things that would transform working peoples' lives," Mamdani said."That ambition need not be a memory confined only to our past, nor must it be isolated only to the tunnels beneath City Hall: it will be the purpose of the administration fortunate enough to serve New Yorkers from the building above," he said.On Thursday afternoon, Mamdani will be sworn in again, this time by US Sen. Bernie Sanders, one of his political heroes, on the steps of City Hall in a ceremony scheduled to kick off at 1 p.m. US Rep. Alexandria Ocasio-Cortez, another political ally, will deliver opening remarks.Mamdani's transition formed an inaugural committee that includes actor John Turturro, playwright Cole Escola and writer Colson Whitehead, as well as advocates, small business owners and campaign workers who the incoming mayor's office says have "provided perspective, guidance, and cultural sensibility" for the ceremony.

The public swearing-in will be accompanied by a block party along a stretch of Broadway leading up to City Hall. Mamdani's office expects thousands of people to attend and says there will be performances, music and interfaith elements.

NEWS BOX

Ashes hero Travis Head makes crucial BBL call ahead of T20 World Cup 2026

NEW DELHI. (Agency)

Superstar Australian cricketer Travis Head has hinted at missing the ongoing season of the Big Bash League (BBL) amid concerns over burnout. The left-handed opener said he wants to stay fresh for next year's T20 World Cup, which begins on February 7, especially after playing a major role in Australia retaining the Ashes urn.Describing the ongoing Ashes battle as emotionally draining, Head said he needs a break before what promises to be another demanding season of cricket next year. The 32-year-old has already endured a busy home summer, featuring in the white-ball series against India before playing a Sheffield Shield match as preparation for the Ashes. Head has been in belligerent form in the Ashes, hitting two decisive hundreds, including the whirlwind 123 in the series opener in Perth.When asked about turning out for the Adelaide Strikers in the BBL, Head told News Corp: "Probably unlikely with the emotional drain of an Ashes series, and what's coming up in terms of the World Cup.The emotional drain of actually being in an Ashes series and playing is always

tough. So I think it's important to go into a World Cup fresh."Head has not appeared for the Adelaide Strikers since the 2022–23 season of the Big Bash League.

The star batter has regularly skipped Australia's premier domestic T20 competition in recent years to prioritise international commitments and the Indian Premier League since returning to the tournament in 2024. Head has been an integral member of the SunRisers Hyderabad setup, forming a devastating opening partnership with Abhishek Sharma. He scored 567 runs at a staggering strike rate of 191.59 when SRH reached the final in 2024, followed by another prolific season in 2025.The BBL, which got underway on December 14, has once again been without several of Australia's leading Test stars due to the Ashes.

Arsenal end 2025 on top, Man United stumble against bottom-placed Wolves

Premier League 2025-26: Arsenal delivered a commanding 4-1 win against Aston Villa to end 2025 at the top of the table. Meanwhile, Manchester United struggled to a 1-1 draw with bottom-placed Wolves on Tuesday night.

Liverpool. (Agency)

Arsenal delivered a resounding message in the Premier League title race on Tuesday night, demolishing third-placed Aston Villa 4–1 at the Emirates Stadium to end 2025 firmly at the top of the table. The Gunners had trailed Villa in momentum—Villa came into the game on an 11-match winning run across competitions—but Arsenal's performance turned heads and highlighted their title credentials.The scoring burst came after a tight first half: Gabriel Magalhes opened the scoring early in the second half with a well-timed finish, before Martin Zubimendi doubled the lead minutes later, adding impetus to Arsenal's charge. Leandro Trossard's composed strike made it 3–0, and substitute Gabriel Jesus added a fourth just minutes after entering the pitch—a goal that underlined both Arsenal's depth and attacking fluidity. Villa managed a late consolation through Ollie Watkins, but it was little more than a footnote to a dominant evening for the hosts.The significance of the win goes well beyond the scoreline. Arsenal extended their lead to five points at the summit, topping the Premier League as the calendar year closed—five points clear of second-placed Manchester City and six ahead of Villa. Crucially, this result came against one of the division's most in-form sides, signaling not just consistency but the sort of performance that transforms title ambition into genuine momentum.For Villa, the loss halts their streak and sees them slip further behind a charging Arsenal, but Unai Emery's side remain firmly in the hunt for a top-four finish. Still, the emphatic nature of Arsenal's victory will likely resonate across the title race discussions over the winter period.While Arsenal were celebrating, Manchester United endured another frustrating evening at Old Trafford, drawing 1–1 with bottom-placed Wolverhampton

Wanderers. What should have been a straightforward home victory instead quickly became a statistic United will want to forget, days after a 1-0 win over Newcastle.The result was particularly embarrassing given Wolves' position; the Midlands side are at rock-bottom of the Premier League and had managed only a handful of points all season. That they could take a point from Old Trafford not only denied United valuable ground in the race for Champions League qualification but also sparked discontent from supporters, with boos heard at full time.

United took the lead through Joshua Zirkzee, whose effort deflected in and gave the hosts the advantage shortly before the half-hour mark. But the positivity was short-lived: Ladislav Krejci headed Wolves level just before half-time, ending United's hopes of a comfortable progress. In the second half, United dominated possession and saw a last-gasp effort ruled out for offside, but could not find a decisive breakthrough.

United manager Ruben Amorim did not sugar-coat his assessment of the draw. Post-match, he pinpointed the team's lack of quality and fluidity in attack as key reasons they failed to put away a team struggling so massively on paper. Amorim highlighted the absence of key players—many away at the Africa Cup of Nations or sidelined through injury—as contributors to the disjointed display, but stressed that this should not be used as an excuse.That is normal, but we didn't use that excuse against Newcastle. We are not going to use it today (Dec 30).

Indian sports in 2025: Handshake rows, stampedes and controversies that shaped the year

NEW DELHI. (Agency)

Sports in India may have had many memorable highs, but it has also had their fair share of controversies. Isolated moments quickly escalated to a year that had many notable moments defined by public disputes, administrative lapses and moments that embarrassed India as a nation. From international fixtures clouded by political tensions to domestic events marred by chaos, sport repeatedly slipped out of control.These controversies were no mere social media scandals or fleeting cycles of outrage; they disrupted schedules, people's careers and also raised uncomfortable questions on how sport is run in India, where there has always been passion, but planning or the administrative side of things tends to have fallen short.

This was the year when the noise around the game proved louder than the game itself. Let us take a look at some of the biggest sporting controversies in India for 2025.

BREAKDOWN OF INDIAN FOOTBALL

Indian football's biggest worry in 2025 wasn't results on the pitch, but whether its premier competition would survive at all. The future of the Indian Super League, long projected as the backbone of the sport's professional structure, drifted into uncertainty after its commercial and ownership framework unravelled. With no

clear bidders, unresolved contracts and mounting financial strain, the league's next season was left without firm timelines or guarantees.For clubs, the silence was crippling. Recruitment stalled, preseason planning froze, and players were left unsure if they would even have a competition to prepare for. Administrators offered reassurances, but clarity never followed. The instability also exposed how heavily Indian football had come to rely on a single top-flight product, with little cushioning beneath it.As weeks passed without resolution, concern spread beyond boardrooms. Coaches warned of lost development time, fans feared regression, and the national ecosystem began to feel the strain. In 2025, Indian football wasn't battling opponents — it was battling uncertainty over whether its top tier could stay upright at all.

WOMEN'S WORLD CUP MARRED BY SAFETY CONCERNS

What should have been a routine day during a global tournament instead exposed an uncomfortable gap between hosting prestige and on-ground safety. During the Women's World Cup in Indore, two members of the Australia women's cricket team were subjected to harassment while walking near their hotel, an incident that jolted players, officials and organisers alike. The brief encounter, involving a man on a motorcycle, was enough to trigger an alarm within the visiting camp and force an immediate police response.

Australian great Damien Martyn in induced coma, battling for life against Meningitis

NEW DELHI. (Agency)

Harbhajan Singh has thrown his weight behindFormer Australian cricketer Damien Martyn is in an induced coma, fighting the life-threatening disease meningitis. Martyn was rushed to a hospital in Brisbane in serious condition after falling ill on December 26.

The 54-year-old is suffering from meningitis, a disease that causes inflammation of the membranes surrounding the brain and spinal cord and can lead to swelling of the brain.

Former Australia wicketkeeper-batter Adam Gilchrist, a close friend of Martyn, informed the public on behalf of his family that Martyn is receiving treatment in a hospital."He is getting the best of treatment, and (Martyn's partner) Amanda and his family know that many people are sending their prayers and best wishes," Gilchrist was quoted as saying by cricket.com.au.Cricket Australia CEO Todd Greenberg also sent his best wishes for

Martyn's speedy recovery.

"I'm saddened to hear of Damien's illness. The best wishes of everyone at Cricket Australia and in the wider cricket community are with him at this time," Greenberg said in a statement.Martyn made his debut in international cricket during a Test against the West Indies in Brisbane in 1992, scoring 36 and 15 in two innings. Over the course of his career, Martyn became known for his elegant strokeplay and went on to play 67 Tests and 208 ODIs for Australia.

Martyn's illustrious career

The right-handed batter was a vital part of Australia's middle order during their dominant era from the late 1990s to the 2000s. Martyn was also part of Australia's World Cup-winning campaigns in 1999 and 2003.

He played a key role in the 2003 World Cup triumph, scoring a vital 88* (84) against India in the final. He was involved in a massive 234-run stand with Ricky Ponting (140* off 121 balls) to help Australia post a huge total of 359/2 in their allotted 50 overs.

Magnus Carlsen now a 20-time world champion, ends 2025 with Rapid and Blitz double

NEW DELHI. (Agency)

World No. 1 Magnus Carlsen showcased his endgame genius once again as he added a record-extending ninth World Blitz title to the Rapid gold medal he had won two days earlier. Carlsen defeated Uzbek GM Nodirbek Abdusattorov in a hard-fought final of the World Blitz Championship in Doha on Tuesday, December 30.

The Norwegian took home a €70,000 prize, securing his 20th world championship title overall across all three time controls. The triumph also marked the fifth time he has claimed the rare double crown as both the World Rapid and World Blitz champion.Carlsen refused to settle for a draw in the title showdown against the

young Abdusattorov and produced a stunning, unexpected pawn move in the fourth game of the clash to seal a 2.5–1.5 victory and extend his reign in Blitz chess.After the first three games, both players were locked at 1.5 points apiece. The victory was all the more sweet and fulfilling for the Norwegian, who had endured a string of losses during the qualifying (Swiss round) and struggled to secure a place in the knockout semifinals.A draw in Round 19 against Abdusattorov saw both Carlsen, on 13.5 points, and the Uzbek, on 13 points, clinch the final two semifinal spots on Tuesday, finishing behind sole leader Arjun Erigaisi, who topped the standings with 15 points, and American GM Fabiano Caruana, who followed with 14 points.Carlsen then went on to defeat Caruana 3–1 to book his place in the final, while an impeccable Abdusattorov handed Erigaisi a crushing 2.5–0.5 defeat in the semifinals, as the Indian settled for a second bronze medal after finishing third in the Rapid event.Meanwhile, the two bronze medals are a remarkable achievement for the 22-year-old Erigaisi, who will return home stronger and more resolute from the experience.

Margins to mainstream: India women's cricket team wins Battle of the Sexes in 2025

Dubai. (Agency)

For decades, India has fielded two senior national cricket teams—Men's and Women's. Yet, for much of that time, public attention, media coverage, and institutional support remained overwhelmingly skewed toward the men's side. The women's team, despite consistent performances and international success, was often relegated to the margins of public discourse.Rather than receiving the recognition they deserved, players from the women's team were frequently subjected to dismissive commentary and online ridicule. Social media narratives questioning the relevance of women's cricket—along with derogatory labels that trivialised their professionalism—became all too common, undermining both their achievements and credibility.The contrast in public reaction was stark. Landmark performances by male cricketers routinely sparked nationwide celebration, while equally impactful contributions from leading women cricketers were met with comparatively muted acknowledgement. This imbalance highlighted a deeper issue: the women's

team was not only competing on the field but also fighting for visibility and respect in a sport where they had long proven their excellence.For years, this disparity defined the narrative around Indian women's cricket. However, 2025 has signalled a decisive turning point—a moment that marks a profound shift in perception, recognition, and the broader cultural conversation surrounding the women's game.But 2025 has marked a seismic shift.

This year, things changed. India Women's Cricket has finally come into its own. 2025 will go down as the year that transformed the fortunes of these incredible athletes. It's the year when the players, who once faced endless mockery, could finally sleep with the quiet knowledge that their struggle had been worth it.The relentless effort, the tough journeys, and the battles—both on and off the field—have led them to a place where they can now proudly call themselves a force to be reckoned with.

2025 is the year when women's cricket in India was no longer an afterthought. It's the year the Indian women's team could stand tall, heads held high, and with the word "respect" finally associated with their name.

After World Cup snub, Shubman Gill to play Vijay Hazare Trophy in January: Report

Shubman Gill, Ravindra Jadeja and KL Rahul will play in the Vijay Hazare Trophy in January. The trio will leave their respective teams ahead of the three-match ODI series against New Zealand, beginning on January 11.

NEW DELHI. (Agency)

India Test and ODI captain Shubman Gill, all-rounder Ravindra Jadeja and star batter KL Rahul are all set to play in the Vijay Hazare Trophy in January. The trio will join their respective teams ahead of the upcoming three-match ODI series against New Zealand, beginning on January 11.According to Cricbuzz, Shubman Gill is expected to feature in Punjab's matches on January 3 and 6 against Sikkim and Goa in Jaipur. Punjab, grouped with powerhouse Mumbai in Group C, currently sit fourth with

two wins from three games. After playing two games, Gill will leave his state side to join the Indian team, which is set to assemble in Baroda on January 7-8 ahead of the first ODI against New Zealand.Ravindra Jadeja has also informed the Saurashtra Cricket Association (SCA) that he will play the January 6 and 8 fixtures against Services and Gujarat. Saurashtra are playing their league matches in Alur, Karnataka, and currently have one win from three games, placing them sixth in the eight-team group.The Karnataka State Cricket Association (KSCA) has not confirmed KL Rahul's participation, but he's likely to play in the January 3 and 6 games against Tripura and Rajasthan in Ahmedabad.

Karnataka are second in Group A, maintaining a 100% win record from three matches.Several big names have lit up the ongoing season of the Vijay Hazare Trophy, as star batters Rohit Sharma and Virat Kohli also fulfilled their mandatory domestic commitments set by the BCCI. Wicketkeeper batter Rishabh Pant is also consistently featuring for Delhi and will play the entire season for his team.Kohli will return to play for Delhi for their January 6 fixture against Railways under Pant's captaincy. Opening batter Yashasvi Jaiswal also returned to play for Mumbai for their fourth fixture against Goa after being hospitalised with severe stomach cramps following Mumbai's Syed Mushtaq Ali Trophy (SMAT) 2025 match against Rajasthan.

Sreeleela Surapaneni

Gets Mobbed While Visiting Tirumala Temple On The Occasion Of Vaikuntha Ekadashi

It is Vaikuntha Ekadashi today (December 30, 2025), and several celebrities have been visiting the Tirumala temple to seek blessings from the almighty. Along with several stars, Sreeleela also visited the temple, and pictures and videos of her getting mobbed have gone viral on social media. The actress, who went to seek blessings at the Tirumala temple, was seen surrounded by fans who were trying to click pictures with her and meet her.

As the videos of the actress getting mobbed went viral on social media, one wrote, "First ban mobiles near temples." "Sreeleela so sweet (sic)," another one commented.

Indian cricketer Surya Kumar Yadav (SKY) visited Tirumala early in the morning on the auspicious occasion of Vaikuntha Ekadashi. The video of him visiting the temple with his wife has also circulated on social media, with several people trying to click him visiting the holy place.Several actors have been mobbed in recent times as they stepped out to attend various launches and other events. Recently, Samantha Ruth Prabhu and Nidhhi Agerwal were mobbed at different events in Hyderabad.

Samantha Ruth Prabhu mobbed

Samantha Ruth Prabhu recently visited Hyderabad to fulfil a work commitment when a large number of people gathered, and chaos broke out. Samantha Ruth Prabhu was mobbed by the crowd, and in the clip, she was seen struggling to move and looking visibly restrained as she made her way to her car. The clip also showed Samantha's security personnel holding her and guiding her through the crowd.

Nidhhi Agerwal was mobbed after an event

Nidhhi Agerwal was mobbed at a fan event for her upcoming film The Raja Saab. Police at the Kukatpally Housing Board (KPHB) have registered a suo motu case against Lulu Mall management and the organisers of a promotional event after actor Nidhhi Agerwal was mobbed by fans during a song launch.

KPHB Inspector S. Rajashekar Reddy confirmed that the organisers had not sought prior permission to hold the programme. "A case is being registered against the mall management and the event organisers for holding the programme without permission," he said.

Rashmika Mandanna's

Low-Key Rome Vacation Is Internet's New Favourite

Actor couple Rashmika Mandanna and Vijay Deverakonda are spending the last days of the year in Rome, and fans are loving the small, personal moments they have shared from the trip. Rashmika posted a mix of photos and videos from the vacation, giving a peek into quiet celebrations, candle prayers, and time spent with close friends.

While most of the posts showed Rashmika enjoying the city, a few subtle clips featuring Vijay quickly caught attention online. Fans zoomed in on these moments, especially one where Rashmika fed Vijay dessert before tasting it herself. The gesture may have been simple, but it sparked a flood of reactions across social media.

A Sweet Moment That Fans Can't Stop Talking About One short video showed Rashmika holding a spoonful of dessert and feeding it to Vijay before taking a bite. Though Vijay's face was not clearly visible, fans instantly recognised him.Another clip showed the couple standing together with candles, praying quietly. Only Vijay's hand was visible, but the moment felt intimate and calm.

Fans quickly shared these clips on X (formerly Twitter) and Instagram. A fan reposted the dessert video and wrote, "First bite for Vijay. Second, her just wife things." Another user combined their names and called her "Rashmika Vijay Devarkonda."A fan simply called her 'wifey,' while another wrote, "I love you, Rashmika and Vijay Deverakonda, app dono ek sath bahut acche lagte hai (you both are so good together)."

Candle Prayer Clip Draws Playful Reactions

The video where Rashmika and Vijay prayed together also made waves online. Fans reposted it with short captions like, "Them." A person joked, "Tanani pray cheyyani anna (Let her pray brother)," pointing out how Vijay kept moving slightly during the moment.An Instagram user commented, "Vijay dever konda ke sath ho (You're with Vijay Deverakonda)." Some photos from the trip also included Vijay's brother, Anand Deverakonda, who joined the group during the Rome vacation.

How Their Love Story Began

Rashmika Mandanna and Vijay Deverakonda first worked together in the 2018 hit film Geetha Govindam, followed by Dear Comrade in 2019. Before this relationship, Rashmika was engaged to Kannada actor Rakshit Shetty, while Vijay was linked to a Belgian national named Virgine.

Rumours about Rashmika and Vijay dating began around 2020. Fans often noticed them posting solo pictures from the same locations, whether at home or while travelling. In 2024, both dropped subtle hints about their relationship without directly naming each other.In October 2025, the couple got engaged in a private ceremony attended.

Kartik Aaryan Reveals He Has Never Fallen In Love Even Once, Ananya Panday Is Surprised

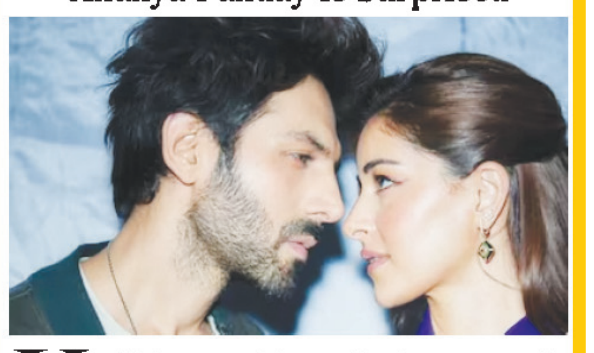

Kartik Aaryan and Ananya Panday are currently seen in Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri. The film is getting a positive response and is also doing well at the box office. To promote it further, the actors will appear on the latest episode of The Great Indian Kapil Show Season 4. Makers shared a promo where Kartik was seen making confessions about his love life, which left Ananya Panday shocked.In the leaked promo, Archana Puran Singh says Kartik's dialogues in the trailer, 'The first girl I say I love you to, will be the last girl I will say I love you', and asks if that is also Kartik's mantra. Responding to her, Kartik says, "I don't say I Love You, when the first one happens, I will say it." Reacting to this, a surprised Ananya Panday asks, "Toh ab tak nahi hua hai?" Kartik only smiles in response. It is worth mentioning here that both actors were rumoured to be dating in the past. However, they never confirmed.

Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri Day 5 Box Office

According to Sacnilk.com, the film earned just over Rs 1.75 crore on Day 5, indicating weak weekday momentum after a modest opening weekend. Released in theatres on December 25, the film has failed to build strong word-of-mouth, which is now reflecting in its declining footfalls across cinema halls in India. As per early estimates, the film opened with Rs 7.75 crore on Day 1, followed by Rs 5.25 crore on Day 2. On Day 3, the Kartik Aaryan starrer collected Rs 5.5 crore, while Day 4 saw a slight dip with earnings of Rs 5 crore. However, the real test came on Day 5, its first Monday, when the film recorded a sharp fall and managed to collect only Rs 1.75 crore nett in India.

About Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri

Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri marks the reunion of Kartik Aaryan and Ananya Panday after their 2019 film Pati Patni Aur Woh. The film also features veteran actors Jackie Shroff and Neena Gupta in pivotal supporting roles.

Nimrat Kaur Drops 'Unseen, Unserious And Unfiltered' Reel To Wrap Up 2025

2025 has been a whirlwind year for Nimrat Kaur. She kicked things off with Skyforce, dazzled us mid-year with Kull, and wrapped it all up in style with The Family Man Season 3.

But it wasn't all work for The Lunchbox actress. Her latest Instagram post shows that Nimrat also found plenty of time for fun, giving fans a glimpse of the memorable moments that made 2025 truly unforgettable.

Nimrat Kaur Looks Back At A Fun-Filled 2025

Nimrat shared a goofy reel that was basically a compilation of all the fun moments of 2025. It featured videos of her goofing around, getting a haircut, grooving to music, and enjoying massages. One clip even showed her grooving while taking a bite of dosa and idli, revealing the true foodie that she is.The reel also gave some behind-the-scenes glimpses from her projects Kull, Family Man Season 3, and Skyforce.

Plus, it showcased some of her standout fashion looks of the year as well. The reel ended with Nimrat gliding away on a snowmobile in a snowy landscape, with the text: "Rolling into 2026 like this"Her caption on the reel read, "Some unseen, mostly unserious, all unfiltered moments of the year gone by!" She added, "First quarter of the 21st century done (somewhat) right…bring on the next."Mona Singh commented on Nimrat's reel and wrote, "Oyee love it oye oye."

The reel also received enthusiastic reactions from users, with one commenting, "Oye kya baat hai," while another added, "Yummy for many reasons." Compliments kept pouring in, as a user remarked, "You are such a beauty," and another described her reel as "Masti Ki Paathshala." One user shared positive wishes, writing, "Here's to a phenomenal 2026," while another expressed affection by saying, "Love you ma'am, god bless you."

Nimrat's Spiritual Last Monday Of 2025

Nimrat shared a video on her Instagram on the last Monday of 2025, offering a glimpse of her visit to the Shankaracharya temple. In the caption, she expressed gratitude for the blessings of the year gone by and noted that, as it was the final Monday of 2025, she wanted to mark the moment by sharing her temple visit.She also wished that the divine protection and energy of Shiva would carry everyone forward with love and light into the coming year.